■ न्यायिक अधिकारियों के घेराव के लिए एआईएमआईएम व आईएसएफ दोषी - 12

■ इंडक्शन हीटर और बर्तनों का उत्पादन बढ़ाने के उपाय ढूंढने में जुटी सरकार- 12

■ भारत की नई परमाणु-चालित पनडुब्बी 'आईएनएस अरिदमन' सेवा में शामिल - 13

■ भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी और कपिल देव से मांगी माफी - 14

आज का मौसम

33.0⁰ अधिकतम तापमान

19.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.59

सूर्यास्त 06.32

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया 10:09 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2083

शनिवार, 4 अप्रैल 2026, वर्ष 7, अंक 129, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

प्रधानमंत्री का रोड शो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पुडुचेरी में विशाल रोड शो किया, जिसने करीब 2 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान भारी जनसैलाब उमड़ा। इस दौरान उनके साथ पुडुचेरी के कई बड़े नेता भी मौजूद थे। ● एजेंसी

न्यायिक अधिकारियों के घेराव का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल पुलिस ने मालदा जिले में सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मुख्य साजिशकर्ता समेत दो लोगों को शुक्रवार को सिलीगुड़ी के बागडोगरा हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुख्य साजिशकर्ता की पहचान अधिवक्ता मोफक्करुल इस्लाम के रूप में हुई है। उसे तब गिरफ्तार किया गया जब वह एक विमान में सवार होने की कोशिश कर रहा था। अधिकारी ने बताया कि वह कालियाचक कांड का मुख्य साजिशकर्ता है, जिसने बुधवार रात को सात न्यायिक अधिकारियों का बीडीओ कार्यालय के अंदर कई घंटों तक घेराव किया था। वह विमान में सवार होकर भागने की फिराक में था। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (उत्तर बंगाल) के. जयरामन ने पत्रकारों को बताया कि मोफक्करुल इस्लाम उत्तर दिनाजपुर जिले के इटाहार का रहने वाला है और वर्तमान में कोलकाता में रह रहा है। उन्होंने बताया कि बुधवार को भाषणों के माध्यम से स्थानीय लोगों को भड़काने के आरोप में कालियाचक पुलिस थाने में उसके खिलाफ तीन मामले दर्ज किए गए हैं। इस भड़काऊ भाषण के बाद मोथाबारी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कालियाचक-2 ब्लॉक कार्यालय के अंदर सात न्यायिक अधिकारियों का घेराव किया गया था। उन्होंने बताया, घटना के बाद हमने मोफक्करुल इस्लाम का पीछा किया और पश्चिम बंगाल आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) और सिलीगुड़ी पुलिस की मदद से उसे और उसके साथी को बागडोगरा हवाई अड्डे से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ तीन अलग-अलग जगहों पर स्थानीय लोगों को भड़काने के आरोप में तीन मामले दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि कालियाचक घटना के संबंध में कुल 19 मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एनआईए द्वारा जांच अपने हाथ में लेने के बावजूद वह अपनी जांच जारी रखेगी।

मास्टरमाइंड मोफक्करुल इस्लाम (दाएं से दूसरे)।

- पश्चिम बंगाल पुलिस ने बागडोगरा हवाई अड्डे से दबोचा, दो अन्य आरोपी भी वहीं से गिरफ्तार
- मुख्य साजिशकर्ता की पहचान अधिवक्ता मोफक्करुल इस्लाम के रूप में हुई

एनआईए की 24 सदस्यीय टीम जांच को मालदा पहुंची

कोलकाता। निर्वाचन आयोग द्वारा एनआईए को जांच सौंपे जाने के बाद एक टीम मामले की जांच के लिए मालदा पहुंची और मोथाबाड़ी और कालियाचक थाना क्षेत्रों का दौरा किया। आयोग ने यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद उठाया, जिसने इस मुद्दे पर बंगाल प्रशासन की कड़ी आलोचना की थी। एनआईए की 24 सदस्यीय टीम ने मोथाबाड़ी में पुलिस और अन्य कर्मियों से बात की और उस स्थान से सुराग एकत्र किए जहां भीड़ जमा हुई थी और सुरक्षा बलों द्वारा नाकाबंदी हटाने की कोशिश के दौरान वाहनों पर पथराव किया था। इस टीम का नेतत्व डीआईजी स्तर के एक अधिकारी कर रहे हैं।

ब्रीफ न्यूज

सीबीएसई : छठी कक्षा में पढ़नी होंगी तीन भाषाएं

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपना नया शैक्षिक कार्यक्रम लागू कर दिया है, जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान की दो-स्तरीय प्रणाली तथा कक्षा 6 से तीन-भाषा फॉर्मूले का चरणबद्ध कार्यान्वयन शुरू किया जाएगा।

(विस्तृत देश विदेश पेज पर)

दिल्ली समेत कई राज्यों में भूकंप के झटके

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर, चंडीगढ़ समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में शुक्रवार रात 9:42 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जानकारी के मुताबिक, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-ताजाकिस्तान बॉर्डर क्षेत्र में था, जिसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.9 मापी गई।

दो पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पड़ने का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। आईएमडी ने शुक्रवार को कहा कि इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम भारत पर एक के बाद एक दो पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पड़ने की संभावना है, जिनकी तीव्रता शुक्रवार, शनिवार और मंगलवार को चरम पर रहेगी। आईएमडी ने कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत में ओलावृष्टि होने की संभावना है और कश्मीर घाटी में शुक्रवार व शनिवार को कुछेक स्थान पर भारी बारिश भी हो सकती है।

पूरे पश्चिम एशिया में ईरान के हमले अमेरिकी विमान को भी मार गिराया

पहली बार ईरान में गिरा अमेरिकी विमान, अभियान में एक पायलट बचाया

- खतरनाक मोड़ पर पहुंची पश्चिम एशिया जंग, इजराइल-अमेरिका ने तेहरान को निशाना बनाया

दुबई/तेहरान, एजेंसी

पश्चिम एशिया में चल रही जंग बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। मिसाइल हमलों के बीच ईरान ने शुक्रवार को एक अमेरिकी फाइटर जेट गिराया दिया। जेट में सवार अमेरिकी पायलट दक्षिण-पश्चिमी ईरान में विमान से सुरक्षित बाहर निकल गए। युद्ध की शुरुआत के बाद यह पहला मौका है जब ईरान के भीतर किसी अमेरिकी जेट के गिरने की पुष्टि हुई है।

बाद में अमेरिका ने इजराइल की मदद से चालक दल के एक सदस्य को बचा लिया, जबकि दूसरे की ललाश जारी है। घटनाक्रम से अवगत तीन अधिकारियों ने बताया कि यह बचाव ऐसे समय हुआ जब अमेरिकी सेना तलाश एवं बचाव अभियान चला रही थी। इजराइल इस तलाश एवं बचाव अभियान में अमेरिका की मदद कर रहा है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को इस घटनाक्रम के बारे में जानकारी दे दी गई है, लेकिन उन्होंने इससे अधिक कोई और ब्यौरा नहीं दिया। वहीं, ईरान ने समाचार चैनल के माध्यम से लोगों से आग्रह किया था कि वे किसी भी दुश्मन पायलट को पुलिस के हवाले कर दें और ऐसा करने वाले व्यक्ति को इनाम दिया जाएगा। अधिकारियों ने जनता से पड़ोसी प्रांत चहारमहल और बख्तियारी में भी पायलट की तलाश करने का आग्रह किया था।

ईरान ने शुक्रवार को समूचे पश्चिम एशिया में कई ठिकानों पर हमले किए, जिससे कुवैत में समुद्री पानी को पेयजल में बदलने वाला एक विलवणीकरण संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गया और एक रिफाइनरी में आग लग गई। वहीं, अमेरिका और इजराइल ने हवाई हमले कर तेहरान को निशाना बनाया।

कराज शहर में हवाई हमलों से क्षतिग्रस्त हुआ पुल।

थोड़ा और समय मिले तो होर्मुज से आसानी से मुनाफा कमा सकते : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि अगर अमेरिका को ईरान के साथ चल रहे युद्ध के दौरान थोड़ा और समय मिल जाए तो वह आसानी से होर्मुज को फिर से खोल सकता है और तेल के पूरे प्रवाह पर नियंत्रण कर भारी मुनाफा कमा सकता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर यह घोषणा की। यह दुनिया के लिए एक खजाना साबित होगा?

अबू धाबी में 5 भारतीय घायल

नई दिल्ली। अबू धाबी में शुक्रवार को एक मिसाइल के मलबे से 12 लोग घायल हो गए, जिनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल हैं। पिछले सप्ताह, अबू धाबी में यूएई की हवाई रक्षा प्रणाली द्वारा रोकी गई मिसाइलों के मलबे की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें एक भारतीय भी शामिल था। रियाद में 18 मार्च को हुए ईरानी हमले में एक और भारतीय नागरिक मारा गया था।

अमेरिका ने शीर्ष अधिकारी को हटाया

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना के शीर्ष अधिकारी और दो अन्य जनरलों को पदों से हटा दिया है। ईरान के खिलाफ जारी युद्ध के बीच सेना के शीर्ष अधिकारियों को हटाए जाने के कारणों की जानकारी नहीं दी गई है।

घुसपैठियों को निकालेंगे, 'लव-लैंड जिहाद' नहीं पनपने देंगे : मुख्यमंत्री

- असम के चुनावी रण में गरजे योगी कांग्रेस-यूडीएफ पर सीधा वार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री ने कांग्रेस व यूडीएफ पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चुनाव से पहले ही मैदान छोड़कर भाग चुकी है, जबकि यूडीएफ घुसपैठियों के सहारे असम की जनसांख्यिकी बदलने की साजिश कर रही है। उन्होंने दो टूक कहा कि एनडीए सरकार असम को लव जिहाद और लैंड जिहाद की धरती नहीं बनने देगी। चुनाव को विकास बनाम तुष्टिकरण की लड़ाई ठहराते हुए योगी ने यूपी का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां नो कर्फ्यू, नो दंगा की स्थिति है।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को असम के बारपेटा और बरछला विधानसभा क्षेत्र में की चुनावी सभाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जय श्रीराम के उद्घोष के बीच यूडीएफ को घुसपैठ की जननी बताया। कहा कि कांग्रेस उसकी सहयोगी बनकर राज्य की सुरक्षा में सेंध लगा रही है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से अपील की कि वे ऐसे दलों को सबक सिखाएं और भाजपा को मजबूत जनादेश दें। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में विकास और विरासत के मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार पूर्वोत्तर में अभूतपूर्व विकास कर रही है। सड़क, रेल, एयरपोर्ट और शिक्षा संस्थानों का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे असम समेत पूरे क्षेत्र की तस्वीर बदल रही है। योगी ने दावा किया कि यूपी में अब माफिया और अराजक तत्वों पर सख्ती से नियंत्रण किया गया है, जिससे आम जनता सुरक्षित महसूस कर रही है।

असम के बारपेटा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

साजिश करने वालों को बख्शेंगे नहीं

सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि एक-एक घुसपैठिए को चिन्हित कर बाहर करने की प्रक्रिया जारी है और किसी भी साजिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। डबल इंजन सरकार का संकल्प है कि असम को घुसपैठ और अराजकता का अड्डा नहीं बनने दिया जाएगा। दंगाइयों और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और राज्य की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा हर हाल में की जाएगी।

विकास, सुरक्षा व सांस्कृतिक पहचान को दें समर्थन

योगी ने कहा कि यह चुनाव विकास बनाम तुष्टिकरण की लड़ाई है। एक ओर एनडीए सरकार है, जो सुरक्षा, सुशासन और गरीब कल्याण के लिए काम कर रही है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और यूडीएफ हैं, जिनके पास न कोई स्पष्ट नीति है और न ही काम करने की क्षमता। असम के चाय बागान श्रमिकों और युवाओं को आगे बढ़ाने का कार्य केवल भाजपा ही कर सकती है। अंत में योगी ने असम की जनता से अपील की कि वे विकास, सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान के लिए एनडीए को समर्थन दें।

दोस्त बने दुश्मन : पेट में गोली लगने से किशोर की मौत, दो गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

मृतक अंश कुमार

- पेट में लगी थी गोली डॉक्टर और दोस्तों ने छिपाई बात, दो दिन एक से दूसरे अस्पताल भटकाते रहे

मामले की रिपोर्ट दर्ज कर शुभम कुमार, नितिन सिंह उर्फ मिक्कू और अन्य तीन साथी अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। नामजद दोनों आरोपी पुलिस की हिरासत में हैं, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

- विवेक तिवारी, सीओ सिटी

अमृत विचार : शहर से सटे सुआगाड़ा मोहल्ले में कक्षा 11 के छात्र अंश कुमार झा (17 वर्ष) की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई। दोस्त उसे घायल अवस्था में इलाज के लिए उसे एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल में लेकर भटकते रहे। इस मामले में दोस्तों पर ही हत्या और साजिश के गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने दोनों दोस्तों को नामजद कर तीन अन्य अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। उधर, पोस्टमार्टम के बाद शव घर लेकर पहुंचे परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया। उनका कहना था कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती। वह अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। हरकत में आई पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तब जाकर परिजन माने और शव का अंतिम संस्कार किया।

सुआगाड़ा निवासी अनिल कुमार झा ने बताया कि 30 मार्च की शाम करीब आठ बजे अंश गांव के ही दोस्त शुभम कुमार और नितिन सिंह मिक्कू के साथ घर से निकला था। देर रात उसने फोन पर परिजनों को बताया कि वह लखनऊ में एक दोस्त की मां का इलाज कराने आया है। अगले दिन सुबह घर लौटने की बात कही। अगले दिन सुबह बताया कि लखनऊ से लौट रहा है। उसी दिन दोपहर ढाई बजे बात हुई तो उसने बताया कि उसकी तबीयत खराब होने के कारण शहर के छाउछ स्थित जनशक्ति हॉस्पिटल में भर्ती है। परिजनों का आरोप है कि जब वह अस्पताल पहुंचे तो अंश के साथ मौजूद शुभम कुमार और नितिन सिंह मिक्कू सहित डॉक्टर ने सही जानकारी नहीं दी। पूछने पर बताया कि वह पटाखे से झुलस गया है। उसी का इलाज चल रहा है। 31 मार्च की रात हालत गंभीर होने पर अंश को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर किया गया, जहां एक्सरे जांच में सामने आया कि उसके पेट में गोली लगी है। इसके बाद उसकी हालत बिगड़ती गई और दो अप्रैल की सुबह उसकी मौत हो गई।

केंद्र का दावा, गंगा का पानी स्नान करने योग्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- कहा- प्रदूषण के स्तर में आ रही है कमी उत्तराखंड में 19, उत्तर प्रदेश में 41, बिहार में 33, पश्चिम बंगाल में 15 स्थान शामिल

केंद्र सरकार ने दावा किया है कि गंगा का पानी निगरानी किए गए सभी स्थलों पर स्नान के मानकों पर खरा उतरता है और इस नदी में प्रदूषण का स्तर घट रहा है। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 2025 (जनवरी से अगस्त) के औसत जल गुणवत्ता आंकड़ों के आधार पर, नदी का पीएच और घुलित ऑक्सीजन स्तर सभी स्थानों पर स्नान के मानदंडों को पूरा करता है।

पीएच (पोटेंशियल ऑफ हाइड्रोजन) किसी तरल पदार्थ या विलयन में हाइड्रोजन आयनों की सांद्रता को मापकर उसकी अम्लीयता या क्षारीयता बताने वाला एक पैमाना है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) पांच राज्यों के कुल 112 स्थासनों पर गंगा नदी की जल गुणवत्ता की निगरानी करता है, जिनमें उत्तराखंड में 19, उत्तर प्रदेश में 41, बिहार में 33, झारखंड में चार और पश्चिम बंगाल में 15 स्थान शामिल हैं। हालांकि, उप्र के कुछ हिस्सों- जैसे फर्रुखाबाद से कानपुर के पुराना राजापुर तक, रायबरेली के डलमऊ व गाजीपुर के तारीघाट तक मिर्जापुर के निचले हिस्से- में यह मानकों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरता।

होर्मुज : भारत में तेल-गैस की आपूर्ति बढ़ाएगा रूस

नई दिल्ली, एजेंसी

- रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री ने एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री जयशंकर से की चर्चा
- दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई

रूस ने पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में बढ़ती अस्थिरता के बीच भारत को कच्चे तेल एवं प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर भी सहमति जताई है। रूस के प्रथम उप प्रधानमंत्री डेनिस मंतुरोव ने गुरुवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों में ऊर्जा सहयोग पर विशेष रूप से चर्चा की।

मंतुरोव ने इसके बाद वित्त मंत्री सीतारमण से भी मुलाकात की। गुरुवार शाम वह प्रधानमंत्री मोदी से भी मिले। रूस की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, नई दिल्ली में हुई इन बैठकों में तेल एवं गैस क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया। मंतुरोव ने पुष्टि की कि रूसी कंपनियों के पास भारतीय बाजार को तेल एवं एलएनजी की आपूर्ति लगातार बढ़ाने की क्षमता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब युद्ध के बीच होर्मुज के रास्ते तेल एवं गैस की आपूर्ति प्रभावित होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, उद्योग, ऊर्जा, उर्वरक, संपर्क एवं परिवहन के अलावा प्रौद्योगिकी, नवाचार तथा महत्वपूर्ण खनिजों में नए अवसरों पर भी व्यापक चर्चा की।

रोमांचक

आज सूर्य की तेज लपटों से गुजरेगा धूमकेतु, नासा और इएसए की दूरबीन सोहो की नजरें इस पर टिकी हुईं

बच निकला तो दिन की रोशनी में नजर आएगा धूमकेतु एमएपीएस

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : धूमकेतु सी/2026 ए1 (एमएपीएस) शनिवार को सूर्य की लपटों के बीच से गुजरने जा रहा है। यह बचेगा या खत्म हो जाएगा, इसका पता कुछ समय बाद चलेगा। जिंदा रहा तो दिन में भी नग्न आंखों से देखा जा सकेगा। इस धूमकेतु पर दुनियाभर के खगोलविदों के साथ नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोलविद भी नजर बनाए रखे हैं। इस धूमकेतु का 4 अप्रैल को सूर्य के निकट (पेरिहेलियन) पहुंचना संभव है।

दरअसल, धूमकेतुओं की दुनिया में 'धूमकेतु एमएपीएस' इन दिनों छाया हुआ है। एक ओर नासा और इएसए की दूरबीन सोहो की नजरें इस पर टिकी हुई हैं तो वहीं, एरीज से स्थापित जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से भी इस पर नजर रखी जा रही है। इस धूमकेतु को दुर्लभ माना जा रहा है। आकार में काफी बड़ा होने के कारण उम्मीद जताई जा रही है कि यह जीवित बच निकलेगा और जीवित रहा तो दिन के उजाले में भी देखा जा सजेगा, जबकि रातों को कुछ अलग अंदाज में चमक बिखेरेगा।

गणना है कि यह धूमकेतु सूरज की सतह से लगभग 1.63 लाख किलोमीटर दूर से गुजरने वाला है। इतनी कम दूरी का मतलब सूरज की भयानक तपिश में डूब जाना है। वैज्ञानिकों का कहना है कि सूर्य की तेज गर्मी के साथ सूरज का अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण से इसके अंदर के बर्फ और गैस उबलकर फट सकती है। पूर्व में धूमकेतुओं को इस तरह से फटते हुए देखा जा चुका है। जिस कारण इसके सुरक्षित बच निकलने की संभावना कम है। हालांकि, कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि आकार में बड़ा होने के कारण यह बच निकलेगा। जिस कारण यह धूमकेतु वैज्ञानिकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस धूमकेतु को सीधा देखने की कोशिश कतई नहीं करें। जिससे आंखों के लिए बड़ा खतरा हो सकता है। नासा सोहो अंतरिक्ष दूरबीन से इसका सीधा प्रसारण दिखा रहा है।

इतिहास रचने को तैयार

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार बहुचर्चित धूमकेतु एमएपीएस बच निकला इतिहास बना जाएगा। सभी को इसके सूर्य के करीब पहुंचने का इंतजार है। अगर यह बच निकला तो सूर्य की तेज रोशनी से बाहर आते ही कुछ दिन बाद चमक बिखेरने लगेगा। बहरहाल अभी इसके भविष्य को लेकर कहना मुश्किल है।

अंतरिक्ष एजेंसी संयुक्त मिशन पर

जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप (जेडब्ल्यूएसटी), नासा, ईएसए और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी का एक संयुक्त मिशन है। इसके माध्यम से 2021 से अंतरिक्ष के रहस्यों को उजागर किया जा रहा है। नैनीताल स्थित एरीज संस्थान सौर मंडल से बाहर के एक दुर्लभ धूमकेतु (3I/एटलस) के अध्ययन में भी अंतर्राष्ट्रीय खगोलविदों के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

पति पर लगाया हमला करने का आरोप

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम बिठौरा कला निवासी गीता देवी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पति विनोद कुमार शराब पीकर आए दिन उसके साथ मारपीट करता है। दो अप्रैल को रात में उसका पति शराब पीकर आया। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट की। जान से मारने की धमकी भी दी। एसओ गजरौला बृजवीर सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच करा रहे हैं।

सड़क हादसे में बाइक सवार घायल

बरखेड़ा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुर निवासी आबिद शुक्रवार को घर से बाइक पर सवार होकर कस्बा आ रहे थे। पचपेड़ा चौराहे पर पहुंचते ही मोहम्मदगंज रम्पुरा की ओर से आ रही दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। हादसे में आबिद घायल हो गए उन्हें निजी अस्पताल भर्ती कराया है।

घर में घुसकर मारपीट करने पर रिपोर्ट

बीसलपुर, अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम मितेपुर निवासी राजाराम की पत्नी सुशीला देवी ने पुलिस का दी तहरीरए बताया कि वह घर पर अकेली थी। इस बीच पड़ोसी सत्यपाल, उनकी पत्नी घर में घुस आए। पीड़िता दवा लेकर आई थी। तभी आरोपियों ने गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर पीटा। जब पुत्र ने आरोपियों के घर जाकर जानकारी की तो इसको भी पीटा गया। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर जांच कर रही है।

अलग-अलग जगहों से दो किशोरियां लापता

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली में दी तहरीर में क्षेत्र के एक ग्रामीण ने बताया कि उसकी भतीजी उसके साथ ही रहती है। 31 मार्च को दोपहर दो बजे उसके रिश्तेदार टीकराम और मुकेश निवासी ग्राम सिमरिया गौसू थाना न्यूरिया घर आए। जब वह दुकान पर सामान लेने गया तो पीछे से आरोपी उसकी 16 वर्षीय भतीजी को बाइक पर बैठाकर ले गए। वहीं दूसरा मामला जहानाबाद थाना क्षेत्र का है। जहां एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 30 मार्च को उसकी 17 वर्षीय पुत्री को ग्राम ललौरीखेड़ा निवासी शिवम अपने बहनोई की मदद से भागा ले गया। उसकी पुत्री घर में रखे सवा लाख रुपये नकद और सोने- चांदी के जेवर भी ले गई।

अतिक्रमण आड़े आया तो सौंदर्यीकरण प्रोजेक्ट अधर में डाला

उठे सवाल, अतिक्रमण हटाना ही नहीं चाहते नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारी, शहर में छोड़िए हाईवे के 200 मीटर हिस्से से भी दूर नहीं हुई समस्या

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

छतरी चौराहा पर अतिक्रमण के चलते डिवाइडर से सटकर गुजरते वाहन। ● अमृत विचार

छतरी चौराहा पर डिवाइडर वाले हिस्से पर इस तरह सजती हैं दुकानें और बेतरतीब वाहन।

डिवाइडर के इसी हिस्से से हटाए गए लगाए गए नये स्ट्रीट लाइट पोल। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अतिक्रमणकारियों पर कार्रवाई करने से नगर पालिका के जिम्मेदार दशकों से बचते आए हैं। इसके पीछे वजह कुछ भी रही हो, लेकिन विकास और सौंदर्यीकरण पर अतिक्रमण का ग्रहण बरकरार है। आलम ये है कि चौराहा के सौंदर्यीकरण के लिए शुरू की गई मुहिम के आड़े आने के बाद भी अतिक्रमण पर नगर पालिका का बुल्डोजर नहीं गरजा। ठेकेदार की ओर से बकायदा पत्राचार अधिकारियों तक किया गया लेकिन नतीजा शून्य ही रहा। 44 दिन बीत चुके हैं और परिणाम ये रहा कि सौंदर्यीकरण की मुहिम ही अधूरे में बंद कर दी गई। जिम्मेदारों की ये बेबसी तमाम सवाल खड़े कर गई है।

एक तरफ नगर पालिका के जिम्मेदार शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर संजीदगी के दावे करते हैं। वहीं, दूसरी ओर अतिक्रमण पर कार्रवाई करने की सालों से कोई प्लानिंग नहीं बनाई जा सकी है। प्रशासनिक स्तर से नगर पालिका के अधिकारियों का कार्य बताकर टाल दिया गया, जबकि नगर पालिका के जिम्मेदार ये तर्क देते रहे कि प्रशासनिक अधिकारियों संग मंथन के बाद कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जा सका। शहरवासियों के लिए मुसीबत बनते जा रहे अतिक्रमण पर कार्रवाई हो भी तो कैसे। यहां तो नगर पालिका के अधिकारी अपने ही विकास कार्य में अड़चन बनने के बाद भी महज 200 मीटर के हिस्से को अतिक्रमण मुक्त कराने की सुध नहीं ले सके हैं। बता दें कि बीते दिनों नगर पालिका के स्तर से शहर के सौंदर्यीकरण को लेकर कवायद शुरू की गई। छतरी चौराहा पर स्थित डिवाइडर पर दोनों तरफ कुल 30 पोल लगाए जाने थे। इनके ऊपर लाइटिंग में छतरी का आकार भी दिया गया था। इसका ठेका करने के बाद काम भी शुरू करा दिया गया। मगर,स्ट्रीट लाइट पोल लगने के कुछ दिन बाद ही अतिक्रमण से सिकुड़ी हाईवे की सड़क के बीच गन्ना वाहनों की आवाजाही से लगाए गए स्ट्रीट लाइट पोल ही टूटकर गिरते चले गए।

19 फरवरी को ठेकेदार पंकज सिंह राजपूत ने डीएम, नगर पालिका ईओ बकायदा लिखित में सूचनाएं दी। दिए गए पत्र में बताया कि छतरी चौराहा के पास लाइट पोल अधिष्ठापन का कार्य कराया जा रहा है। इसके तहत डिवाइडर पर लाइट पोल स्थापित किए गए थे। मगर पोल स्थापित होने के कुछ समय बाद ही वहां से गुजर रहे ओवरलोड गन्ने के ट्रकों के गुजरने से पोल क्षतिग्रस्त हो गए। उनका कहना था कि छतरी चौराहा पर मुख्य मार्ग पर दोनों तरफ काफी अतिक्रमण है।

इसके चलते ट्रक डिवाइडर के समीप से होकर गुजरते हैं। जिससे पोल क्षतिग्रस्त होने की संभावना बनी रहती है। लोगों की जानमाल का भी नुकसान बताया गया लेकिन उसके बाद भी अतिक्रमण हटाने की सुध नहीं ली गई। खास बात ये है कि अब इस मुहिम को ही एक तरह से खत्म कर दिया है। उधर, नगर पालिका के जिम्मेदार जवाबदेही से बचते नजर आ रहे हैं।

तो अब नई जगह की होगी तलाश

वैसे तो कोई भी सौंदर्यीकरण कार्य सरकारी बजट पर शुरू किया जाए तो पहले ही मौके की वास्तविक स्थिति पर गौर किया जाना चाहिए। फिलहाल इसे लेकर लापरवाह तस्वीर सामने आई। इसके बाद हद तब हो गई जब सौंदर्यीकरण कार्य के लिए अतिक्रमण हटाने का आग्रह तक कर लिया गया लेकिन उस पर भी कोई एक्शन नहीं लिया। कई दिन चले इंतजार के बाद पोल हटवाना शुरू कर दिए गए। अभी 28 मार्च को ही सरेशाम राहगीरों की आवाजाही के बीच एक पोल सड़क पर गिरा और राहगीरों की जान बच गई। फिलहाल अब पोल हटवाना ही पड़ गए। बताते हैं कि अब अतिक्रमण तो हटने से रहा। डिवाइडर की चौड़ाई होने का इंतजार है। ऐसा न हुआ तो किसी अन्य स्थान को तलाश कर वहां पर पोल लगवाने पर मंथन किया जा रहा है।

नहीं हटा अतिक्रमण, डिवाइडर की चौड़ाई भी है कम

ठेकेदार पंकज सिंह राजपूत का कहना है कि छतरी चौराहा पर स्ट्रीट लाइट पोल लगाने का काम उन्हें मिला था। कुल 30 पोल लगाए जाने थे। इस पर काम शुरू भी करा दिया गया था। मगर, अतिक्रमण की वजह से दिक्कत आई। डिवाइडर की चौड़ाई भी कम है। ऐसे में पोल गिरने लगे थे। काफी नुकसान भी हो गया। लेवर खर्च भी दो बार हो चुका। अब इस प्रोजेक्ट को फिलहाल रोक दिया है। अतिक्रमण हटाने को लेकर लिखे गए पत्र पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। डिवाइडर की चौड़ाई भी कम है। ये कभी चौड़ा हुआ तो यहां पर वरना कहीं और पोल लगाएंगे।

स्कूल चलो अभियान को आज विशेष कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● गांधी प्रेक्षागृह में दिखाया व सुनाया जाएगा मुख्यमंत्री का लाइव कार्यक्रम

अमृत विचार : शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम को लेकर शनिवार को विशेष कार्यक्रम गांधी प्रेक्षागृह में आयोजित होगा। जिसमें मुख्यमंत्री का प्रसारण भी दिखाया-सुनाया जाएगा। जिलेभर में इसे लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्कूल चलो अभियान की शुरुआत के बाद शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लाइव प्रसारण के साथ विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा। बेसिक शिक्षा विभाग ने इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। बीएसए रोशनी सिंह ने बताया कि जिले के सभी 1508 परिषदीय विद्यालयों में मुख्यमंत्री का संदेश लाइव दिखाया जाएगा, ताकि छात्र-छात्राएं और शिक्षक सीधे इस अभियान से जुड़ सकें। जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम शहर के गांधी प्रेक्षागृह में सुबह 9:30 बजे से होगा। इसमें जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस अवसर पर विभाग की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन में विशेष पकवान तैयार किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत प्रभात फेरी से होगी, जिसमें शिक्षक और बच्चे मिलकर शिक्षा का संदेश देंगे। यह अभियान चार अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा।

समझौते के बाद दोबारा की मारपीट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना गजरौला क्षेत्र के ग्राम चुड़ैला बंजरिया निवासी शीतल पत्नी रविंद्र कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि 25 मार्च को गांव के रामेश्वर दयाल, विशाल राठौर, राजेश और उसकी पत्नी रुचि राठौर द्वारा घर में घुसकर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी। जिसका गांव वालों ने समझौता करा दिया था। एक अप्रैल को रात नौ बजे उपरोक्त आरोपी दोबारा उसके घर में घुस आए। आरोपियों ने उसके और उसके परिवार के लोगों के साथ मारपीट की। घर की खिड़की और दरवाजे भी तोड़ दिए।

शोर शराबा होने पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की है।

गुड फ्राईडे पर ईसा मसीह की शहादत को किया याद

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पूरनपुर के सेंट जोसेफ चर्च में गुड फ्राइडे को क्रूस रास्ते में भाग लेते लोग। ● अमृत विचार

● क्रूस रास्ते के जरिये चौदह प्रतीक स्थानों पर प्रार्थना

अमृत विचार: गुड फ्राइडे को विशेष प्रार्थना कराकर मनाया गया। ईसा मसीह के शहादत के दिन को मनाने के लिए बड़ी संख्या में ईसाई समुदाय के लोग जमा हुए। उनकी कुर्बानी को गमी के दिन के रूप में मनाया गया। पुरोहित ने क्रूस रास्ते का आयोजन कराया।

जिलेभर में गुड फ्राइडे ईसाई समुदाय के लोगों ने ईसा मसीह के शहादत के दिन के रूप में मनाया। शहर के मैथोडिस्ट चर्च , फुल गॉस्पल पेंटी कॉस्टल चर्च में गुड फ्राइडे का आयोजन पूरे श्रद्धा और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। दोपहर तीन बजे क्रूस मार्ग के जुलूस के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें 14 स्थानों पर प्रभु यीशु के जीवन और उनके संदेशों पर चिंतन किया गया। कैथोलिक समुदाय के ने भक्ति भाव से क्रूस को कंधों पर उठाकर उनके बलिदान को स्मरण किया।

प्रभु यीशु के शांति और भाईचारे के संदेश को जीवन में अपनाने का आह्वान किया गया। पूरनपुर के सेंट जोसेफ चर्च में बड़ी संख्या में लोग विशेष प्रार्थना में शामिल होने के लिए पहुंचे। प्रभु ईसा मसीह के दुख भोग को दर्शाने के लिए चौदह स्थानों को प्रतीक के रूप में चिंहित किया गया, जहां पर क्रूस रास्ते का आयोजन किया गया।

प्रार्थना में फादर ग्रेगरी मस्क्रेनहस ने ईसा मसीह पर किये गये जुल्मों का जिक्र किया। उन्होंने ईसा मसीह की विभिन्न यातनाओं के बारे में बताया। इसके बाद फादर ने चर्च में क्रूस की आराधना करायी। फादर ने कहा कि ईसा ने यह सब खुद के लिए नहीं बल्कि मानव जाति के उद्धार के लिए किया और सारी तकलीफों को सहा। इसी दुख को इजहार करने के लिए शनिवार रात तक हर चर्च में घंटियां खामोश रहीं। इसके बाद फादर ने चर्च में क्रूस की आराधना करायी।

उन्होंने देश व दुनिया में शांति व सलामती लिए दुआएं कीं। प्रधानाचार्या सिस्टर रेम्या, सिस्टर संजना, सिस्टर टेसी, आनन्द प्रकाश, पतरस, सुशील एक्का, नीलिमा, प्रीति, अलीशा कुजूर, जार्ज कुट्टी, जॉयस परेरा, पैट्रिक आनंद, एमानुएल, लिली प्रकाश, संजय सिंह, स्टेला, सुन्निमोल, फिलिप आदि मौजूद रहे।

कम लागत में ज्यादा मुनाफा देगी गन्ने की पेड़ी, विभाग ने शुरू की पहल

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: जनपद के गन्ना किसानों की आय दोगुनी करने और खेती की लागत घटाने के लिए गन्ना विभाग ने एक नई पहल शुरू की है। विभाग के मुताबिक यदि पेड़ी फसल का वैज्ञानिक तकनीकों के अनुरूप प्रबंधन किया जाए तो इससे कम लागत में फसल की उत्पादकता में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो सकती है। गन्ना विभाग इसको लेकर किसानों की मदद भी करेगा।

प्रदेश के कृषि प्रधान जिलों में शुमार पीलीभीत में लगभग 45 हजार हेक्टेयर मे पेड़ी गन्ना की फसल होती है। गन्ना फसल की कटाई उपरांत पेड़ी फसल के वैज्ञानिक प्रबंधन को लेकर जिला गन्ना अधिकारी खुशी राम भार्गव द्वारा किसानो को सलाह दी है। उनके मुताबिक पेड़ी फसल, यदि वैज्ञानिक तकनीकों के अनुरूप प्रबंधित की जाए, तो यह कम लागत में अधिक उत्पादन देने वाली अत्यंत लाभकारी फसल सिद्ध हो सकती है। पेड़ी फसल में जड़ों की सक्रियता एवं पोषक तत्वों की उपलब्धता को बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए कटाई के तुरंत बाद स्टबल शेविंग कर भूमि सतह के समतल ठूंठ बनाए जाएं, जिससे नई कोंपलों का समान एवं तीव्र विकास सुनिश्चित हो सके। साथ ही ट्रैश मल्चिंग अपनाने से नमी संरक्षण, तापमान संतुलन एवं सूक्ष्मजीव गतिविधियों में वृद्धि होती है।

उन्होंने बताया कि पेड़ी प्रबंधन मे प्रयुक्त होने वाले कृषि यंत्र आरएमडी, ट्रेश मल्चर एवं ट्रैक्टर गन्ना समिति पीलीभीत, मझोला, बीसलपुर एवं पूरनपुर मे उपलब्ध हैं। इच्छुक किसान समितियों से कृषि यंत्र किराए पर भी ले सकते हैं। उन्होंने गन्ना किसानों से अपील की है कि वे आधुनिक एवं वैज्ञानिक पेड़ी प्रबंधन तकनीकों को अपनाकर गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाएं। किसी भी जानकारी के लिए चीनी मिल एवं विभागीय अधिकारियों से संपर्क कर सकते हैं।

एक खेत में खड़ा पेड़ी गन्ना। ● अमृत विचार

ऐसे करें उर्वरक प्रबंधन

गन्ना विभाग के मुताबिक उर्वरक प्रबंधन के अंतर्गत प्रति हेक्टेयर फास्फोरस (60–80 किग्रा) एवं पोटाश (60–80 किग्रा) का संतुलित प्रयोग जड़ विकास एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। इसके अतिरिक्त 8–10 टन प्रति हेक्टेयर गोबर की सड़ी खाद/कंपोस्ट का प्रयोग मृदा की भौतिक एवं जैविक गुणवत्ता को सुदृढ़ करता है। उन्होंने बताया कि जिन क्षेत्रों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी पाई जाती है, वहां 25 किग्रा जिंक सल्फेट प्रति हेक्टेयर का प्रयोग लाभकारी है। साथ ही एजोटोबैक्टर एवं पीएसबी जैसे जैव उर्वरकों का प्रयोग नाइट्रोजन स्थिरीकरण एवं फास्फोरस घुलनशीलता में सहायक होता है। जिला गन्ना अधिकारी खुशीराम भार्गव के मुताबिक उपरोक्त वैज्ञानिक तकनीकों के समुचित क्रियान्वयन से पेड़ी फसल की उत्पादकता में 15–20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है।

हाईवे पर दो बाइकों की टक्कर

पीलीभीत, अमृत विचार : जहानाबाद क्षेत्र के शाही पुलिस चौकी क्षेत्र में गुरुवार को दो बाइकों की टक्कर हो गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी भिजवाया गया।

घायलों की पहचान मगरासा ग्राम निवासी राजेश और ललौरीखेड़ा के ओमप्रकाश के रूप में हुई। बताते हैं कि ओमप्रकाश नवाबगंज की ओर जा रहा था, तभी शाही क्षेत्र के पास सामने से आ रही बाइक से उसकी टक्कर हो गई। डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, ओमप्रकाश की हालत ज्यादा नाजुक होने पर परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए बरेली के एक निजी अस्पताल ले गए।

भाजपा नगर इकाई का हुआ अभिनंदन

कार्यक्रम में सम्मानित की गई नगर इकाई। ● अमृत विचार

संवाददाता, बीसलपुर

अमृत विचार: नगर पालिका पुस्तकालय भवन में शुक्रवार को अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। इसमें भारतीय जनता पार्टी की नव गठित नगर इकाई के पदाधिकारियों का अभिनंदन पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अमन जयसवाल उर्फ निक्की द्वारा किया गया।

नगर इकाई के अध्यक्ष उमाकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष सत्येंद्रपाल सिंह, विकेश गुप्ता, सुशीला भारद्वाज, विश्वेश्वर दयाल गंगवार, अनुपम मित्तल, शिवम शुक्ला, महामंत्री राकेश गंगवार, कुलदीप शुक्ला, संगठन मंत्री संजय भारती, आनंद गुप्ता, अजय गुप्ता , चरण सिंह मौर्य, नितिन वाल्मीकि, कोषाध्यक्ष उज्जवल अग्रवाल का अभिनंदन किया गया। इस मौके पर पूर्व सभासद शिवेंद्र नाथ शुक्ला समेत कई मौजूद रहे।

बेसिक स्कूलों में एआई और कोडिंग की होगी पढ़ाई

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

● कक्षा 6 से 8 तक नए पाठ्यक्रम में शामिल हुई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और प्रोग्रामिंग

अमृत विचार : राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अब बच्चों को पारंपरिक विषयों के साथ आधुनिक तकनीक की भी जानकारी दी जाएगी। खास बात यह है कि कक्षा छह से आठ तक के छात्र अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कोडिंग जैसे विषयों से रूबरू होंगे।

जनपद के बेसिक विद्यालयों में इस बार पढ़ाई का तरीका पहले से कहीं अधिक आधुनिक होने जा रहा है। शासन ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप पाठ्यक्रम में बदलाव करते हुए डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दिया है। अब कक्षा छह से आठ तक के छात्र विज्ञान के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कोडिंग की पढ़ाई भी करेंगे। नए पाठ्यक्रम के तहत विज्ञान विषय में कंप्यूटर और प्रोग्रामिंग को शामिल किया गया है। विद्यार्थियों को माइक्रोसॉफ्ट वर्ड और एक्सेल जैसे जरूरी टूल्स का व्यावहारिक ज्ञान दिया जाएगा, जिससे वे भविष्य में तकनीकी रूप से सक्षम बन सकें। साथ ही बच्चों में तार्किक क्षमता विकसित करने के लिए स्केच आधारित कोडिंग और पायथन भाषा को भी पाठ्यक्रम में जोड़ा गया है। इससे छात्र समस्याओं को समझकर उनका समाधान निकालने में सक्षम बनेंगे। बदलते समय की जरूरत को देखते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल सिद्धांतों को भी पढ़ाया जाएगा।

इस पहल से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी आधुनिक तकनीक से जुड़ने का मौका मिलेगा और वे निजी स्कूलों के छात्रों के बराबर प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

गैस संकट

पूर्ति विभाग की संस्तुति के बाद ही मिल रहा सिलेंडर, जरूरत के मुकाबले आधी आपूर्ति

शादी सीजन नजदीक, रसोई गैस सिलेंडर ने बढ़ाई कन्या पक्ष की चिंता

● कैटर्स और रेस्टोरेंट कारोबार भी हो रहा प्रभावित

● कालाबाजारी पर नहीं लग पा रही रोक

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शहर में एक एजेंसी से गाड़ी में लोड होकर जाते गैस सिलेंडर। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंतरराष्ट्रीय हालात और चल रहे युद्ध के असर से जिले में रसोई गैस का संकट गहराता दिख रहा है। पहले घरेलू उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए जूझना पड़ा, अब शादी सीजन की शुरुआत के साथ ही हालात गंभीर होने गले हैं। जिन घरों में शादी है, वहां जरूरत के मुताबिक गैस न मिलने से परेशानियां बढ़ गई हैं। पूर्ति विभाग की ओर से अब शादी का कार्ड दिखाने पर कर्मशियल सिलेंडर दिए जा रहे हैं। मगर सिलेंडर की जितनी जरुरत है। उसकी पूर्ति नहीं मिल पा रही है। ऐसे में लोगों ने अपनी शादी के मैन्यु को छोटा कर दिया है।

जिले में इन दिनों रसोई गैस की किल्लत ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बीते दिनों घरेलू सिलेंडर के लिए मारामारी देखने को मिली थी, वहीं अब शादी-ब्याह का सीजन शुरू होते ही संकट और गहरा गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित बताई जा रही है, जिसका सीधा असर स्थानीय स्तर पर देखने को मिल रहा है। जिले में कुल 38 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनके माध्यम से करीब 4.15 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति की जाती है।

इसके अलावा लगभग 550 व्यावसायिक (कमर्शियल) कनेक्शन भी पंजीकृत हैं। एजेंसी संचालकों का कहना है कि कंपनी की ओर से ऊपर से कमर्शियल गैस की सप्लाई सीमित कर दी गई है, जिसके कारण जिला स्तर पर समस्या बनी हुई है। 15 अप्रैल से पूरी तरह से शादी सीजन शुरु होगा। हालांकि कुछ लोगों की शादियां इन दिनों में ही चल रही है। ऐसे में वह गैस संकट से जूझ रहे हैं। शादी वाले परिवारों को अब सिलेंडर लेने के लिए पूर्ति विभाग से संस्तुति करानी पड़ रही है। इसके बाद ही गैस एजेंसी संचालक सिलेंडर दे रहे हैं। इसके बावजूद हालात यह हैं कि जहां एक आयोजन के लिए 10 सिलेंडर की जरूरत होती है, वहां महज दो से पांच सिलेंडर ही मिल पा रहे हैं। इससे शादी की तैयारियों में बाधा उत्पन्न हो रही है। शादी वाले परिवारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती भोजन व्यवस्था को लेकर खड़ी हो गई है। सीमित सिलेंडर मिलने से खाना बनाने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। कई परिवार वैकल्पिक इंतजाम करने को मजबूर हैं। मगर गैस एंजेसी संचालकों का तर्क है कि जैसे-जैसे सप्लाई मिल रही है। वैसे उपलब्ध कराई जा रही है। इधर, कैटरिंग और रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़े लोगों की परेशानी भी कम नहीं है। कारोबारियों का कहना है कि शादी सीजन शुरू होने के बावजूद पर्याप्त गैस उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे उनका काम प्रभावित हो रहा है। उधर, कालाबाजारी पर भी प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि कुछ जगहों पर अधिक कीमत लेकर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आम लोगों की परेशानी और बढ़ रही है।

कार्ड दिखाकर सिलेंडर लेने का प्रयास

जिले में गैस संकट के बीच दिनभर सिलेंडर को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। शादी वाले परिवार जहां पूर्ति विभाग की संस्तुति लेकर एजेंसियों के चक्कर काटते दिखे, वहीं रेस्टोरेंट और कैटरिंग संचालक भी अब शादी के कार्ड का सहारा लेकर सिलेंडर लेने का प्रयास कर रहे हैं। कई कारोबारियों का कहना है कि बिना किसी ठोस व्यवस्था के काम चलाना मुश्किल हो गया है। कार्ड दिखाने के बावजूद पर्याप्त सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं, जिससे न केवल आयोजन प्रभावित हो रहे हैं। सिलेंडर की वजह से खाद्य सामग्री तक के रेट बढ़ा दिए गए हैं।

> आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद है। घरेलू सिलेंडर सभी को तय समय के भीतर मिल रहा है। कर्मशियल सिलेंडर को लेकर थोड़ी समस्या चल रही है। मगर शादी ब्याह और जरूरतमंदों को प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है। शादी वाले लोगों को कार्ड के आधार पर सिलेंडर की संस्तुति की जा रही है। -**विकास कुमार**, जिला पूर्ति अधिकारी।

शहर में आज

- गांधी प्रेक्षागृह में स्कूल चलो अभियान के तहत कार्यक्रम सुबह 9 .30 बजे।
- बरेली रोड पर स्थित आईएमए भवन में बैठक रात 09 बजे।
- जिले की समस्त तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस सुबह 10 बजे से।
- श्रीबालाजी नींव करौरी धाम काशीराम कॉलोनी ईदगाह में हवन दोपहर 12 बजे ।
- श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में पूजन व आरती शाम 07 बजे।

सिटी ब्रीफ

सफाई कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान मौत

पीलीभीत,अमृत विचार : जिला पंचायत राज विभाग के सफाई कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ गई। इस पर परिवार वाले उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताते हैं कि शुक्रवार को जिला पंचायती राज विभाग में कार्यरत सफाई कर्मी आकाश पुत्र प्रमोद पूरनपुर क्षेत्र में ड्यूटी कर रहे थे। अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई। परिजन एंबुलेंस से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उनकी मौत हो गई ।युवक की अचानक मौत की सूचना से परिजनों का रो कर बुरा हाल रहा।

दहेज प्रताड़ना में पति के खिलाफ रिपोर्ट

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम पंडरी निवासी मंजू पुत्र स्वार्गीय घनश्याम ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी शादी 17 फरवरी 2022 को थाना न्यूरिया क्षेत्र के ग्राम बनकटी निवासी बलराम से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज में कार की मांग करना शुरू कर दी। मना करने पर आरोपियों ने मारपीट की। विरोध करने पर ससुराल से निकाल दिया। दहेज लिए बिना वापस आने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

पुरानी रंजिश में ग्रामीण पर हमला

पीलीभीत,अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम उगनपुर निवासी ओम प्रकाश पुत्र ढाकन लाल ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि नौ मार्च को वह किसी कार्य से गांव के निवासी प्रेम सिंह के घर गया था। वहां पर परमानंद, रतन निवासी ग्राम जगदीशपुर भी आए। आरोपी रंजिश को लेकर उसके साथ गालीगलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी पिटाई कर दी। जिससे वह घायल हो गया। उसका हाथ भी टूट गया है। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

गोकशी का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

पैर में लगी गोली, भाई व अन्य तस्करों के साथ करता था घटनाएं, छुट्टा पशुओं को बनाता निशाना

- बीसलपुर पुलिस के रुकने का किया इशारा तो चला दी थी गोली

संवाददाता, पीलीभीत/बीसलपुर

मुठभेड़ के बाद पकड़े गए गोमांस तस्कर वाजिद को ले जाती बीसलपुर पुलिस।

अमृत विचार: छुट्टा गोवंश को पकड़ने के बाद नहर किनारे खेतों में गोकशी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर तस्करों से बीसलपुर पुलिस की मुठभेड़ हो गई। चेकिंग के दौरान रोकने का प्रयास करने पर बाइक सवार तस्कर ने पुलिस पर फायरिंग कर दी थी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई और फिर एक तस्कर पैर में गोली लगने से न सिर्फ घायल हुआ बल्कि पुलिस ने उसे धर दबोचा। सीएचसी से प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। वहीं, पकड़े गए तस्कर के सथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस उनकी भी तलाश कर रही है।

बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र में पिछले कुछ समय से गोमांस तस्कर सक्रिय हो गए थे। 22 मार्च को एक छुट्टा गोवंश को पकड़कर नहर किनारे खेत में हत्या कर गोमांस बिक्री को ले गए थे। वहीं 24 मार्च को भी गोकशी की वारदात अंजाम दी गई। ग्राम सादिया लाडपुर के पास भी पूर्व की तरह छुट्टा गोवंश को निशाना बनाया गया था।

कोतवाली पुलिस ने शुरुआत में घटनाओं को दबाने का प्रयास भी किया लेकिन गोवंशीय पशु के अवशेष मिलने के बाद वीडियो वायरल हुए और कार्रवाई करनी पड़ गई। हालांकि उस वक्त पुलिस पुराने अवशेष होने का तर्क देकर बचाव करती रही थी।

एसपी सुकीर्ति माधव ने इसे गंभीरता से लिया और हल्का इंचार्ज को निलंबित कर दिया था। गोकशी की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसी कम में तीन अप्रैल की सुबह बीसलपुर पुलिस बिलसंडा चौराहा पर चेकिंग कर रही थी।इस दौरन एक बाइक पर सवार होकर आ रहे लोगों को रुकने का इशारा किया लेकिन उन्होंने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करते हुए तमंचे से फायर कर दिया। इसके बाद बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिस ने भी पीछा करते हुए जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की ओर से चलाई गई गोली एक आरोपी के बाएं पैर में लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। उसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

पकड़ा गया आरोपी शातिर गोमांस तस्कर बीसलपुर के मोहल्ला हबीबुल्ला खां जनूबी का निवासी वाजिद पुत्र नत्थू निकला, जबकि उसके साथी सगा भाई सगीर उर्फ गोविंदा पुत्र नत्थू खां और सिंधौया रोडनिवासी जावेद उर्फ लल्ला पुत्र बुंदा खां भाग निकले। पुलिस ने पकड़े गए तस्कर को सीएचसी भेजा। वहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। इधर, पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हुई गिरफ्तारी को लेकर कार्रवाई की। आरोपी के पास से बाइक, तमंचा कारतूस और गोकशी में इस्तेमाल उपकरण बरामद किए गए।

गोकशी करने निकला था, चढ़ गया पुलिस के हत्थे

पकड़ा गया आरोपी वाजिद खां शातिर गोमांस तस्कर है। उसके खिलाफ बीसलपुर कोतवाली में आर्म्स एक्ट, गोकशी, बिजली चोरी, जानलेवा हमला आदि के करीब नौ मुकदमे दर्ज निकले। पुलिस ने पूछताछ की तो आरोपी तस्कर ने बताया कि वह अपने भाई सगीर उर्फ गोविंदा, जावेद व अन्य तस्करों की मदद से छुट्टा गोवंश को पकड़कर नहर किनारे गोकशी की घटनाएं करता था। शुक्रवार तड़के भी वह गोकशी की घटना करने के लिए ही निकला था और पुलिस के हत्थे चढ़ गया। बीते दिनों हुई गोकशी की घटनाओं को स्वीकार करते हुए ये भी बताया कि गोवंश की हत्या करने के बाद मांस बिक्री के लिए ले गए थे और अवशेष नहर व खेत पर फेंक दिए थे।

> बीसलपुर पुलिस ने मुठभेड़ के बाद एक गोमांस तस्कर को गिरफ्तार किया है। रुकने का इशारा करने पर उसने पुलिस टीम पर फायरिंग की थी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी है। उस पर कार्रवाई की जा रही है। फरार हुए अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए भी टीम लगाई है।
>
> -सुकीर्ति माधव, एसपी

ट्रांसफर का मामला गरमाया हाईकोर्ट ने किया तलब

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- बिना शासन अनुमति एनेस्थेटिक चिकित्सक का तबादला
- एक कर्मचारी की भूमिका पर उठ रहे सवाल, मची खलबली

अमृत विचार : स्वास्थ्य विभाग में ट्रांसफर को लेकर सामने आए कथित अनियमितताओं के मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। एनेस्थेटिक चिकित्सक के स्थानांतरण में नियमों की अनदेखी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीएमओ को व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद विभाग में खलबली है।

मामला एनेस्थेटिक चिकित्सक डॉ. लेखराज के तबादले से जुड़ा है। उन्होंने अपने स्थानांतरण को चुनौती देते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट में रिट याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान याची पक्ष ने 27 फरवरी 2019 के शासनादेश का हवाला देते हुए बताया कि एनेस्थेटिक चिकित्सकों का सामान्य परिस्थितियों में पांच वर्ष से पहले स्थानांतरण नहीं किया जा सकता। अगर, विशेष परिस्थितियों में ऐसा करना हो तो राज्य सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक होती है। इसके विपरीत, डॉ. लेखराज का तबादला जिला स्तर से ही कर दिया गया, जो प्रथम दृष्टया नियमों के विपरीत बताया गया। मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पूर्व में स्पष्ट निर्देश मांगे थे कि आखिर किन परिस्थितियों में सीएमओ को इस प्रकार का अधिकार प्राप्त है।

बताते हैं कि विभाग की ओर से कोई ठोस दस्तावेज या वैधानिक आधार प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इस पर नाराजगी जताते हुए हाईकोर्ट ने सीएमओ को आठ अप्रैल को होने वाली अगली सुनवाई पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यह बताया जाए कि बिना शासन की अनुमति के यह कार्रवाई किस आधार पर की गई। उधर, पूरे प्रकरण में विभागीय स्तर पर एक कर्मचारी की भूमिका भी संदेह में है।

घरेलू कलह के चलते खुदकुशी की कोशिश

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- परिवार ने फंदे से उतारा और अस्पताल में कराया भर्ती

अमृत विचार: घरेलू कलह के चलते एक आढ़त पर काम करने वाले युवक ने खुदकुशी करने की कोशिश की। उसे परिवार के सदस्यों ने फंदे से उतारा और जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। हालांकि अभी पुलिस को कोई सूचना नहीं दी गई है।

घटना सुनगढ़ी थना क्षेत्र के असम चौकी क्षेत्र की एक कॉलोनी की है। यहां रहने वाला एक युवक मंडी समिति में आढ़त पर काम करता है। उसके दो बच्चे हैं। बताते हैं कि उसका शुक्रवार को खाना बनाने को लेकर पत्नी से विवाद हो गया था। जिसके बाद दोनों के बीच बहस हुई। जिसके बाद युवक कमरे में गया और फंदे से लटककर खुदकुशी करने की कोशिश की। इसी बीच छोटी बहन कमरे की तरफ पहुंची तो फंदे से लटकते युवक को देख शोर मचाया। परिवार के अन्य सदस्य व आसपास के लोग जमा हो गए। आनन-फानन में युवक को फंदे से उतारने के बाद जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां उसे भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

घटना के चलते खलबली मची रही। हालांकि परिवार ने किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया है, न ही पुलिस को सूचना दी गई है। अस्पताल की ओर से मेमो पुलिस को भेजा गया है।

सड़कें छोड़िए, अस्पताल में भी छुट्टा पशुओं के झुंड

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- मेडिकल कॉलेज में जमावड़ा मरीजों की बने मुसीबत
- अब तो स्थायी हो चुकी है समस्या पशु भी सुरक्षित नहीं

मेडिकल कॉलेज परिसर में विचरण करते छुट्टा गोवंश। ● अमृत विचार

अमृत विचार: छुट्टा पशुओं को लेकर सड़कों पर फैली अव्यवस्था का समाधान नहीं हो सकी है। एक तरह से ये अब स्थायी बन चुकी है। ग्रामीण अंचलों से लेकर शहर के हालात बदतर बने हुए हैं। एक तरफ गोवंश संरक्षण मुहिम के बीच गोशालाओं में आश्रित पशु भी भूख-इलाज के अभाव में हैं। गोशालाएं ओवरलोड हो चुकी हैं और सड़कों पर जमावड़ा लगा रहता है। खेत, गांव की गलियों ही नहीं लंबे समय से शहरी इलाकों में भी दिन-रात छुट्टा पशुओं के झुंड सड़कों पर लगे रहते हैं। अस्पताल भी इससे अछूते नहीं रह गए हैं। ऐसे में मरीजों और उनके साथ आने वाले तीमारदारों पर हमले का डर भी बना हुआ है।

जनपद में निराश्रित गोवंशों के लिए 60 से अधिक स्थाई और अस्थाई गोशालाएं संचालित हैं। गोवंश संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा चुके हैं। लेकिन इसका कोई खास फायदा नहीं दिख रहा है। शहर से गुजरने वाले हाईवे, प्रमुख सड़कों समेत गली-मोहल्लों में छुट्टा पशुओं का झुंड देखा जा सकता है। रात के वक्त शहर की सड़कों पर इन छुट्टा पशुओं की मौजूदगी के कारण सफर करना भी जोखिम भरा है। पूर्व में कई लोगों की जान भी जा चुकी है।

ग्रामीण अंचलों में तो आए दिन हादसे सुनने को मिल ही जाते हैं। अभी दो दिन पूर्व ही बिलसंडा क्षेत्र के ग्राम भीकमपुर के एक ग्रामीण की जान खेत की रखवाली करते वक्त छुट्टा पशु के हमला करने के दौरान चली गई। इधर, बता दें कि डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जिले का चार्ज संभालने के पहले दिन से ही छुटटा पशुओं को लेकर काफी सख्ती दिखाई थी। पहले ही दिन ही सड़कों पर घूम रहे छुट्टा पशुओं को देख उन्होंने मातहतों को तलब कर नाराजगी जताई थी। इसके बाद जिला प्रशासन ने शहर को छुट्टा पशुओं से निजात दिलाने का खाका तैयार किया। नगर पालिका परिषद एवं पशु पालन विभाग को संयुक्त रुप से जिम्मेदारी दी गई। शहर में घूम रहे छुट्टा गोवंशों को पकड़वाकर गोशाला तक भिजवाने के लिए टीमों को गठन किया गया था। एडीएम के नेतृत्व में अभियान भी चलाए गए। मगर कुछ दिन तक इसका असर रहा और अब फिर हालात जस के तस हो चुके हैं। न तो गोवंश संरक्षित व सुरक्षित हो सके हैं, न ही राहगीर। किसान संगठनों की ओर से भी ग्रामीण अंचलों में छुट्टा पशुओं को लेकर बनी चली आ रही समस्या के समाधान के लिए अभी भी ज्ञापन दिए जा रहे हैं और आश्वासन से काम चलाया जा रहा है।

ओवरलोड हुईं गोशालाएं कैसे हो समाधान

छुट्टा पशुओं की समस्या के आगे जिम्मेदार भी बेबस से दिखाई देते हैं। दरअसल, गोआश्रय स्थल तो कई नए भी बनवाए जा चुके हैं, जिनकी शुरुआत हो चुकी है। मगर सभी की हालत ये है कि वह ओवरलोड हो चुकी हैं। इससे कहीं अधिक पशु सड़कों पर हैं। ऐसे में अगर पकड़वा भी लिया जाए तो छुट्टा पशुओं को कहां भेजें। कई बार पूर्व में दूसरे स्थान से पकड़े गए पशुओं को कहीं और की गोशाला में भेजने पर विरोध भी हो चुके हैं।

इधर, शहर की तस्वीर पर नजर डालें तो सड़कों के साथ ही मेडिकल कॉलेज में भी जमावड़ा दिन-रात रहता है। मरीजों को लाते ले जाते वक्त छुट्टा पशुओं के झुंड से हमले का डर बना हुआ है। गांधी स्टेडियम रोड, मुख्य बाजार, आवास विकास, नकटादाना, टनकपुर रोड़, नखासा समेत कई मार्गों पर रात के वक्त छुट्टा पशुओं के झुंड बीच सड़क बैठे रहते हैं।

अपशब्द कहने पर दो पक्ष आमने-सामने

- सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश पुलिस हिरसात में कुछ युवक

संवाददाता, बरखेड़ा

कस्बा बरखेड़ा में दो पक्षों में विवाद के दौरान पुलिस पहुंचने पर लगी भीड़। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कस्बे की एक मिठाई की दुकान के पास से गुजरते वक्त अलग-अलग समुदाय से जुड़े युवकों के बीच गाली गलौज के बाद भीड़ जमा हो गई। मामले को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को खदेड़ा। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पुलिस जांच कर रही है।

क्षेत्र के ग्राम नकटा उर्फ मुरादाबाद गांव के दो युवक गुरुवार देर शाम कस्बा बरखेड़ा आए थे। दौलतपुर रोड पर मिठाई की दुकान के पास एक गली से गुजरते वक्त दूसरे समुदाय के कुछ युवकों ने आरोप है कि अपशब्द कह दिए। इसे लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। युवक चले गए और फिर कुछ देर बाद अपने साथियों को लेकर वापस आ गए। बाहरी युवकों के इकट्ठा होने की जानकारी मिलते ही दूसरे समुदाय से जुड़े काफी लोग जमा हो गए। एक दूसरे से धक्का मुक्की और गाली गलौज शुरू हो गए। एक पक्ष से विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता भी पहुंच गए और महज गाली गलौज से शुरू हुई घटना को सांप्रदायिक रुप देने की कोशिश की गई। क्षेत्र में तनाव के हालात बन गए।

इसकी सूचना मिलने पर बरखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी की। एक पक्ष से जमा हुई भीड़ को मिठाई की दुकान के पास रोक दिया। फिर दबिश देकर आधा दर्जन से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया। काफी देर तक पुलिस बल की तैनाती रही और माहौल बिगाड़ने पर कार्रवाई करने की चेतावनी देकर शांत कराया। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। किसी तरह का तनाव नहीं है।

महिला की संदिग्ध हालात में मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, बरखेड़ा

- पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ दर्ज की दहेज हत्या की रिपोर्ट

अमृत विचार: संदिग्ध हालात में महिला की मौत हो गई। उसकी दो साल पहले शादी हुई थी। मायके वालों ने दहेज की मांग पूरी न होने पर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने पति समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

बीसलपुर कोतवाली के ग्राम हेतम नगला मुड़िया करोड़ निवासी नन्ही देवी पत्नी स्व. नन्हेलाल ने बताया कि उसकी पुत्री स्वाति की शादी दो साल पहले ग्राम काजरबोझी निवासी वीरपाल पुत्र रामेश्वर दयाल से हुई थी। ससुराल वाले दहेज से संतुष्ट नहीं थे। आए दिन प्रताड़ित करते थे। दो अप्रैल को रात आठ बजे सूचना मिली कि उनकी पुत्री स्वाति की दहेज के लिए ससुराल वालों ने हत्या कर दी है। इस पर वह परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पहुंची तो बेटी मृत मिली।

ससुरालियों का कहना है कि पति उस वक्त घर पर नहीं था। जब वह देर शाम घर पहुंचा तो पत्नी फंदे से लटकी मिली थी। उसके जिंदा होने की आस में उसे सीएचसी लाए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मौका मुआयना कर जानकारी की। इंस्पेक्टर प्रमेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर गई थी। शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की मां से मिली तहरीर पर पति वीरपाल, ननद रूबी, देवर गजेंद्र और सास के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

महिला ने दुष्कर्म व ब्लैकमेल का लगाया आरोप

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- पति और नंदोई समेत अन्य पर भी कराई रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार : जहानाबाद क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने के बाद पति और उसके रिश्तेदार पर आरोप है कि नशीला पदार्थ देकर महिला से दुष्कर्म किया।आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। पीड़िता की मां ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

जहानाबाद थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी का विवाह 19 फरवरी को बरेली जिले के नवाबगंज क्षेत्र निवासी युवक के साथ किया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज में 20 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। इसी दौरान पति ने कथित रूप से उसे नशीला पदार्थ देकर उसकी आपत्तिजनक वीडियो बना ली और उसे दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा। छह मार्च को पति और उसका बहनोई महिला को उत्तराखंड के अल्मोड़ा ले गए, जहां एक होटल में नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। तीन अप्रैल को घटना की जानकारी मायके पक्ष को हुई, जिसके बाद परिजन ससुराल पहुंचे और महिला को अपने साथ ले आए। वर्तमान में उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच करा रहे हैं।

जहानाबाद थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी का विवाह 19 फरवरी को बरेली जिले के नवाबगंज क्षेत्र निवासी युवक के साथ किया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज में 20 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। इस दौरान पति ने कथित रूप से उसे नशीला पदार्थ देकर उसकी आपत्तिजनक वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की कोशिश की गई। पीड़िता की मां ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

जहानाबाद थाना क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी का विवाह 19 फरवरी को बरेली जिले के नवाबगंज क्षेत्र निवासी युवक के साथ किया था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज में 20 लाख रुपये की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर महिला को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा। इस दौरान पति ने कथित रूप से उसे नशीला पदार्थ देकर उसकी आपत्तिजनक वीडियो बना ली और उसे दिखाकर ब्लैकमेल करने लगा। छह मार्च को पति और उसका बहनोई महिला को उत्तराखंड के अल्मोड़ा ले गए, जहां एक होटल में नशीला पदार्थ देकर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। तीन अप्रैल को घटना की जानकारी मायके पक्ष को हुई, जिसके बाद परिजन ससुराल पहुंचे और महिला को अपने साथ ले आए। वर्तमान में उसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि तहरीर मिलने पर जांच करा रहे हैं।

भाकियू भानु ने अमरिया थाने में किया प्रदर्शन

एसओ अमरिया से वार्ता करते भाकियू भानु पदाधिकारी व कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: भारतीय किसान यूनियन भानु ने एसओ अमरिया के खिलाफ मोर्चा खोला। बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने थाने में प्रदर्शन किया। इस दौरान पहले तो एसओ ने सख्ती की, लेकिन बाद में कार्यकर्ता बिफरे तो बैकफुट पर आने में देर नहीं लगी। पदाधिकारियों ने किसानों से संबंधित समस्याओं को रखा और आश्वासन पर आंदोलन खत्म किया।

भाकियू कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष भजनलाल क्रोधी की अगुवाई में पहुंचे थे। उनका कहना था कि अमरिया थाना पुलिस क्षेत्र के किसानों का शोषण कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस पर एसओ से बहस हुई। जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने थाना परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि अमरिया पुलिस क्षेत्र के किसानों से अमानवीय व्यवहार कर उन्हें प्रताड़ित करती है। आरोप है कि ये सब एसओ के इशारे पर हो रहा है। समस्याएं निस्तारण के आश्वासन पर शांत हुए।

गोवंश की मौत मामले में सचिव निलंबित

- बरखेड़ा ब्लॉक की मूसेपुर गोशाला में उजागर हुई थी अव्यवस्था

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

मूसेपुर जयसिंह गोशाला में आश्रित पशु। ● अमृत विचार

अमृत विचार: मूसेपुर जयसिंह गोशाला में 36 घंटे के भीतर गोवंशीय पशुओं की मौत के मामले में सचिव (ग्राम विकास अधिकारी) रूपेश कुमार पर गाज गिरी है। डीएम के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए उसे निलंबित कर दिया गया है।

सप्ताह भर पहले बरखेड़ा ब्लॉक क्षेत्र की मूसेपुर जयसिंह गोशाला से गोवंश की दुर्दशा की बात उजागर हुई थी। अधिकारियों को गोआश्रय स्थलों में व्यवस्थाएं दुरुस्त होने के दावे उस वक्त हवाई हो गए थे जब खुद प्रधान पति ने इसका चिट्ठा खोला। आरोप था कि 36 घंटे के भीतर भूख और इलाज के अभाव में 8 गोवंशों ने दम तोड़ दिया। हालांकि अधिकारियों ने संख्या कम होने की बात कही थी। गोवंशीय पशुओं से जुड़ा मामला सुर्खियां बना तो प्रशासन में खलबली मच गई थी।

एसडीएम बीसलपुर ने सख्ती दिखाई तो मौके से हिरासत में लिए गए भूसा-चारा की सप्लाई देने वाले एनजीओ के सुपरवाइजर को चंद घंटे के बाद ही जमानत मिल गई थी। मामले में डीएम ज्ञानेंद्र सिंह ने जांच रिपोर्ट के आधार पर बीडीओ बरखेड़ा, सचिव, लेखपाल, पशु चिकित्सा अधिकारी समेत अन्य जिम्मेदारों का वेतन रोकने के आदेश दिए थे। वहीं, भूसा चारा पहुंचने वाले एनजीओ को चेतावनी देते हुए जवाब तलब कर जांच के आदेश दिए थे। इसके बाद से संबंधित मातहतों को बचाने की चर्चाएं चल रही थीं।

डीपीआरओ रोहित भारती ने सप्ताह भर बाद संबंधित सचिव को कारण बताओ नोटिस भेजा था। तर्क था कि ग्राम पंचायत मूसेपुर जयसिंह में तैनात सचिव ग्राम विकास अधिकारी है। ऐसे में उनके स्तर से उसके खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई नहीं की जा सकती है। गोशाला में अव्यवस्था मिलने पर अधिकारियों के निर्देश पर सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हालांकि विकास विभाग के अधिकारियों की ओर से मामले में ग्राम विकास अधिकारी रूपेश कुमार पर गाज गिरी है। सचिव को निलंबित कर दिया गया। सचिव ने कार्रवाई की जानकारी होने की बात कही है। सीडीओ राजेंद्र कुमार श्रीवास ने जांच रिपोर्ट के आधार पर सचिव को निलंबित करने की पुष्टि की है।

कई और जिम्मेदारों की भी रही लापरवाही

संबंधित गोशाला के पूर्व में किए निरीक्षणों के दौरान अधिकारी ये रजिस्टर में भी अंकित कर गए थे कि गोशाला में न तो भूसे-चारे की सही से सप्लाई (स्टॉक) है, पशु भी भरपेट भूसा चारा न मिलने से कमजोर हो रहे हैं। ऐसे में सप्लाई देने वाले एनजीओ की भूमिका पर सवाल उठे थे। उसको चेतावनी देते हुए नोटिस जारी करने के निर्देश डीएम ने दे दिए थे। बीडीओ, पशु चिकित्साधिकारी आदि की भी लापरवाही सामने आई थी।

फरार हत्यारोपियों को नहीं पकड़ पाई पुलिस

संवाददाता, बीसलपुर

- ग्राम गोबल पतिपुरा में जमीन के विवाद में दो पक्षों में हुई मारपीट
- घायल रवि की बरेली के निजी अस्पताल में हो गई मौत

अमृत विचार: जमीन के विवाद में हुई मारपीट में घायल युवक की मौत के बाद दो दिन चले हंगामे पर पुलिस ने चार आरोपियों को जेल भेज दिया था। मगर अन्य दो फरार आरोपियों को पकड़ने में सफलता नहीं मिल सकी है। पुलिस की टीमें कई जगह दबिश देने में जुटी रही।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गोबल पतिपुरा में जमीन के पुराने विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई थी। इसमें घायल हुए रवि प्रकाश की बरेली के निजी अस्पताल में मौत हो गई थी।इस मामले में गिरफ्तारी की मांग को लेकर परिजन ने अंतिम संस्कार रोक दिया था। दो दिन बाद पुलिस ने चार आरोपियों को पकड़कर जेल भेज दिया। जिसके बाद परिवार ने शुक्रवार को अंतिम संस्कार किया था। शनिवार को फरार दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगी रही लेकिन सफलता नहीं मिल सकी है।

कोतवाल संजीव शुक्ला ने बताया कि 27 मार्च को दो पक्षों में मारपीट हुई थी। जिसकी रिपोर्ट दर्ज कर ली गई थी। एक युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद संबंधित धाराएं तरमीम कर कार्रवाई की गई है। चार आरोपी सत्यपाल, नरदेव, मुनिंदर और अनुराग को जेल भेजा जा चुका है। दो आरोपी अभिषेक और विवेक की तलाश में टीम लगी है। हत्या की धारा भी बढ़ाई जा चुकी है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

पीलीभीत

बाघ-तेंदुए न छोड़ें घर, इसको ग्रासलैंड होंगे विकसित

53.34 हेक्टेयर में ग्रॉसलैंड मैनेजमेंट, 140 हेक्टेयर में खरपतवार उन्मूलन संबंधी होंगे कार्य

● संरक्षित क्षेत्रों का प्राकृतवास एवं वन्यजीव प्रबंधन के अंतर्गत होंगे काम

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में ग्रासलैंड नए सिरे से विकसित किए जाएंगें, ताकि बाघ-तेंदुआ समेत अन्य शाकाहारी वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतवास मुहैया कराए जाने के साथ ही उनके खाने-पीने की माकूल व्यवस्था हो सके। टाइगर रिजर्व प्रशासन की ओर से सभी पांच रेंजों में ग्रासलैंड मैनेजमेंट से जुड़े कार्य किए जाएंगें। इसके साथ ही खरपतवार उन्मूलन संबंधी कार्य भी कराए जाएंगें। टाइगर रिजर्व प्रशासन के मुताबिक इससे जुड़े कार्य शुरू भी कराए जा चुके हैं।

तराई के करीब 73000 हजार हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। यहां 71 से अधिक बाघों के साथ बड़ी संख्या में तृणभोजी वन्यजीव भी हैं। वन्यजीवों की बढ़ती संख्या के लिहाज से जंगल का दायरा छोटा होता नजर आ रहा है और वहीं कुछ हिस्से में बरसों से जंगल जमीन पर अतिक्रमण की भी समस्या चली आ रही है। वन्यजीवों की बढ़ती संख्या के चलते इनके वासस्थलों में कमी की बात सामने आ रही है।

यही वजह है कि तृणभीजी वन्यजीव तेजी से जंगल की हदों को पार कर रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। वहीं शिकार का पीछा करते हुए बाघ भी रिहायशी इलाकों में आ रहे हैं। इसी के चलते मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी अकसर प्रकाश में आती रहती हैं। इसके साथ ही वन्यजीवों के बीच खासकर बाघों के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर आए दिन जानलेवा घटनाएं सामने आती रहती हैं। इधर टाइगर रिजर्व प्रशासन ने पीलीभीत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में प्राकृतवास एवं वन्यजीव प्रबंधन को लेकर प्लान तैयार किया है। इसके तहत रेंजों में बने ग्रासलैंडों को बेहतर करने के साथ जलस्रोतों को और अधिक विकसित किया जाना है।

पीटीआर के ग्रासलैंड में मौजूद हिरणों का झुंड। ● अमृत विचार

> पीटीआर में वन्यजीवों को सुरक्षित प्राकृतिक आवास मुहैया हो, इसके लिए जारी दिशा निर्देशों के तहत कार्य कराए जा रहे हैं। सभी रेंजों में ग्रासलैंड को विकसित करने की दिशा में कराए शुरू कराए गए हैं। वन एवं वन्यजीव के लिहाज से यह बेहद जरूरी है।
>
> –मनीष सिंह, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

सभी पांचों रेंजों में विकसित किए जाएंगे ग्रासलैंड

टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा संरक्षित क्षेत्रों में प्राकृतवास एवं वन्यजीव प्रबंधन योजना के तहत टाइगर रिजर्व की सभी पांच रेंजों में ग्रासलैंड मैनेजमेंट संबंधी कार्य कराए जाएंगें। इसके तहत माला, महोफ एवं बराही रेंज में 1.95-195 लाख की लागत से ग्रास लैंड मैनेजमेंट कार्य कराए जाएंगें। वहीं हरीपुर एवं दियोरिया रेंज में 1.50-1.50 लाख से ग्रासलैंड विकसित किए जाएंगें। इसके साथ ही सभी रेंजों में ग्रासलैंड मैनजमेंट के साथ-साथ खरपतवार उन्मूलन संबंधी कार्य भी कराए जाएंगें। कुल मिलाकर टाइगर रिजर्व में 53 .34 हेक्टेयर में ग्रासलैंड मैनेजमेंट और 140 हेक्टेयर में खरपतवार उन्मूलन से जुड़े कार्य किए जाएंगें। पीलीभीत टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह की ओर से सभी रेंजों के क्षेत्रीय वनाधिकारियों को इस बाबत दिशा निर्देश जारी किए जा चुके हैं।

पंचमुखी मंदिर पर लगाया 30 फिट का ध्वज

पीलीभीत/बिलसंडा

अमृत विचार: हनुमान जयंती के अवसर पर जिले भर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम हुए थे। दूसरे दिन शुक्रवार को भी पूजन और भंडारे का आयोजन चलता रहा। पीलीभीत में गांधी स्टेडियम रोड पर स्थित श्रीपंचमुखी हनुमान मंदिर में भगवा रंग का 30 फिट ऊंचा ध्वज लगाया गया है। ध्वज लगाने से पहले यहां पूजा-अर्चना भी की गई।

इस मौके पर प्रधान सेवक शिरीष सक्सेना, हनुमान दल के अमित गुप्ता, जगदीश सक्सेना, आकाश शर्मा, अभय सक्सेना, रामेश्वर, नंद किशोर कश्यप समेत कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

इसके अलावा बिलसंडा कस्बे में लालेश्वर नाथ मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। भक्त मंदिर परिसर में एकत्र हुए। सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया और हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। बाबा का श्रृंगार किया गया। भजन संध्या भी हुई। बाबा को भोग लगाया गया। इस मौके पर प्रतुल गुप्ता, संतोष गुप्ता, विनीत गुप्ता, दीपक गुप्ता अखिल अग्रवाल आदि भक्त मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर पर लगाया गया ध्वज।

तरण ताल के नए सत्र की कराई शुरुआत

● डीएम ने युवा खिलाड़ियों को तैराकी का महत्व बताया

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: गांधी स्टेडियम स्थित तरणताल (स्विमिंग पूल) के नए सत्र का विधि विधान से पूजा अर्चना कर व नारियल फोड़कर शुरुआत कराई गई।

डीएम ज्ञानेंद्र सिंह बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे और नए सत्र का विधिवत पूजन कराकर उद्घाटन किया। उन्होंने जनपदवासियों और युवा खिलाड़ियों को बधाई देते हुए तैराकी के महत्व को बताया। कहा कि आज से स्विमिंग पूल के नए सत्र की शुरुआत हो गई है। बच्चे और युवा इस खेल को लेकर काफी उत्साहित हैं। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में एक तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिससे नई खेल प्रतिभाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मंच मिलेगा।

इस मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट विजय वर्धन तोमर, जिला क्रीड़ा अधिकारी जयवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

पूजन में शामिल डीएम, सिटी मजिस्ट्रेट व अन्य। ● अमृत विचार

सैलानियों को अब दिखेगा हार्नबिल मॉडल

● पीटीआर में इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर व शोधार्थियों ने किया भेंट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार: पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों के प्रति जागरुकता और ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की गई है। जंगल के ''किसान कहे जाने वाले हॉर्नबिल पक्षी की महत्ता को दर्शाने के लिए मुस्तफाबाद में एक आकर्षक हॉर्नबिल मॉडल स्थापित किया गया है। यह मॉडल न केवल पर्यटकों के लिए सेल्फी प्वाइंट बनेगा, बल्कि उन्हें प्रकृति संरक्षण की सीख के साथ हार्नबिल जैसी आइकोनिंक स्पीशिज के बारे में जान सकेंगे।

पिछले दिनों टाइगर रिजर्व मुख्यालय पर आयोजित एक सादे समारोह में मुख्य वन संरक्षक (बरेली जोन)/फील्ड डायरेक्टर पीपी सिंह एवं डिप्टी डायेक्टर मनीष सिंह की मौजूदगी में इस हार्नबिल मॉडल सौंपा गया। दरअसल यह हार्नबिल मॉडल इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. मोनोवर आलम खालिद के निर्देशन में शोधार्थियों की टीम ने तैयार किया है।

उत्तर प्रदेश राज्य जैवविविधता बोर्ड की वित्तीय सहायता से तैयार किए गए इस मॉडल को आयोजित समारोह में प्रोफेसर डॉ. मोनोवर आलम खालिद के नेतृत्व में हॉर्नबिल पर शोध कर रही रुचिरा निगम एवं इको-टूरिज्म के शोधार्थी आसिफ अहमद सिद्दीकी द्वारा वन अफसरों को सौंपा गया था। उस दौरान हॉर्नबिल के संरक्षण आदि को लेकर वन अफसरों एवं प्रोफेसर डॉ. मोनोवर आलम खालिद के बीच विस्तार से चर्चा भी की गई थी। इधर डिप्टी डायरेक्टर के निर्देश के बाद इस हॉर्नबिल मॉडल को मुस्तफाबाद बुकिंग स्टेशन पर बतौर सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया है।

पीटीआर मुख्यालय पर वन अफसरों को हार्नबिल मॉडल भेंट करते प्रो. डॉ. मोनोवर व शोधार्थी।

हॉर्नबिल होते हैं जंगल के किसान

वन्यजीव संरक्षण पर लंबे अरसे से कार्य कर रहे प्रो. मोनोवर आलम खालिद के मुताबिक हॉर्नबिल को जंगल के किसान के रूप में भी जाना जाता है। कई फलों के पेड़ों के बीजों को फैलाने में उनकी भूमिका के कारण इन्हें यह नाम दिया गया है। इनके घोंसले के निर्माण का समय बसंतकाल से ग्रीष्म काल तक रहता है। फलों पर निर्भरता के चलते यह अपने बच्चों के लिए फल वाले पेड़ों के आसपास पेड़ के छिद्र में घोसला बनाते हैं। छिद्र का उतना खुला छोड़ते हैं, जिसमें से वह चोंच का हिस्सा बाहर निकाल सकें और नर द्वारा लाए गए भोजन को ग्रहण कर सकें। अंडे देने से बच्चों के उड़ने को तैयार होने तक मादा वृक्ष के कोटर में बंद रहती है। टाइगर रिजर्व में हार्नबिल पर शोध कर रहीं रुचिरा निगम के मुताबिक पीलीभीत टाइगर रिजर्व में महोफ व बराही रेंज में सर्वाधिक हॉर्नबिल देखे गए हैं।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो.9457833777

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353
समय : प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

दो बाइकें भिड़ने से सड़क पर गिरे युवक की ट्रक से कुचलकर मौत

संवाददाता, शाहजहांपुर/मिर्जापुर

● अमन का हो गया था तिलक शादी की चल रही थी तैयारी

अमृत विचार: मिर्जापुर क्षेत्र में दो बाइकों की टक्कर में एक बाइक सवार नीचे गिर गया। गुजर रहे ट्रक से दबकर बाइक सवार की मौत हो गई। हरदोई जिले का रहना वाला था।

हरदोई के थाना पाली के मोहल्ला बाजार निवासी अमन(24) गुरुवार की शाम मिर्जापुर के गांव हीरानगर बाइक से ननिहाल में जा रहा था। जरियनपुर चौराहे के निकट सामने से आ रही बाइक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक से नीचे गिर गया। तीव्रता से जा रहे ट्रक उसे कुलचलता हुआ निकल गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को सीएचसी पर भेज दिया। जहां डाक्टर ने अमन को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर मिर्जापुर से रिश्तेदार पहुंच गए। इधर, देर रात हरदोई से परिवार वाले मिर्जापुर पहुंच गए। परिवार वालों ने बताया कि मृतक अमन बीए पास था। उसकी 19 फरवरी को तिलक हुआ था, लेकिन शादी की तारीख तय नहीं हुई थी। शादी को लेकर घर में तैयारी चल रही थी।

मौत की खबर से परिवार में रोना पिटना मच गया। मृतक अमन चार भाइयों में सबसे बड़ा था। चालक ट्रक लेकर भाग गया। मिर्जापुर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दुर्घटना में मां-बेटी गंभीर घायल

तिलहर, अमृत विचार : ग्राम बिहारीपुर मुड़िया निवासी हरिश्चंद्र पत्नी निर्मला देवी और पुत्री शिवांशी के साथ बाइक से मेला देखकर वापस घर लौट रहे थे, तभी बिलहरी गांव के पास सामने से आ रही एक अज्ञात बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के दौरान निर्मला देवी और शिवांशी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं। 112 पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तिलहर में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने दोनों राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

चेयरमैन और मोहल्ले वासियों ने कराया भंडारा

भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बरखेड़ा, अमृत विचार: मां पूर्णागिरि के दरबार में प्रथम विशाल भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह भंडारा नगर पंचायत अध्यक्ष श्याम बिहारी भोजवाल के सहयोग और वार्ड नंबर चार कुंदनपुर के लोगों के संयुक्त प्रयास किया गया। इसकी शुरुआत पूजा अर्चना करके कराई गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर माता के दरबार में दर्शन किए और भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर प्रमोद भोजवाल, जगदीश भोजवाल, योगेंद्र भोजवाल, पीतम भोजवाल आदि मौजूद रहे।

कमरे में दुपट्टे से लटका मिला महिला का शव

संवाददाता, जैतीपुर/शाहजहांपुर

● भाई ने ससुरालियों पर लगाया हत्या का आरोप

अमृत विचार: जैतीपुर थाना क्षेत्र के गांव अगरोली निवासी विकास सिंह की पत्नी ज्योति(26) ने गुरुवार की रात नौ बजे एक कमरे में कुंडे से दुपट्टे का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली। वह रात साढ़े नौ बजे विकास सिंह अपने घर पर आया और देखा कि पत्नी का शव कमरे में लटका है।

इस दौरान परिवार और गांव वाले एकत्रित हो गए। मृतका का भाई सोनू निवासी बन्नू नगरिया थाना मदनापुर परिवार वालों के साथ पहुंच गया। उन्होंने बताया कि उसने बहन ज्योति की शादी चार साल पहले विकास निवासी जैतीपुर के साथ की थी। आरोप है कि शादी के बाद से ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित कर रहे थे। बहन को मारा पीटा करते थे। उसकी बहन के शरीर पर चोट के निशान है। बताया कि वह पहुंचा तो शव चारपाई पर था। बहन को ससुराल वालों ने मारकर कुंडे से लटका दिया। उन्होंने थाना पर सूचना दी। थाना प्रभारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और मृतका के मायके वालों से पूछताछ की। इधर ससुराल वालों ने कहा कि ज्योति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। मृतका का एक बेटा है। परिवार में रोना पिटना मच गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।

ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से युवक की मौत

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के नेशनल हाईवे स्थित नवीन गल्ला मंडी से करीब 200 मीटर दूरी पर शुक्रवार शाम अज्ञात ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली की चपेट में आकर हादसा हुआ।

घटना की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायल युवक को तत्काल नगर के सरकारी अस्पताल भेजा गया, जहां हालत गंभीर होने पर उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। वहीं मृतक की पहचान आधार कार्ड के आधार पर विपिन कुमार मौर्य पुत्र बाबूराम मौर्य निवासी मंसूरपुर गौटियां के रूप में हुई। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी जुगल किशोर पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हाईवे पर जमा भीड़ को हटाकर सर्विस रोड को खाली कराया। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली की तलाश के लिए सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जांच की जा रही है और जल्द ही वाहन की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद मौके पर जांच करती पुलिस और जुटी भीड़। ● अमृत विचार

● आधार कार्ड से हुई थी पहचान साथी भी घायल

स्टेट हाईवे के गड्ढे में बाइक गिरी, 3 घायल

कलान। मिर्जापुर क्षेत्र के ग्राम भुर्जिया निवासी शेर सिंह और रिंकू सिंह बदायूं के थाना वजीरगंज क्षेत्र निवासी गोठा से बहनोई सुंदर सिंह को लेकर आ रहे थे। इसी दौरान कलान क्षेत्र के ग्राम विचोला स्थित मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे पर बड़े-बड़े गड्ढों के बीच अचानक गोवंश सामने आ गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर गड्ढे में गिर गई।

न्यूज ब्रीफ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का पथ संचलन 12 को

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : गोला नगर एवं कुंभी खंड के स्वयंसेवक 12 अप्रैल रविवार को नगर के प्रमुख मार्गो पर पथ संचलन निकालकर सामाजिक समरसता का संदेश देंगे। नगर प्रचारक अभिषेक ने बताया कि सामाजिक समरसता के उद्देश्य से 12 अप्रैल रविवार शाम को नगर के प्रमुख मार्गों पर 200 से अधिक स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में पथ संचलन निकालेंगे। लखीमपुर रोड स्थित एक गेस्ट हाउस में शाम चार बजे स्वयंसेवकों का एकत्रीकरण होगा। लोगों से समय से बड़ी संख्या में पहुंचने का आह्वान किया गया।

करंट लगने से युवक गंभीर घायल

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव धिरावां निवासी मोहम्मद शकील (40) को घर पर करंट लग गया। उन्हें इलाज के लिए सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार में सुधार होने पर उन्हें अस्पताल से घर जाने के लिए छुट्टी दे दी गई।

कुंभी मिल ने भेजा 27 मार्च तक का भुगतान

बग्घून, अमृत विचार : बलरामपुर चीनी मिल की इकाई कुंभी चीनी मिल ने 27 मार्च तक खरीदे गए गन्ने का भुगतान किसानों के बैंक खातों में भेज दिया है। कुंभी चीनी मिल के उप महाप्रबंधक गन्ना चंद्रहास ने बताया कि 7531 गन्ना किसानों के बैंक खातों में 18 .50 करोड़ रुपया भेजा गया है। चीनी मिल अब तक 62632 किसनो को 606 .01 करोड़ रुपयों का भुगतान कर चुकी है।

महिला से मारपीट युवक गिरफ्तार

भीरा, अमृत विचार : कस्बे की सब्जी बाजार में सुधा देवी पत्नी किशोरी सब्जी की दुकान लगा सब्जी बेच रही थी। जहां नगर के वार्ड नंबर आठ निवासी विकास सब्जी लेने के लिए गया था। रेट को लेकर कहा सुनी हो गई थी। इस दौरान विकास ने अपने भाई के साथ मिलकर महिला के दामाद के सिर पर बांट मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

ग्रामीण से लूटपाट का आरोपी दबोचा

भीरा, अमृत विचार : थानाध्यक्ष रोहित दुबे ने बताया कि गांव गदियाना के निकट नहर पटरी पर एक महीने पहले बाइक सवार बदमाशों ने एक व्यक्ति से लूटपाट की थी। इस मामले में गोला कोतवाली के गांव लालापुर निवासी आरोपी शिवम उर्फ झब्बू को गिरफ्तार किया है। पुलिस उसकी काफी समय से तलाश कर रही थी।

साजिश या लापरवाही, सच छिपाने में गई अंश की जान

दोस्तों और अस्पताल की भूमिका पर उठे सवाल, रील बनाने के चक्कर में तो नहीं गई जान, गोली को पटाखा बता छिपाई सच्चाई

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सुआगाड़ा गांव के 17 वर्षीय छात्र अंश कुमार झा की मौत अब महज एक हादसा नहीं लग रही, बल्कि सवालों के घेरे में घिरी एक गंभीर कहानी बन गई है। सबसे बड़ा सवाल, जब अंश को गोली लगी थी, तो उसे पटाखे से जलना क्यों बताया गया? क्या यह सिर्फ घबराहट में दी गई गलत जानकारी थी या फिर सच को दबाने की सोची-समझी कोशिश? वहीं, पारिवारिक सूत्रों की मानें तो रील बनाने के चक्कर गोली लग गई, जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद जो घटनाक्रम सामने आया, वह चौंकाने वाला है। अंश के साथ मौजूद लोगों ने शुरुआत से ही सच्चाई छुपाई। परिजनों को बताया गया कि वह पटाखे से झुलस गया है, जबकि हकीकत कहीं ज्यादा खतरनाक थी, उसके पेट में गोली लगी थी। यहीं से शुरू हुई लापरवाही की वह कड़ी, जिसने एक जिंदा लड़के को मौत के मुंह तक पहुंचा दिया। परिजन गलत जानकारी के चलते स्थिति की गंभीरता समझ ही नहीं पाए। उधर, अस्पताल में भी तस्वीर साफ नहीं की गई।

बिलखती मां, संभालते परिजन और मौके पर जुटी भीड़। ● अमृत विचार

परिजनों से बातचीत करते सीओ सिटी विवेक तिवारी। ● अमृत विचार

● इलाज में हुई देरी, सही जानकारी मिलती तो बच सकता था अंश

आरोप है कि डॉक्टरों ने मामले को सामान्य समझकर जरूरी तत्परता नहीं दिखाई। गोली लगने जैसे मामलों में हर मिनट की कीमत जान से होती है, लेकिन यहां समय यूं ही गंवा दिया गया।

अगर शुरुआती वक्त में सही जानकारी दी जाती और तुरंत विशेषज्ञ इलाज शुरू होता, तो अंश की जान बच सकती थी। सवाल यह भी हैं कि क्यों दोस्तों ने जानबूझकर सच छुपाया? क्या अस्पताल में लापरवाही हुई, या फिर किसी बड़ी बात को दबाने की कोशिश की गई।

पुलिस अब हर एंगल से जांच में जुटी है। अंश के साथ मौजूद लोगों से पूछताछ जारी है और घटना स्थल से लेकर अस्पताल तक की पूरी कड़ी जोड़ी जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट और पोस्टमार्टम भी जांच का अहम हिस्सा हैं।

इस घटना ने पूरे इलाके में गुस्सा और सनसनी फैला दी है। लोग खुलकर पूछ रहे हैं, यह हादसा था, साजिश थी या लापरवाही का खतरनाक खेल? अब सबकी नजर पुलिस जांच पर है। क्या सच सामने आएगा या यह मामला भी सवालों में ही दब जाएगा।

दुकानों में खुले अस्पतालों के रजिस्ट्रेशन की हो जांच

प्राइवेट नौकरी कर परिवार की जीविका चलाने वाले मृतक के पिता अनिल झा बिलखते हुए कहते हैं कि बेटे को जिस जनशक्ति हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, वह दुकानों में चलता है। उन्हें संदेह है कि अस्पताल का रजिस्ट्रेशन तक नहीं है और न ही योग्य डॉक्टर। बेटे के पेट में पट्टी बंधी थी और उन्हें गुमराह किया जाता रहा। यदि घटना के तुरंत बाद जानकारी मिल जाती तो उनका बेटा बच जाता। उन्होंने डॉक्टर और अस्पताल की जांच की मांग की है।

नामजद दो आरोपी हिरासत में हैं। उनसे पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि अंश को गोली कैसे लगी। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

–विवेक तिवारी, सीओ सिटी

सहारनपुर के शिवालिक वन क्षेत्र में छोड़ा तेंदुआ

धौरहरा, अमृत विचार: धौरहरा वन रेंज क्षेत्र से पकड़ी गई मादा तेंदुए को शुक्रवार तड़के सहारनपुर के शिवालिक वन क्षेत्र में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया। वन विभाग की टीम ने आवश्यक अनुमति मिलने के बाद यह कार्रवाई की।

मंगलवार रात करीब आठ बजे धौरहरा वन रेंज के देखीपुरवा मजरा, रामलोक गांव में लगाए गए वन विभाग के पिंजरे में मादा तेंदुआ कैद हो गया था।

उसे पकड़ने के लिए वन विभाग पिछले दो माह से रेस्क्यू अभियान चला रहा था। क्षेत्रीय वनाधिकारी नृपेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार, तेंदुए का चिकित्सीय परीक्षण किया गया, जिसमें वह पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। इसके बाद उच्चाधिकारियों की अनुमति मिलने पर उसे सहारनपुर के शिवालिक वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया। शुक्रवार अलसुबह वन विभाग की टीम ने निर्धारित स्थान पर तेंदुए को सुरक्षित रूप से आजाद कर दिया। लोगों और वन विभाग की टीम ने चैन की सांस ली।

आमने-सामने भिड़े दो ट्रक, एक चालक की मौत

संवाददाता, धौरहरा

- ईसानगर क्षेत्र में हादसा, एक गंभीर घायल
- दोनों वाहनों के परखच्चे उड़े, बुरी तरह फंस गए चालक

अमृत विचार: ईसानगर थाना क्षेत्र में गुरुवार की रात दो ट्रकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसा सिसैया-लखीमपुर हाईवे पर रंजीत नगर पुल के आगे हुआ। बोझिया गांव के पास रात करीब 10 बजे दोनों ट्रक आमने-सामने भिड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और चालक बुरी तरह फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही ईसानगर थानाध्यक्ष निर्मल तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को बाहर निकालकर एम्बुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खमरिया भिजवाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए दोनों को जिला अस्पताल लखीमपुर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चालक विनोद कुमार (40) पुत्र लालसिंह निवासी शामली को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे ट्रक चालक मोहम्मद यूसुफ निवासी रसूलपुर, मुरादाबाद का इलाज जारी है, जिसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल, रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव बुंधेली नानकार निवासी मुन्ना लाल (45) सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। उन्हें सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, रिपोर्ट

पीलीभीत अमृत विचार : थाना जहानाबाद क्षेत्र की एक युवती ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक सामाजिक कार्यकर्ता है। उसकी मुलाकात थाना जहानाबाद क्षेत्र के ग्राम सिरसी लदपुरा निवासी संजीव कुमार पुत्र हीरालाल से हुई। संजीव कुमार ने उसके घर आना जाना शुरू कर दिया। आरोपी ने उसको प्रेम जाल में फंसाकर शादी करने की बात कही। उसके साथ कई बार उसकी बिना मर्जी के शारीरिक संबंध भी बनाए गए।

शादी की तारीख भी तय हो गई, लेकिन उसने शादी करने से मना कर दिया। दबाव बनाने पर आरोपी ने उसका मोबाइल हैक कर लेने की बात कही। इसकी शिकायत उसने थाने में की। शिकायत करके वापस आते समय आरोपी के चाचा कुवंरसेन ने उसके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कराई जा रही है।

तीन शव एक साथ पहुंचते ही रो पड़ा पूरा गांव

शव पहुंचने पर उमड़ी ग्रामीणों की भीड़। ● अमृत विचार

हादसे में मारे गए बृजमोहन के घर पर बैठी शोकाकुल महिलाएं। ● अमृत विचार

संवाददाता, सिंगाही

- मेरठ में हुए सड़क हादसे में हुई थी दो नाबालिग समेत मजदूर की मौत
- बथुआ गांव में पसरा सन्नाटा, शुक्रवार को किया गया अंतिम संस्कार

अमृत विचार: मेरठ में ट्रैक्टर की टक्कर से जान गंवाने वाले तीन मजदूरों का शव शुक्रवार को उनके पैतृक गांव लाया गया। एस साथ तीन शव देख पूरा गांव रो पड़ा। हरेक व्यक्ति की आंख नम थी। उनके चेहरे पर हादसे का गम साफ झलक रहा था। मृतकों में दो नाबालिग भी शामिल हैं। परिवार वालों ने तीनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्राम पंचायत बथुआ निवासी अरशद (32), अलीमुद्दीन (13) और बृजमोहन (16) मजदूरी करते थे। बुधवार रात तीनों एक बाइक पर सवार होकर अपने कमरे पर आ रहे थे।

रास्ते में ट्रैक्टर की टक्कर से तीनों की मौत हो गई थी। गुरुवार को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि समेत गांव के अन्य लोग मेरठ पहुंचे, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराकर देर रात तीनों शव गांव लाए गए। शवों के आते ही परिवार में कोहराम मच गया। शवों को देखने के लिए पूरा गांव उमड़ पड़ा। परिजन शवों से लिपटकर बिलखने लगे। रात के सन्नाटे की चीर रही चीत्कार से हरेक व्यक्ति की आंख नम हो गई। शुक्रवार सुबह पूरे गांव की मौजूदगी में अंतिम संस्कार किया गया। अरशद और अलीमुद्दीन को सुपुर्द-ए-खाक किया गया, जबकि बृजमोहन का अंतिम संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से किया गया।

मृतकों के परिवार की आर्थिक स्थित बेहद दयनीय

मृतकों के परिवारों की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। रोजगार के अभाव में ये सभी युवक रोजी-रोटी की तलाश में बाहर शहरों का रुख करते थे। बृजमोहन के परिवार के पास नाममात्र की जमीन थी, जिसमें से अधिकांश उसकी मां के इलाज के चलते गिरवी रखी जा चुकी थी। मजबूरी में वह मजदूरी करने बाहर जाता था। वहीं अलीमुद्दीन और अरशद के परिवारों की हालत भी कुछ ऐसी ही है। सीमित जमीन, राशन कार्ड और जॉब कार्ड के सहारे परिवार किसी तरह गुजर-बसर कर रहे हैं। गांव के प्रधान के अनुसार बथुआ के करीब 40 से 50 परिवार हर साल रोजगार की तलाश में दूसरे शहरों की ओर पलायन करते हैं। एक साथ तीन युवकों की मौत ने न सिर्फ तीन परिवारों को उजाड़ दिया, बल्कि पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। हर आंख नम है।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दो घर जले

आग लगने के बाद काटे गए पेड़ पर पानी डालकर सुलगती आग को बुझाता ग्रामीण।

रामालक्ष्ना गांव में लगी आग के बाद जले घर और सामान को देखते ग्रामीण।

- नकदी, बाइक, परचून की दुकान सहित गृहस्थी का सामान जल कर राख

संवाददाता, मूड़ा सवारान

अमृत विचार: थाना भीरा क्षेत्र के गांव रामालक्ष्ना में बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने दो गरीब परिवारों की जीवन भर की कमाई को राख के ढेर में बदल दिया। अग्निकांड में छप्परनुमा घर में रखी एक बाइक, खोखे में परचून की दुकान, नकदी और गृहस्थी का सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। आग बुझाते समय एक युवक भी गंभीर रूप से झुलस गया है।

रामालक्ष्ना निवासी विनोद के छप्परनुमा घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग ने विकराल रूप धारण लिया और ग्रामीण कुछ समझ पाते तब तक लपटों ने पास ही नूतन देवी के घर को भी चपेट में ले लिया। चीख पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। इस दौरान आग बुझाते समय करन नाम का युवक झुलस गया। अग्निकांड में सबसे अधिक नुकसान नूतन देवी के परिवार को हुआ है। नूतन के पति का निधन बीते 15 दिसंबर को हो गया था। उनके दो बड़े बेटे हरियाणा में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। बेटे घर के खर्च और भविष्य के लिए 60 हजार रुपये नकद मजदूरी करके लाए थे, जो आग में जलकर राख हो गए। साथ ही नूतन देवी के दो मोबाइल फोन, अनाज, कपड़े और घर का अन्य जरूरी सामान भी जल गया।

वर्तमान में वह अपने छोटे बेटे के साथ कच्चे मकान में रहकर जीवनयापन कर रही हैं। पीड़ित विनोद पुत्र रामसहाय की बाइक, साइकिल, 20 हजार रुपये खोखे में परचून की दुकान और उसमें रखा सारा सामान जल गया। ग्रामीणों ने बताया कि नूतन देवी के पास अब पहनने के कपड़े और खाने के लिए अनाज नहीं है। अग्निकांड की सूचना पुलिस और राजस्व विभाग को दे दी गई है।

नीम के पेड़ में लगी आग से मचा हड़कंप

फूलबेहड़ अमृत विचार : निघासन रोड पर स्थित गांव सैदापुर स्थित एक नीम के पेड़ में अचानक आग लग गई। पास में पेट्रोल पंप और खेतों में पकी खड़ी गेहूं की फसल से हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने ग्रामीणों की मदद से आग बुझाई। तब जाकर किसानों ने राहत की सांस ली। शुक्रवार को घटना मुस्तफा फिलिंग स्टेशन से करीब 150 मीटर दूरी पर हुई। सुबह करीब 10 :30 बजे पेड़ में आग लगने की सूचना किसानों को मिली। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप लेना शुरू कर दिया और पास के खेतों में खड़ी गेहूं की फसल के लिए बड़ा खतरा बन गई। किसानों ने तत्काल एकजुट होकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन शुरुआती कोशिशों में सफलता नहीं मिल सकी। स्थिति गंभीर होते देख ग्रामीणों ने फूलबेहड़ पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने फायर ब्रिगेड को बुलाया। दमकल टीम ने आग पर काबू पाया, लेकिन कुछ देर बाद पेड़ में फिर से आग धधकने लगी, जिससे खतरा फिर बढ़ गया। किसानों ने साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए पेड़ को काट दिया और बाल्टियों से पानी डालकर आग को पूरी तरह बुझाया। पेड़ के पश्चिम दिशा में कैलाश श्रीवास्तव का लगभग 9 एकड़ खेत है, जिसमें सियाराम खेती कर रहे हैं, जबकि अन्य हिस्सों में कई किसानों की फसल खड़ी थी। वहीं पूर्व दिशा में अन्य किसानों के खेत भी मौजूद हैं। आग लगने के कारणों को लेकर अलग-अलग कयास लगाए जा रहे हैं। कुछ ग्रामीणों का कहना है कि पेड़ पर लगी मधुमक्खियों को हटाने के दौरान आग लगी, जबकि कुछ इसे स्वत : आग लगने की घटना बता रहे हैं।

आग से झुलसी महिला, रेफर

गोला गोकर्णनाथ, अमृत विचार : हैदराबाद थाना क्षेत्र के गांव गौरीगंज निवासी सरला देवी (36) पत्नी दर्शन सिंह घर में खना बनाते समय आग से झुलस गई। परिजनों ने उन्हें सीएचसी भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत में सुधार न होने पर महिला को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

घर में घुसकर मूकबधिर महिला से मारपीट

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- मना करने पर भड़का पड़ोसी पति के पहुंचने पर खुला मामला

अमृत विचार: छत से निकलने का विरोध करना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोपी ने उसकी घर में घुसकर पिटाई कर दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला का मेडिकल परीक्षण कराया है।

मोहल्ला गोटैया बाग निवासी सियाराम ने बताया कि गुरुवार को पड़ोस में रहने वाला समीर उसकी छत से होकर जा रहा था। घर पर मौजूद उसकी पत्नी सविता(जो बोलने में असमर्थ है) ने इशारों से उसे ऐसा करने से मना किया। आरोप है कि इस बात पर समीर भड़क गया और गाली-गलौज करने लगा। जब महिला ने इशारों से ही विरोध जताया तो आरोपी छत से नीचे उतरकर सीधे घर में घुस आया और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से महिला घबरा गई और उसे चोटें आईं। घटना के समय सियाराम घर पर मौजूद नहीं था। जब वह वापस लौटा तो उसकी पत्नी ने इशारों में पूरी घटना बताई। इसके बाद सियाराम अपनी पत्नी को लेकर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को तहरीर दी। शहर कोतवाल राजेश कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई उमाशंकर को सौंपी गई है। घायल का मेडिकल कराया गया है। आरोपी की तलाश की जा रही है।

सोता रहा परिवार, नकब लगाकर लाखों की चोरी

संवाददाता, खमरिया

- सुबह टूटे ताले देख उड़े होश

अमृत विचार: ईसानगर थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए नकब लगाकर लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह रही कि पूरा परिवार घर के आंगन में सोता रहा और चोर आराम से घर का सामान समेटकर फरार हो गए।

गांव हसनापुर निवासी अजय त्रिवेदी ने बताया कि घटना 1 अप्रैल की रात हुई। वह अपने परिवार के साथ घर के आंगन में सो रहे थे। इसी दौरान चोरों ने घर में नकब लगाकर अंदर प्रवेश कर लिया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर के अंदर रखे करीब 5500 रुपये नकद, मंगलसूत्र, टप्स, तीन जोड़ी पायल, कुंडल सहित करीब एक लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, पीतल के बर्तन और अन्य घरेलू सामान चोरी कर ले गए। सुबह करीब 5 बजे जब परिवार के लोग जागे तो घर के अंदर का नजारा देख उनके होश उड़ गए। सामान बिखरा पड़ा था और चोरी की जानकारी होते ही घर में अफरा-तफरी मच गई। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। लोगों का कहना है कि रात में गश्त बढ़ाई जाए, ताकि ऐसी घटनाओं पर लगाम लग सके।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

ठेले पर खड़े युवक की पिटाई मामले में रिपोर्ट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : शहर के उदयपुर महेवा निवासी पूनम पत्नी रामचन्द्र ने बताया कि 1 अप्रैल की शाम करीब 9 :30 बजे उनका पुत्र पवन उर्फ नितिन राज पैलेस के सामने टिक्की-पकौड़ी के ठेले पर खड़ा था। इसी दौरान गांव का ही जयकरन वहां पहुंचा और गाली-गलौज करने लगा। जब पवन ने इसका विरोध किया तो आरोप है कि जयकरन ने लाठी से हमला कर दिया। इस हमले में युवक को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

फूलबेहड़, अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ पुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट में फरार चल रहे थाना शारदानगर के गांव गोड्डापुरवा निवासी आरोप विनोद को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसकी काफी दिनों से तलाश कर रही थी, लेकिन वह पुलिस के हाथ नहीं आ रहा था। प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर चालान भेजा है।

श्रीराम कथा सुन भक्त हुए भावविभोर

पीलीभीत, अमृत विचार : श्रीसंकट मोचन बालाजी महाराज मंदिर में श्रीराम कथा चल रही है। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और बाबा का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। महंत अमोल वशिष्ठ ने कथा सुनाई। बाबा के दरबार में भोग लगाया गया। कथा सुनकर भक्त भावविभोर हो गए। बाबा के जयकारों की गूंज रही। भजनों पर भक्त जमकर थिरके। बता दें कि छह अप्रैल को श्रीरामकथा को विश्राम दिया जाएगा और उसी दिन यज्ञ एवं भंडारे का आयोजन होगा। इस मौके पर शिखा वशिष्ठ, कोमल वशिष्ठ, सुगंधा, सागर, सौरभ सक्सेना, शैली शर्मा, अभिलाष गुप्ता, रवि श्रीवास्तव, सरवन तिवारी, विवेक, अनित, मनीष आदि मौजूद रहे।

सावन के झूलों ने मुझको बुलाया, मैं परदेसी...

छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर नृत्य, गीत, संगीत की सजी महफिल

गोला में चैती मेला के मंच पर समूहगान करते गायक। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने के लिए मौजूद अतिथि और दर्शक। ● अमृत विचार

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

- नगर पालिकाध्यक्ष ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर उनका आभार व्यक्त किया

अमृत विचार: छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के छठवें दिन सांस्कृतिक मंच पर राजेश दीक्षित एण्ड पार्टी के नृत्य एवं गीत संगीत कार्यक्रम का मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा, कार्यक्रम अध्यक्ष भारत विकास परिषद छोटी काशी के अध्यक्ष अनुज खरे, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी दिनेश मिश्रा, वारिस सिद्दीकी, प्रकाश सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष हिन्दू युवा वाहिनी रत्ना अवस्थी आदि ने नगर पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू के साथ दीप प्रज्वलित कर आरंभ किया। नगर पालिकाध्यक्ष ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर उनका आभार व्यक्त किया।

गुरुवार को सांस्कृतिक मंच पर संगीत सम्मेलन आर्केस्ट्रा के आरंभ से पहले मुख्य अतिथि पूर्व जिला महामंत्री श्री मिश्र ने कहा कि ऐतिहासिक चैती मेला को पालिकाध्यक्ष विजय शुक्ला रिंकू ने सजाने-संवारने के लिए अथक प्रयास किए हैं। मेले को भव्यता देने के साथ ही सांस्कृतिक मंच को बहुत शानदार, विविधता से सजाया है।संगीतमय गीतों का आरंभ सावन के झूलों ने मुझको बुलाया, मैं परदेसी घर वापस आया, तुमसे मिलकर न जाने क्यों याद आता है, पर्दा है पर्दा, पर्दे के पीछे पर्दा नसी है, दर्द ए दिल दर्द ए जिगर, दिल ने पुकारा आपको से हुआ। कलाकार संजना ने रात बाकी बात बाकी, प्यार कभी कम नहीं करना, चुरा लिया है तुमने गोरी हैं कलाइयां पहना दे मुझे हरी हरी चूड़ियां, आज की रात होना है क्या, लग जा गले। गायिका निधि ने मेरे नसीब में तू है कि नहीं, जाने क्यों लोग मोहब्बत किया करते हैं, मिलती है जिंदगी में मोहब्बत कभी कभी। गायत्री ने-वादा न तोड़,वादा न तोड़, सोलह बरस की बाली उमर को सलाम आदि गीत, संगीत, नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों की वाहवाही बटोरी।

व्यापार मण्डल जिला अध्यक्ष राममोहन सोनी, पूर्व सभासद अयूब खान, सेवानिवृत्त शिक्षक श्याममूर्ति शुक्ला, पूर्व सभासद विश्वनाथ राजपूत, सभासद इजरान अहमद, धर्मेन्द्र जायसवाल, नानक चंद्र वर्मा, राजेश वर्मा, राजेश अवस्थी, मोहित कुमार कनौजिया, सुरेश जायसवाल, कफील अहमद, नामित सभासद गीता विश्वकर्मा, रामचन्द्र राठौर, समाजसेवी सुरेश ठाकुर, पिंकी संजीव गुप्ता, जटाशंकर, राजकुमार कश्यप, सेंट्रल बार संघ महामंत्री संदीप अवस्थी सहित पालिका के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

चैती मेला में आज

छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला के सांस्कृतिक मंच पर 4 अप्रैल शनिवार को स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम सायं सात बजे से।

मौसम का मिजाज बदलने से बढ़ रहीं बीमारियां

संवाददाता, मूड़ा सवारान

- दिन में जबरदस्त गर्मी तो रात में हो रही ठंड
- डॉक्टरों ने दी सावधानी बरतने की सलाह

अमृत विचार: अप्रैल माह की शुरुआत के साथ ही मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। दिन में तेज धूप और गर्मी का असर है, जबकि रात में ठंडक बनी रहती है। इस अस्थिर उतार चढ़ाव मौसम का सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है, जिससे बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

दिन में गर्मी के कारण लोग हल्के कपड़े पहन रहे हैं और रात को ठंड बढ़ने पर पंखे या ठंडी हवा के संपर्क में आ रहे हैं। इस बदले तापमान के अंतर के चलते शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है, जिससे लोग शीघ्र ही बीमार पड़ रहे हैं। इसके अलावा ठंडे पेय पदार्थों और आइसक्रीम के अधिक सेवन से भी गले और पाचन से जुड़ी समस्याएं सामने आ रही हैं।

यह बरतें सावधानियां : विशेषज्ञों का कहना है कि इस समय लोगों को दिन और रात के तापमान के अंतर को ध्यान में रखते हुए अपनी दिनचर्या में बदलाव करना चाहिए। हल्के लेकिन पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहने चाहिए। ठंडे पेय पदार्थों का सीमित सेवन करें और पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। साथ ही यदि सर्दी, खांसी या बुखार के लक्षण दिखाई दे तो तत्काल चिकित्सकीय सलाह लें।

अस्पताल में बढ़ी मरीजों की संख्या

बिजुआ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक डॉ. सुभाष वर्मा ने बताया कि इन दिनों अस्पताल में मौसमी बीमारियों से ग्रसित मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। मौसम में हो रहे बदलाव के कारण सर्दी, खांसी और गले के संक्रमण के मामले में इजाफा हुआ है। विशेष रूप से वायरल बुखार और जोड़ों के दर्द के मरीज अधिक आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि मौसम बदलाव के कारण खासकर बच्चों में संक्रमण का खतरा बढ़ गया है। बच्चों को मौसम के अनुसार कपड़े पहनाएं, ठंडी चीजों से परहेज कराएं और बच्चों की इम्युनिटी बढ़ाने के लिए पौष्टिक आहार दें।

संचारी रोगों से विद्यार्थियों को किया जागरूक

- कृषक समाज कॉलेज में विद्यार्थियों को दिलाई गई शपथ

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: कृषक समाज इंटर कॉलेज में उप प्रधानाचार्य लखपत भारती की अध्यक्षता में विशेष संचारी रोग एवं दस्तक अभियान की रोकथाम हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम का आरंभ किया गया। यह अभियान एक अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलेगा।

कालेज प्रधानाचार्य ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षक शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को शपथ दिलाई। जीव विज्ञान प्रवक्ता डॉ. अनिल कुमार ने संक्रामक रोगों से बचाव, ग्रीष्म ऋतु में हीट वेव (लू) से सुरक्षा, प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। बचाव के लिए साफ एवं सुरक्षित पानी का सेवन करें, विशेषकर इंडिया मार्का हैंडपंप का पानी ताजा, हल्का एवं ढका हुआ भोजन ही खाएं। साफ सुथरे फल एवं सब्जियों का सेवन करें, मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें और पूरे कपड़े पहनें। उल्टी दस्त या अन्य लक्षण होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार कराएं। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी ओमप्रकाश यादव, अशोक वर्मा, अरविंद यादव, अखिलेश शुक्ला सहित शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। संचालन देवेंद्र सिंह ने किया।

गोला के कृषक समाज कॉलेज में विद्यार्थियों को शपथ दिलाते शिक्षक। ● अमृत विचार

दोस्त और उसकी पत्नी को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला गोमती नगर (रामनगर) निवासी पीड़ित धर्मपाल ने बताया कि गुरुवार शाम उसका दोस्त समीर अंसारी अपने कुछ साथियों के साथ उसके घर के सामने पहुंचा। आते ही उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपी और उसके साथियों ने मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब पत्नी पूनम घर से बाहर आई और बीच-बचाव करने लगी, तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। घटना के दौरान आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा होने लगे। इस पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। मारपीट में दंपती को चोटें आई हैं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया है। प्रकरण की जांच एसआई दिनेश कुमार पांडेय को सौंपी गई है।

हनुमान मंदिर में सुंदरकांड संपन्न

- हनुमान जन्मोत्सव पर भंडारा में श्रद्धालुओं ने लिया प्रसाद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार: वीर हनुमान जन्मोत्सव पर निकली पदयात्रा के विश्राम पर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर गुरुवार की शाम सुंदरकांड के पाठ के बाद हुए भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुवार को हनुमान प्राकट्य दिवस पर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर से निकली पदयात्रा कंजा बाबा देवस्थान तक जाकर पुनः संकट मोचन हनुमान मंदिर में आकर यात्रा का विश्राम हुआ। जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, समिति के सदस्यों ने भगवान हनुमान की पूजा अर्चना की। पंडित मुनेंद्र शुक्ला द्वारा संगीतमयी सुंदरकांड का पाठ, आरती के बाद शाम को हुए भंडारे में तमाम श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

मंदिर के पुजारी दिवाकर पांडे ने बताया कि पवनपुत्र हनुमान भगवान शंकर के अंशावतार है। हनुमान जी ने भगवान श्रीराम की सेवा से उनका दिल जीत लिया था। वह प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त थे। शिवकुमार बाजपेयी पिंटू, चंद्रशेखर अवस्थी, कृष्णा वाजपेयी, आराध्या वाजपेयी, शांभवी वाजपेयी, मुस्कान, रागिनी, भूमिका, दिनेश तिवारी, पंकज मिश्रा, मनोज तिवारी, धनंजय मिश्रा, मनोज श्रीवास्तव, मनुज बाजपेई, रजनीश मिश्रा, दीपक मिश्रा आदि मौजूद रहे।

श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर पर भंडारे का प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सबसे पुराना स्थापित 1960
गुप्त रोगी रोजाना मिलें
हर जगह से परेशान रोगी मिले
नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी
बिना ऑपरेशन
दर्द रहित उपचार
बवासीर
खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर
कांच का बिना ऑपरेशन
इलाज दर्द रहित
उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1
डॉ. सी.पी. गुप्ता
क्लीनिक
निकट जिला पंचायत चौपुला
कुतुबखाना रोड, बरेली
मो. 9259082174

पालिकाध्यक्ष के हाथों मिला रिजल्ट, खिले चेहरे

संवाददाता, पलिया कलां

- समारोह में मेधावी छात्रों का किया गया सम्मान

अमृत विचार: नगर के श्री राम गोपाल नेकीराम जूनियर हाई स्कूल में आयोजित समारोह में विद्यार्थियों को परीक्षाफल वितरित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नगरपालिका अध्यक्ष लक्ष्मी देवी गुप्ता तथा विशिष्ट अतिथि बीना गुप्ता मौजूद रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद पालिकाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को परीक्षाफल कार्ड वितरित किए। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई देते हुए निरंतर मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बीना गुप्ता ने कहा कि प्रारंभिक शिक्षा के दौरान दिए गए संस्कार ही बच्चों को आगे चलकर एक अच्छा और जिम्मेदार नागरिक बनाते हैं। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के वरिष्ठ पदाधिकारी सीताराम गर्ग और अजय कुमार गर्ग ने भी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

प्रधानाचार्य मूल चन्द्र शाक्य ने सभी अतिथियों का आभार जताया। समारोह में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

वर्दी को लेकर सड़क पर उतरे प्राइवेट बस चालक

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश ड्राइवर महासंगठन की पलिया इकाई से जुड़े प्राइवेट बस ड्राइवरों और बस मालिकों के बीच वर्दी को लेकर शुरू हुआ विवाद अब खुलकर सड़क पर आ गया है। शुक्रवार को कई ड्राइवर ड्यूटी न मिलने से नाराज होकर सड़क पर उतर आए और जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

ड्राइवरों का आरोप है कि वे उत्तर प्रदेश ड्राइवर महासंगठन की लोगो लगी वर्दी पहनकर बसों का संचालन करते हैं, लेकिन प्राइवेट बस मालिकों को यह स्वीकार नहीं है। इसी को लेकर शुक्रवार को कई ड्राइवरों को बस चलाने के लिए वाहन नहीं दिए गए, जिससे उनमें भारी आक्रोश फैल गया। नाराज ड्राइवर मनीष कुमार, राजेश कुमार समेत कई अन्य शामिल थे, नगर के रिलायंस पेट्रोल पंप के पास एकत्र हो गए और उत्तर प्रदेश ड्राइवर महासंगठन जिंदाबाद के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया।

बस यूनियन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते प्राइवेट बसों के चालक। ● अमृत विचार

- बस यूनियन के खिलाफ खोला मोर्चा, लोगो वाली वर्दी पर अड़े ड्राइवर

इस दौरान कुछ देर के लिए माहौल तनावपूर्ण भी हो गया। वहीं पलिया बस यूनियन के कोषाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह गिल का कहना है कि यूनियन से जुड़े सभी ड्राइवरों को यूनियन के लोगो वाली वर्दी पहनना अनिवार्य है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में उनकी पहचान आसानी से हो सके। उन्होंने कहा कि जो ड्राइवर यूनियन की शर्तों का पालन करेगा, उसे ही काम दिया जाएगा। इस विवाद का असर अब आम लोगों पर भी पड़ने लगा है। बसों के संचालन में बाधा आने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल दोनों पक्ष अपने-अपने रुख पर अड़े हुए हैं, जिससे विवाद के जल्द सुलझने के आसार कम नजर आ रहे हैं।

दुधवा टाइगर रिजर्व में शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित

- एसटीएफ जवानों ने दी सलामी, बाघ के हलमें में गई थी रेंजर और कार्मिक की जान
- उपनिदेशक व अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शहीदों के परिजनों ने चित्रों पर पुष्प अर्पित किए

संवाददाता, पलिया कलां

अमृत विचार: दुधवा टाइगर रिजर्व में 42 वर्ष पूर्व बाघ हमले में शहीद हुए सोनारीपुर रेंज के रेंजर स्व. एसडी. सिंह और ट्रैक्टर क्लीनर परमेश्वरदीन की पुण्यतिथि पर उनके स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान उपनिदेशक सहित वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और शहीदों के परिजनों ने उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। एसटीएफ जवानों ने शहीदों को सलामी दी।

स्व. रेंजर एसडी सिंह की पत्नी को अंगवस्त्र प्रदान करते उपनिदेशक। ● अमृत विचार

दुधवा में शहीदों को श्रद्धांजलि देते वनाधिकारी व परिजन। ● अमृत विचार

बताया जाता है कि वर्ष 1984 में दुधवा टाइगर रिजर्व के दक्षिण सोनारीपुर रेंज में तैनात रेंजर एसडी सिंह और कार्मिक परमेश्वरदीन वेतन वितरण के बाद रेंज वापस लौट रहे थे, तभी बाघ के हमले में दोनों की मौत हो गई थी। स्व. सिंह को एक कर्मठ, निर्भीक और कुशल वन अधिकारी के रूप में याद किया जाता है। घटना के बाद दुधवा प्रशासन ने उसी स्थान पर स्मारक का निर्माण कराया और उनके नाम पर मचान, वन मार्ग व घासभूमि (ग्रासलैंड) का नामकरण किया।

पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दुधवा के उपनिदेशक जगदीश आर., आईएफएस प्रशिक्षु अक्षय वाले, उप प्रभागीय वनाधिकारी बेलरायां दीपक कुमार पांडे, विभिन्न रेंजों के अधिकारी, वरिष्ठ वनकर्मी रमेश कुमार, विश्व प्रकृति निधि के रोहित रवि सहित अन्य कर्मचारी व शहीदों के परिजन मौजूद रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में उपनिदेशक जगदीश आर. ने स्व. रेंजर एस.डी. सिंह की पत्नी पुष्पा सिंह और परमेश्वरदीन के पुत्र श्रवण कुमार सहित परिजनों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

ब्रीफ न्यूज

दुष्कर्म का प्रयास

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सिंधौली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि 18 मार्च की रात में वह नाबालिग बेटी के साथ घर में सो रही थी। रात में गांव का एक युवक दीवार फांदकर घुस आया। आरोपी ने बेटी को गलत नीयत से पकड़ लिया। गला और गर्दन दबाने का प्रयास किया। इसी बीच उसका छोटा बेटा जाग गया और रोने लगा। बेटे की आवाज सुनकर घर वाले सतर्क हो गए और महिला जाग गई। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। प्रभारी निरीक्षक रवीन्द्र सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर आरोपी अमन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है।

ढाबा स्वामी पर रिपोर्ट

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मुरादाबाद के थाना काठ थाना के गांव पाटंगी निवासी नरेंद्र यादव ने तिलहर थाना में दी तहरीर में बताया कि वह तहसील तिलहर में पूर्ति निरीक्षक है। उन्हें बुधवार दोपहर सूचना मिली कि हाईवे पर न्यू स्वागत ढाबे पर घरेलू गैस सिलेंडर का प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने पुलिस फोर्स के साथ ढाबे पर छापा मारा। मौके पर एक इंडेन का घरेलू सिलेंडर का प्रयोग हो रहा था। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत धारा 3/7 का अपराध है। उन्होंने सिलेंडर जब्त कर लिया है। तिलहर प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी मनोज कुमार व प्रदीप कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

महिला को पीटा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सदर बाजार क्षेत्र के मोहल्ला मामूड़ी निवासी ऊषा देवी ने थाने पर दी तहरीर में बताया कि 28 मार्च की दोपहर साढ़े तीन बजे मोहल्ले के सुल्तान व उनका लड़का फैजी इमरान, चांद मिया, फैजान ने बच्चों से कहासुनी पर एक राय होकर उसे रास्ते में रोक लिया। आरोपियों ने गालियां देते हुए उसके कपड़े फाड़ दिए। वह जान बचाकर घर में घुसी तो आरोपी भी पीछे से आ गए और उसे डंडों से पीटकर घायल कर दिया। साथ ही घरेलू सामान तोड़ दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

महिला के कुंडल नोचे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चिलौआ मेले में एक उचक्का एक महिला के कान के कुंडल नोचकर भाग गया। फर्रुखाबाद जिले की सरला का मायका अल्हागंज थाना क्षेत्र के गांव साहिबगंज में है। वह अपने मायके आई हुई थी। शुक्रवार की सुबह वह चिलौआ मेले में मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के लिए आयी। मंदिर में भीड़ होने के कारण एक उचक्का उसके एक कान से सोने के कुण्डल नोचकर भाग गया, जो भीड़ में गायब हो गया। महिला ने मंदिर में तैनात पुलिस कर्मचारियों को जानकारी दी। उसका आरोप है कि पुलिस ने टाल मटौल की। उसने थाना अल्हागंज में तहरीर दी है।

बांग्लादेश से विस्थापित 331 हिंदू परिवारों को कई तहसीलों में बसाया

धौरहरा में 97 परिवार, मोहम्मदी में 197 और गोला तहसील में 37 परिवार शामिल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- तीन तहसीलों के चार गांवों में दी गई जमीन
- मुख्यमंत्री के निर्देश पर लोगों को मिला सहारा

बांग्लादेश से आए विस्थापित परिवार के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बांग्लादेश से विस्थापित होकर आए 331 हिंदू परिवारों को जिले की धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 97 परिवार, मोहम्मदी तहसील के ग्राम मोहनपुर ग्रन्ट में 41 और मियांपुर गांव में सर्वाधिक 156 परिवारों को बसाया जा चुका है। इसके अलावा गोला तहसील के गांव ग्रन्ट नंबर-3 में 37 परिवारों को बसाया गया है। इन परिवारों का पुनर्वास वर्षों पहले किया गया था और अब ये यहीं स्थायी रूप से रह रहे हैं।

इन विस्थापित परिवारों को बसाने के साथ ही उन्हें खेती के लिए जमीन भी आवंटित की गई। गोला तहसील के ग्रन्ट नंबर-3 में बसे 37 परिवारों को प्रति परिवार औसतन 3 एकड़ कृषि भूमि दी गई है। धौरहरा तहसील के सुजानपुर गांव में 60 परिवारों को प्रति परिवार औसतन 1.620 हेक्टेयर और 37 परिवारों को प्रति परिवार करीब 0.607 हेक्टेयर जमीन मिली है। मोहम्मदी तहसील के मोहनपुर ग्रन्ट में 15 परिवारों को प्रति परिवार 3 एकड़, 9 परिवारों को प्रति परिवार 7 एकड़ और 17 परिवारों को प्रति परिवार 5 एकड़ कृषि भूमि का पट्टा दिया गया है। वहीं मियांपुर गांव में बसे 156 परिवारों को प्रति परिवार करीब 4.75 एकड़ जमीन दी गई है, जिससे वे खेती कर अपनी आजीविका चला रहे हैं।

पात्रता के आधार पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, विधवा और वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा राशन वितरण, टीकाकरण, मनरेगा, मिड-डे मील, समग्र शिक्षा योजना, स्वच्छ भारत मिशन और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के जरिए इन गांवों में बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि बांग्लादेश से विस्थापित होकर उत्तर प्रदेश पहुंचे 331 हिंदू परिवारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जनपद लखीमपुर की 3 तहसीलों में बसाया गया है। इन परिवारों को न सिर्फ कृषि योग्य जमीन आवंटित की गई, बल्कि राज्य व केंद्र सरकार की सभी जन-कल्याण से जुड़ी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया है।

एआई सीखने को निःशुल्क पंजीकरण शुरू

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: एआई शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए लखनऊ मंडल में एआई अवेयरनेस प्रोग्राम की शुरुआत की गई है, जिसका लाभ जिले के छात्र-छात्राओं को भी मिलेगा। कक्षा 11 व 12 के विद्यार्थियों के लिए यह निःशुल्क है।

कार्यक्रम अपर मुख्य सचिव माध्यमिक एवं बेसिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा के निर्देशों के तहत संचालित किया जा रहा है। विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को एआई की उपयोगिता और उसकी बुनियादी समझ से जोड़ना है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण की अंतिम तिथि 7 अप्रैल निर्धारित की गई है। इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित लिंक के माध्यम से ओटीपी आधारित रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। 15 अप्रैल से 20 घंटे का ऑनलाइन कोर्स शुरू होगा, जिसकी अध्ययन विंडो 60 दिनों तक खुली रहेगी। छात्र अपनी सुविधा के अनुसार इस कोर्स को पूरा कर सकेंगे। संयुक्त शिक्षा निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार ने मंडल के सभी जिलों को छात्रों के पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं।

क्रिटिकल केयर पर मेडिकल कॉलेज में होगी कार्यशाला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- विशेषज्ञ देंगे आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण
- अधिकारी बोले पूरी हो गईं सारी तैयारियां

अमृत विचार : स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में चिकित्सा शिक्षा को नई दिशा देने के प्रयास जारी हैं। इसी क्रम में 11 अप्रैल को क्रिटिकल केयर विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा, जिसमें चिकित्सकों और प्रशिक्षुओं को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय में 11 अप्रैल को क्रिटिकल केयर विषय पर राज्य स्तरीय शैक्षणिक संगोष्ठी (सीएमई) और हैंड्स-ऑन कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसियोलॉजिस्ट्स (आईएसए), बरेली सिटी शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कार्यशाला में एयरवे प्रबंधन, मैकेनिकल वेंटिलेशन और फ्लेक्सिबल वीडियो लैरिंगोस्कोपी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

विशेषज्ञ जटिल चिकित्सा प्रक्रियाओं की बारीकियों से प्रतिभागियों को रूबरू कराएंगे। साथ ही प्रतिभागियों को फाइबर ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी और वीडियो लैरिंगोस्कोपी जैसे आधुनिक उपकरणों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे चिकित्सकों, रेजिडेंट्स और इंटर्न्स के कौशल विकास में मदद मिलेगी। कार्यक्रम सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक मेडिकल कॉलेज के लेक्चर हॉल-3 में आयोजित होगा। प्रधानाचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि संस्थान लगातार प्रगति कर रहा है और छात्र राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। यह कार्यशाला चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक होगी।

मानदेय बकाया पर भड़के मनरेगा कर्मी, शुरू की कलम बंद हड़ताल

संवाददाता, पसगवां

- ऑनलाइन अटेंडेंस ठप, भुगतान और ईपीएफ न मिलने से नाराज कर्मियों ने रोका काम

अमृत विचार: ब्लॉक क्षेत्र में मनरेगा कर्मियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर शुक्रवार से कलम बंद हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल के चलते ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन अटेंडेंस नहीं लगाई जा रही है और कार्य पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

हड़ताल में एपीओ, तकनीकी सहायक, कंप्यूटर ऑपरेटर, रोजगार सेवक और मेठ सहित बड़ी संख्या में कर्मी शामिल हैं। इनका कहना है कि लंबे समय से मानदेय और ईपीएफ का भुगतान नहीं होने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं की जा रही है, जिससे उन्हें मजबूर होकर काम बंद करना पड़ा। इस संबंध में कर्मियों ने पहले ही डीएम और सीडीओ को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी मोहित कौशिक को सौंपा था। अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा ललित कुमार और ब्लॉक अध्यक्ष जीआरएस अनिल सिंह चौहान के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में जुलाई 2025 से मानदेय और ईपीएफ लंबित होने की बात कही गई थी। कर्मियों का कहना है कि भुगतान न मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बेहद खराब हो गई है। दीपावली और होली जैसे त्योहार भी फीके गुजर गए। परिवार की जिम्मेदारियां निभाना मुश्किल हो रहा है और आर्थिक संकट के चलते विभागीय कार्यों और निजी जीवन के बीच संतुलन बनाना कठिन हो गया है।मनरेगा कर्मियों ने विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति में पूरा योगदान दिया है। इसके अलावा एसआईआर, क्रॉप सर्वे जैसे अतिरिक्त कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाई है। बावजूद इसके भुगतान न होना गंभीर सवाल खड़े करता है। कर्मियों ने सवाल उठाया कि जब प्रशासनिक मद का पर्याप्त सृजन हो चुका है, तो फिर मानदेय और ईपीएफ का भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा। इसे लेकर वित्तीय अनियमितता की आशंका भी जताई जा रही है। बताया गया कि मनरेगा कर्मचारी महासंघ के बैनर तले पहले भी चरणबद्ध आंदोलन किया गया था।

भाजपा की नई टीम का ऐलान, गरमाई सियासत

- पुराने सक्रिय चेहरों को किनारे कर नए लोगों को दी बड़ी जिम्मेदारी
- जिलाध्यक्ष ने नई टीम को नई ऊर्जा और नई दिशा देने वाला बताया

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

भाजपा जिला कार्यालय भवन। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता के नेतृत्व में नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा होते ही जिले की सियासत गरमा गई है। प्रदेश नेतृत्व की मंजूरी के बाद जारी हुई इस सूची में कई पुराने और लंबे समय से सक्रिय चेहरों को किनारे कर नए लोगों को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। इसे लेकर संगठन के अंदर और सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है।

जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने नई टीम को नई ऊर्जा और नई दिशा देने वाला बताया, लेकिन हकीकत यह भी है कि इस बदलाव ने कई पुराने कार्यकर्ताओं को चौंका दिया है। जिला उपाध्यक्ष पद पर संतोष कुमारी, किरन अग्रवाल, रामजी मौर्य, आशू मिश्रा, संजय मिश्रा, जितेंद्र साहनी और विनोद लोधी को जगह मिली है, जबकि एक पद खाली रखा गया है। जिला महामंत्री पद पर अनुराग मिश्रा, राजेश सिंह और मनोज वर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। जिला मंत्री पद पर भी नए चेहरों की भरमार दिखी।

राकेश अर्कवंशी, रश्मि गुप्ता, रामभरोसे वर्मा, संगीता पुरी, शरद मिश्रा, अमित सिंह और गणेश शंकर गौतम को मौका मिला, जबकि यहां भी एक पद रिक्त रखा गया है। कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी सुदीप निगम को सौंपी गई है, जबकि संजय गुप्ता और सुनील दीक्षित सह कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। जिला मीडिया प्रभारी का दायित्व रमेश चंद्र मिश्र के पास ही सुरक्षित रहा, जबकि अंकित अवस्थी, राजीव मिश्रा, हर्ष गुप्ता को जिला मीडिया सह प्रभारी बनाया गया है। अभिजात मिश्रा जिला कार्यालय प्रभारी रहेंगे, जबकि सह जिला कार्यालय प्रभारी का दायित्व सौरभ त्रिवेदी संभालेंगे। निष्कर्ष मिश्रा को जिला सोशल मीडिया संयोजक, ऋषभ पांडेय को जिला सोशल मीडिया सह संयोजक, शौर्य सक्सेना को जिला आईटी संयोजक और अमित मिश्रा को जिला आईटी सह संयोजक का दायित्व दिया गया है।

गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र को झटका

नई कार्यकारिणी में जिला उपाध्यक्ष रहे कुलभूषण सिंह, दुर्गेश चंद्र पांडेय, ज्योतिर्मय बरतरिया और उमेश शुक्ला को शामिल नहीं किया गया है। पार्टी सूत्रों की मानें तो संगठन को मजबूती देने में यह लोग दिन-रात लगे रहते थे। उधर, नई कार्यकारिणी में सबसे बड़ा झटका गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र को लगा है। करीब दो दशक से जिला टीम में अहम भूमिका निभाने वाले विजय शुक्ल रिंकू, ठाकुर प्रसाद गंगवार और विजय माहेश्वरी को इस बार पूरी तरह बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन दिग्गज नेताओं की अनदेखी की चर्चाएं खुलकर सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतने लंबे समय तक संगठन को मजबूत करने वालों को अचानक किनारे क्यों किया गया।

शहर का दबदबा

नई 33 सदस्यीय कार्यकारिणी में यह साफ नजर आ रहा है कि इस बार लखीमपुर शहर के नेताओं को ज्यादा प्राथमिकता दी गई है, जिससे ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में असंतोष की सुगबुगाहट है। कुल मिलाकर, भाजपा की यह नई टीम नई ऊर्जा के दावे के साथ जरूर आई है, लेकिन पुराने चेहरों की अनदेखी और क्षेत्रीय असंतुलन ने इसे विवादों के केंद्र में ला दिया है। आने वाले दिनों में यह फैसला संगठन को मजबूती देगा या अंदरूनी नाराजगी बढ़ाएगा, यह देखने वाली बात होगी।

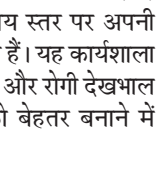

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अनुमोदन के बाद जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने अपना दायित्व संभाल लिया है। नई कार्यकारिणी से पार्टी को जिले में और मजबूती मिलेगी। समर्पण और राष्ट्र सेवा के संकल्प को लेकर नई गति देते हुए संगठन नई ऊर्जा से कार्य करेगा। इससे नव उत्साह मिलेगा। नई कार्यकारिणी केवल पदों का वितरण नहीं है, बल्कि संगठन के भविष्य की रूपरेखा भी है। -**अरविंद गुप्ता**, जिलाध्यक्ष, भाजपा

पीड़ित परिजनों से मिले सपा सांसद

- तेंदुए के हमले में हो गई थी सात साल की मासूम की मौत

संवाददाता, सिंगाही

ग्रामीणों के साथ वनक्षेत्राधिकारी बेलरायां से बातचीत करते सांसद उत्कर्ष वर्मा।

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के फुटहा फार्म (सिन्हौना) तेंदुए के हमले में जान गंवाने वाली सात वर्षीय मासूम के परिजनों से शुक्रवार को सपा सांसद उत्कर्ष वर्मा ने मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ सपा नेता चौधरी हिमांशु पटेल भी मौजूद रहे।

सांसद ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने वन क्षेत्राधिकारी बेलरायां भूपेंद्र सिंह व अन्य अधिकारियों से बातचीत कर घटना को गंभीरता से लेने और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने बताया कि संसद का बजट सत्र चलने के कारण वह घटना के समय दिल्ली में थे, जिस वजह से तत्काल मौके पर नहीं पहुंच सके थे। क्षेत्र में लौटने के बाद उन्होंने सबसे पहले पीड़ित परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की। मुलाकात के दौरान ग्रामीणों ने इलाके में वन्यजीवों के बढ़ते खतरे को लेकर गहरी चिंता जताई। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की गतिविधियों से लगातार दहशत का माहौल बना हुआ है और बच्चों व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भय बना रहता है। इस पर सांसद ने आश्वासन दिया कि वन विभाग और प्रशासन के साथ समन्वय कर क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कराए जाएंगे, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

मेला मैदान की सुंदरता बढ़ाने वाला फव्वारा चालू नहीं, मेलार्थी रंग बिरंगी लाइट का लेते थे आनंद

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

गोला के मेला मैदान में बंद पड़ा फव्वारा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: छोटी काशी के ऐतिहासिक चैती मेला में विभिन्न झूला, मौत कुआं में धन खर्च कर लोग आनंद लेते हैं, लेकिन मेला मैदान में बना फव्वारा बिना शुल्क के आनंद देने वाला बंद पड़ा है।

मेला मैदान के दुकानदार बताते हैं कि ऐतिहासिक चैती मेला के उद्घाटन से एक दिन पूर्व ही मेला मैदान के बीचोंबीच में बना फव्वारा रंग रोगन कर बिजली की भव्य और रंग बिरंगी लाइटों से सजा दिया जाता रहा है। दूर दराज से आने वाले मेलार्थी अपने बच्चों को फव्वारा दिखाकर आनंदित होते हैं। युवा वर्ग के लोग अधिकांशतः फव्वारे की लाइटों में सेल्फी भी लेते हैं, लेकिन इस बार बंद होने से मेलार्थी चिंतित हैं। नगर पालिका परिषद के जलकल विभाग के कर्मचारियों ने बताया कि वर्ष में एक ही बार चलाए जाने से कुछ तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसे ठीक करा कर शीघ्र ही चालू कर दिया जाएगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

सूचना

मैं हरवेन्द्र कुमार सिंह पुत्र श्री शीश पाल सिंह 13, विष्णुधाम, थाना इज्जतनगर बरेली ने अपनी पत्नी सुमन सिंह व अपनी पुत्रियों ईशा सिंह व माही सिंह तथा पुत्र भविष्य कुमार सिंह के दुर्व्यवहार व गलत संगत में पड़ने के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करके सम्बन्ध विच्छेद करता हूँ। भविष्य में इनके द्वारा किये गये किसी कृत्य या लेन-देन आदि की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

पहले मेरा नाम MOHAMMAD YUNUS था,जिसे बदलकर अब मैंने अपना नाम MOHAMMAD YUNUS RAZA कर लिया है,भविष्य में मुझे MOHAMMAD YUNUS RAZA S/o MOHAMMAD AHMAD निवासी-मोहल्ला हजियापुर नियर हसनैनी मस्जिद जिला बरेली के नाम से जाना/पहचाना जाए।

Rakshpal Bahadur Teachers Training Institute, Bareilly

REQUIRES

For B.Ed.

- Head of Deptt.
- Lecturer

Qualification as per UGC/NCTE/MJPRU norms

Apply alongwith CV, AADHAR, Photo and all necessary documents within 21 days of publication to email : jobs@rbmi.in

Ph.: 7217023076

Near ITBP, Bukhara Turn Badaun Road, Bareilly

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आधार कार्ड सं. 531830132821 पर रूबीना पत्नी अफसर अली दर्ज था। किन्तु अब मैं किन्नर बन गयी हूं। मेरी गुरू गीता किन्नर ने मेरा नाम रूबीना से बदलकर शारदा किन्नर रख दिया है। भविष्य में मुझे शारदा किन्नर के नाम से ही जाना जाये।

शारदा किन्नर गुरू गीता किन्नर निवासी कस्बा ईसानगर जिला लखीमपुर खीरी

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

FACULTY

Required for

B.Ed., BBA

BA(Drawing)

M.Sc. (Home Sc.)

Librarian, Helping Staff

Qual. & Exp. as per Govt/ University norms.

Apply within 15 days

pushpinstitute@gmail.com

Pushp Institute, Pilibhit

(Aff. to Rohilkhand Uni. BLY)

नाला बंद होने से बजबजाईं नालियां, जल निकासी ठप

संवाददाता, मझगई

- दुर्गंध और मच्छरों के प्रकोप से ग्रामीण बेहाल, प्रशासन से गुहार

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के बेला कलां गांव में नाला बंद होने से जल निकासी पूरी तरह बाधित हो गई है। इसके चलते गांव की नालियां गंदे पानी से भरकर बजबजाने लगी हैं और आसपास दुर्गंध फैल गई है। हालात ऐसे हो गए हैं कि ग्रामीणों का रहना मुश्किल हो गया है, वहीं मच्छरों के बढ़ते प्रकोप से संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है।

ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर पलिया एसडीएम को प्रार्थना पत्र सौंपते हुए आरोप लगाया है कि गांव के ही एक दबंग व्यक्ति ने पुलिया में लगे होम पाइप को मिट्टी डालकर बंद कर दिया है। इससे नालियों का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा और गंदगी लगातार फैलती जा रही है। शक्ति, सालिकराम, रवि, सुरेश, मुरली, नेकीराम, सूरजपाल और मुनेश समेत कई ग्रामीणों का कहना है कि गंदगी और बदबू से जीना दुश्वार हो गया है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी इसी गंदगी के बीच होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे उन्हें रोजाना भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नाला नहीं खोला गया तो नालियों का गंदा पानी घरों में घुसने लगेगा, जिससे हालात और गंभीर हो सकते हैं। उनका कहना है कि इस समस्या की शिकायत कई बार ग्राम प्रधान से भी की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई।

गर्मी की छुट्टियों से पहले पार्क होंगे स्मार्ट

- पांच पार्कों में 25 झूलों की तैयारी सुरक्षा और गुणवत्ता पर रहेगा खास फोकस

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

शहर में स्थित कंपनी बाग पार्क। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गर्मी की छुट्टियों के नजदीक आते ही शहर में बच्चों के लिए पार्कों को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने की कवायद तेज हो गई है। नगर पालिका परिषद ने शहर के पांच प्रमुख पार्कों को चिन्हित कर उनमें नए झूले लगाने की योजना तैयार की है, जिससे बच्चों को बेहतर मनोरंजन के साधन मिल सकें।

प्रत्येक चयनित पार्क में पांच-पांच झूले लगाए जाएंगे। इस तरह कुल 25 झूलों की स्थापना की जाएगी। इनमें स्लाइडिंग झूले, सी-सॉ (ऊपर-नीचे झूला), झूला चेयर और राउंड झूले जैसे विभिन्न विकल्प शामिल होंगे, ताकि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चे इनका आनंद उठा सकें। नगर पालिका स्तर पर इस योजना के लिए लगभग छह लाख रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है। झूलों की स्थापना के दौरान उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा, जिससे बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। नगर पालिका अध्यक्ष इरा श्रीवास्तव ने बताया कि गर्मी की छुट्टियां बच्चों के लिए बेहद खास होती हैं और उनका प्रयास है कि शहर के पार्कों को इस तरह विकसित किया जाए कि बच्चे खुले और सुरक्षित माहौल में समय बिता सकें।

उन्होंने कहा कि एक से दो दिनों में झूले लगाने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

- बच्चों के लिए पार्कों को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने की कवायद तेज हो

इस बार झूलों के इस्तेमाल पर सख्ती : नगर पालिका इस बार झूलों के उपयोग को लेकर सख्त नियम लागू करने की तैयारी में है। अध्यक्ष इरा श्रीवास्तव के अनुसार झूलों का उपयोग केवल 5 से 12 वर्ष तक के बच्चों के लिए ही निर्धारित किया जाएगा।

अक्सर देखा जाता है कि बड़े लोग भी बच्चों के झूलों का उपयोग करने लगते हैं, जिससे उपकरण जल्दी खराब हो जाते हैं और बच्चों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में इस बार नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा, ताकि बच्चे सुरक्षित तरीके से इन सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

एआई से रात-रात बतियाए, मनोरोगी बन अस्पताल आए

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• शहर से देहात तक सामने आ रहे मामले, मनोचिकित्सक बने सहारा

अमृत विचार: आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस यानी एआई में चेतना, भावना या दर्द समझने की क्षमता नहीं होती। इस सच्चाई को जानते-समझते हुए भी इंसान एआई पर आंख मूंदकर भरोसा कर रहे हैं और उसकी आभासी दुनिया में गोते लगा रहे हैं। शहर-देहात के कितने ही युवाओं के मनोरोगी बन जाने के पीछे हैरान कर देने वाली कुछ ऐसी ही कहानी सामने आई है।

एआई के साथ चैटिंग में घंटों बिताने वाले कई नौजवानों की हालत देख परिवारों को स्वास्थ्य विभाग के मनो सेंटर की मदद तक लेनी पड़ी है। मनोचिकित्सकों के अनुसार, बड़े शहरों में ही नहीं, कस्बाई और ग्रामीण इलाकों में जैसे-जैसे एआई का चलन बढ़ रहा है, इसके कई गलत प्रभाव भी सामने आ रहे हैं। छोटे जगहों के युवा भी ब्रेकअप, परीक्षा में नाकामी और ऐसी दूसरी चिंताओं के चलते इमोशनल एआई चैटबॉट्स का सहारा ले रहे हैं। बरेली में यह ट्रेंड बढ़ रहा है तो मनोचिकित्सकों के पास युवाओं की संख्या भी बढ़ रही है। जिला अस्पताल के मनोचिकित्सक एवं मन कक्ष के प्रभारी डॉ आशीष सिंह ने 'अमृत विचार' को बताया कि इमोशनल एआई यूजर को वही जवाब देता है, जो वह सुनना चाहता है। ऐसे में युवा सही-गलत का आकलन किए बिना एआई की बातों को पूरी तरह सही मानने लगते हैं। सेंटर पर पहुंचे कई मामलों में देखा गया है कि एआई खुद ही बातचीत को आगे बढ़ाता है और भावुकता में यूजर उस पर निर्भर होते जाते हैं। यह स्थिति खतरनाक है।

जायसवाल ब्रदर्स की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

सहारनपुर डीएम के आदेश पर बरेली प्रशासन ने मनोज जायसवाल, भाई नीरज सहित तीन पर कसा शिकंजा

कार्यालय संवाददाता, बरेली

• सहारनपुर की टपरी डिस्टरली में पकड़ी गई थी टैक्स चोरी

• गैंग लीडर प्रणय अनेजा सहित कई पर लगा था गैंगस्टर

अमृत विचार: सहारनपुर की टपरी डिस्टलरी में करोड़ों की टैक्स चोरी, मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध धन अर्जित करने के मामले में बड़ा एक्शन देखने को मिला है। सहारनपुर डीएम की ओर से गैंगस्टर एक्ट में संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी किए गए थे। जिसके बाद बरेली प्रशासन ने तहसील टीम भेजकर आरोपी मनोज जायसवाल, भाई नीरज जायसवाल व साथी अजय जायसवाल की करीब 48.49 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क कर लीं हैं।

टपरी डिस्टलरी कांड में सहारनपुर पुलिस ने प्रणय अनेजा सहित बरेली के ग्रीन पार्क निवासी मनोज जायसवाल, भाई नीरज जायसवाल, थाना भमौरा क्षेत्र के ग्राम बल्लिया के रहने वाले एवं हाल में बन्नूवाल कालोनी, इज्जतनगर रहने वाले अजय जायसवाल सहित 27 लोगों के खिलाफ गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम (गैंगस्टर एक्ट) के तहत कार्रवाई की थी। सहारनपुर डीएम ने गिरोह के सदस्यों की संपत्ति कुर्क करने के आदेश जारी किए थे। उसी क्रम में डीएम अविनाश सिंह ने आरोपियों की संपत्ति को कुर्क करने के लिए अपर नगर मजिस्ट्रेट प्रथम को प्रशासक नामित कर प्रकरण में अग्रिम कार्रवाई करने के निर्देश दिये।

शुक्रवार को एसीएम प्रथम के नेतृत्व में राजस्व एवं थाना बारादरी की टीम के साथ हरुनगला स्थित कृषि भूमि रकबा 948 वर्गमीटर भूमि (बाजार कीमत 18012000 रुपये), आवासीय प्लाट रकबा 84.44 वर्गमीटर भूमि ग्राम हरुनगला (बाजार कीमत 2910000 रुपये) आवासीय प्लाट रकबा 86.95 वर्गमीटर भूमि (बाजार कीमत 30 लाख), व्यवसायिक भूखंड रकबा 3932.45 वर्गमीटर भूमि, योजना संख्या 7 सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत रोड पर (बाजार कीमत 461030000 रुपये) की संपत्ति कुर्क कर ली। जिसे प्रभारी निरीक्षक थाना बारादरी की सुपुर्दगी में दे दिया गया।

बता दें कि 2021 में को-ऑपरेटिव कम्पनी लिमिटेड, टपरी (सहारनपुर) में टैक्स चोरी करने का सौ करोड़ से ज्यादा का घोटाला सामने आया था। इसमें एमडी गैंग लीडर प्रणय अनेजा ने मनोज जायसवाल, नीरज जायसवाल, अजय जायसवाल, अरविंद कुमार, अशोक दीक्षित के साथ गिरोह बनाकर टपरी में सरकार को राजस्व की भारी क्षति पहुंचाई थी।

अभिलेखों में फर्जीवाड़ा कर जीपीएस, सीसीटीवी उपकरणों में छेड़छाड़ कर बड़ी मात्रा में एक्साइज, जीएसटी एवं आयकर की चोरी कर मनी लॉड्रिंग आदि अवैध कार्यों से अवैध धन अर्जित कर चल व अचल संपत्तियां खरीदीं थीं।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए, निविदा पत्र में अंकित योग्यता मापदण्डों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का संक्षित विवरण** : यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में MS और SS (BOX & BCN, BRN, BVZI और BVCM ग्रुप) वैगनों की बॉडी की मरम्मत और पेंटिंग का काम 03 वर्षो की अवधि के लिए (कार्य के दायरे के अनुसार) **अनुमानित मूल्य (रु. में)** : 257074203.29 (रुपये पच्चीस करोड़ सत्तर लाख चौहतर हजार दो सौ तीन एवं उनतीस पैसे मात्र) **जमानत राशि (रु. में)**: 5141500.00 (दो इक्यावन लाख इकतालीस हजार पांच सौ रूपये मात्र) **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)**: शून्य **कार्य अवधि** : तीन वर्ष। **निविदा खुलने की तिथि व समय** : दिनांक 22.04.2026 को 15.30 बजे। नोटः– 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 01.04.2026 से वेबसाइट **www.ireps.gov.in.** पर टेंडर खुलने की तिथि 22.04.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत C.C.A द्वारा जारी क्लास–III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ ireps की वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. ई–निविदा हेतु धरोहर राशि ई–भुगतान नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी।

उप मुयांइ प्लांट इज्ज़तनगर

मुजाधि / यांत्रिक–02

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 14/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से ''खुली'' निविदा आमंत्रित करते हैः–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरणः चौबेपुर डिपो में ट्रैक बैलास्ट के लिये निजी खदान से अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. स्पेसीफिकेशन आई.आर.एस.-जी.ई.-1 (फरवरी-2023) के अनुसार मशीन से तोड़ी गई पत्थर गिट्टी (55000 घन मीटर) की रेलवे वैगनों में आपूर्ति एवं लदाई। अनुमानित लागत रूपयों मेंः ₹ 7,40,37,150/-, बयाना राशि रूपयों मेंः ₹ 14,80,800/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 06 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 24-04-2026 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।

(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट *www.ireps.gov.in* पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.), इज्जतनगर

मुजाधि / डब्लू-04

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पब्लिक नोटिस

मेरे मुवक्किल पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी सुभाष चन्द्र सक्सेना निवासी मकान नं. 48/5 गनेशपुरम बरेली की है वह एक किता प्लाट जो कि प्लाट नं. 50 का भाग है रकवा 83.61 वर्गमी ग्राम हरूनगला पवन बिहार तहसील व जिला बरेली में स्थित है जो खरीदने हेतु मेरे मुवक्किल से ऋण ले रहे है। उपरोक्त प्लाट मोहित गर्ग पुत्र स्व. विजय कुमार गर्ग द्वारा विक्रय किया जा रहा है।

अतः इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति/संस्था/बैंक अथवा खतौनी के अन्य सहखातेदार इसराईल खां को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के अन्दर समस्त दस्तावेजों के साथ मेरे या पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली के कार्यालय में प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त काल में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है तो यह मानते हुये कि इस विषय में कोई आपत्ति किसी व्यक्ति को नहीं है उक्त ऋण श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी सुभाष चन्द्र सक्सेना निवासी मकान नं. 48/5 गनेशपुरम बरेली को प्रदान कर दिया जायेगा।

प्रफुल्ल अग्रवाल एडवोकेट
पैनल एडवोकेट पी.एन.बी. हाउसिंग शाखा बरेली
223 बांस मण्डी, निकट शील नर्सिंग होम बरेली। मो. 7017462341, 8899909663

हिमाचल हैंडबॉल चैम्पियन, यूपी ने भी जीता दिल

बरेली, अमृत विचार : बरेली की मेजबानी में आयोजित 54 वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के फाइनल में शुक्रवार को हिमाचल प्रदेश और यूपी के बीच जोरदार मुकाबला देखने को मिला। संघर्षपूर्ण मैच में पूर्व चैम्पियन हिमाचल की टीम ने यूपी को 19–11 के स्कोर से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम कर लिया। पहले दिन से यूपी की बेटियों ने भी दिल जीते हालांकि फाइनल में टीम जीत से दूर रही।

बिना लाइसेंस संचालित छह स्पा सेंटर पर डाले ताले, दो पकड़े

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

• शहर में नगर मजिस्ट्रेट ने पुलिस टीम के साथ की छापेमारी

अमृत विचारः शहर के सिविल लाइंस क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित स्पा सेंटरों के खिलाफ जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने शुक्रवार को छापेमारी करते हुए कड़ी कार्रवाई की है। इसमें बिना एनओसी व बिना लाइसेंस के संचालित छह स्पा सेंटर को बंद कर दिए हैं। जबकि दो संचालकों पर कानूनी कार्रवाई करते हुए कोर्ट में पेश किया गया।

शुक्रवार दोपहर करीब ढाई बजे सिविल लाइंस क्षेत्र में नगर मजिस्ट्रेट सालिक राम के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम ने आधा दर्जन स्पा सेंटरों पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान नगर पालिका परिषद, फायर विभाग, मिशन शक्ति टीम और सिविल लाइंस थाना पुलिस भी मौजूद रही।

जांच में पाया कि इन स्पा सेंटरों के पास नगर पालिका की अनुमति और फायर विभाग की अनिवार्य एनओसी नहीं थी। इसके अतिरिक्त, अन्य आवश्यक अनुज्ञप्तियां भी अनुपस्थित मिलीं। सुरक्षा मानकों की अनदेखी और नियमों के गंभीर उल्लंघन के कारण प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से सभी स्पा सेंटरों का संचालन बंद करा दिया। इनमें गन्ना सोसाइटी, शौकत अली रोड स्थित मान रोज थैरेपी स्पा, आवास विकास स्थित गोल्ड क्लासिक स्पा एंड सैलून, फ्रेंड्स कॉलोनी और शौकत अली रोड स्थित गोल्ड हैंड स्पा सेंटर, मुर्तजा रोड स्थित मैंगो स्पा सेंटर और एलआईसी रोड स्थित प्रियंका लीफ स्पा पार्लर शामिल हैं। इस कार्रवाई के बाद अन्य इलाकों में संचालित स्पा सेंटर संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। मामले में जिला अमरोहा निवासी बछरायूं थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी हिमांशु और मुरादाबाद थाना मझोला मलगद्दा गांव निवासी सागर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, उसके बाद जेल भेज दिया। मामले में पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने बताया कि मामले में दो आरोपियों पर कार्रवाई की गई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत अभयपुर केशोपुर विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी–जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान – मौसर खान | सचिव– जितेन्द्र गंगवार

कार्यालय ग्राम पंचायत करमपुर चौधरी विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी–जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान – जाबिर अली | सचिव– जितेन्द्र गंगवार

कार्यालय ग्राम पंचायत कासमपुर विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी–जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान – शादाब खान | सचिव– जितेन्द्र गंगवार

कार्यालय ग्राम पंचायत रम्पुरा माफी विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी–जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान – नूरूल हसन खान | सचिव– जितेन्द्र गंगवार

कार्यालय ग्राम पंचायत दोहना पीतम राय विकास खंड भोजीपुरा (बरेली)

निविदा सूचना

समस्त पंजीकृत फर्मो एवं सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत की कार्य योजना के अनुसार वर्ष 2026–27 में पन्द्रहवां वित्त/राज्य वित्त/वीबी–जी राम जी योजना/एस एल डब्ल्यू एम, एस बी एम, ओ एस आर, तथा आई सी डी एस आदि से निर्माण कार्य, सी.सी रोड, नव नाली निर्माण/मरम्मत,खडंजा नव निर्माण/मरम्मत, मिट्टी कार्य, फर्नीचर, दरी, एल.ई.डी लाईटें स्थापना/ अनुरक्षण हैण्ड पम्प रिवोर/अनुरक्षण, ह्यूम पाइप क्रय, वॉल पेंटिंग कार्य, सामुदायिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, सामुदायिक शौचालय वॉल पेंटिंग, आंगनवाड़ी शौचालय निर्माण/मरम्मत, सोलर लाईट, पशु शेड, शोक पिट, सार्वजनिक शौचालय निर्माण/मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल निर्माण/मरम्मत, वृक्षारोपण, आंगनवाडी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल कायाकल्प, वाटर हार्वेस्टिंग, पानी की टंकी का निर्माण, पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल का निर्माण/मरम्मत आंगनवाड़ी भवन निर्माण/मरम्मत, स्कूल बाउंड्रीवाल/मरम्मत, ई रिक्शा क्रय/मरम्मत, पंचायत भवन निर्माण/मरम्मत, सूचना बोर्ड की स्थापना, सफाई ठेली क्रय/मरम्मत,गोआश्रय स्थल निर्माण/मरम्मत, जन सेवा केंद्र (सीएससी) का निर्माण/मरम्मत, खाद के पक्के गड्ढों का निर्माण, पंचायत भवन हेतु डेस्कटाप, कंप्यूटर, लेजर प्रिंटर, डबल बैटरी/ सोलर पैनल, सी सी टीवी कैमरा, पंचायत भवन में अन्य अनुरक्षण कार्य, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण क्रय,अन्नपूर्णा (खाद्यान्न) भवन निर्माण, अन्य कार्य अनुरक्षण सहित कराए जाने हैं। उक्त वर्णित कार्यो के लिए सामग्री क्रय हेतु ईट, रोड़ा, सीमेंट, मोरंग, रेत,बजरी लोहा, टाइल, पाइप, टोंटी, स्टेशनरी, पटान हेतु मिट्टी /राख सैनेटाईजिंग, फागिंग कार्य, स्प्रे मशीन, सफाई किट आदि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए सील बंद निविदाएँ ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं जिन्हें उसी दिनांक 07.04.2026 को अपरान्ह 04:00 बजे निविदादाता अथवा उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएंगी। निविदा को स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। कार्य योजना/कार्यो का विवरण ग्राम पंचायत से निविदा प्राप्त करते समय प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधान – अफरोज | सचिव– जितेन्द्र गंगवार

कार्यालय कैन्टीन ठेका नीलामी समिति/अपर जिला जज, जनपद न्यायालय, शाहजहाँपुर

कैन्टीन (जनपद न्यायालय शाहजहाँपुर) के ठेका सम्बन्धी सूचना एवं शर्तें प्रकाशन एवं नोटिस बोर्ड पर चस्पा हेतु

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद न्यायालय शाहजहाँपुर में चाय, नमकीन, मिठाई आदि की दुकान कैन्टीन पश्चिमी गेट के ठेके वर्ष 2026–2027 जो कैण्टीन ठेका प्रारम्भ होने की दिनांक से प्रभावी होगा, के लिये दिनांक **08.04.2026** को समय दोपहर 12:00 बजे नजारत, जनपद न्यायालय शाहजहाँपुर के **नजारत कार्यालय मोहरबन्द निविदायें आमन्त्रित** की जाती हैं। ठेके की शर्तो की जानकारी प्राप्त करने हेतु नजारत, जनपद न्यायालय, शाहजहाँपुर के कार्यालय में सम्पर्क करें।

1. वर्ष 2024–2025 में कैन्टीन पश्चिमी गेट का ठेका रु0 20000/– मात्र में स्वीकृत हुआ था। वर्ष 2025–2026 में कैण्टीन ठेका नहीं हो सका, अतः वर्ष 2026–2027 के लिये उक्त धनराशि में न्यूनतम 10 प्रतिशत की धनराशि जोड़ते हुए ही अर्थात रु0 605000/– मात्र का अनुमन्य होगा।
2. निविदाकर्ता को निविदाप्रपत्र जमा करते समय जमानत धनराशि मु0 50000.00 जमा करने पर ही निविदा प्रपत्र मान्य होगा। सबसे अधिक निविदा वाले को जमानत धनराशि के रूप में रुपया 50000 /– एफ0डी0आर0 जमानत राशि तथा अपनी निविदा का 1/4 भाग उसी समय नजारत में जमा करना होगा तथा शेष धनराशि निविदा स्वीकृत होते ही तत्काल जमा करनी होगी। जिला जज, शाहजहाँपुर को यह अधिकार होगा कि वह बिना कारण बताये किसी भी निविदा को अस्वीकार कर दें।
3. यदि ठेका स्वीकार होने पर 1/4 धनराशि जमा करने में यदि कोई शिथिलता पाई गई तो उक्त ठेका जिला जज महोदय द्वारा रद्द किया जा सकता है और जमानत राशि जब्त कर द्वितीय बोली दाता के पक्ष में ठेका स्वीकृत किया जा सकता है अथवा माननीय जनपद न्यायाधीश के आदेशो के अधीन पुनः ठेका निविदा आमंत्रित की जा सकती है तथा पुनः निविदा करने पर कमी अन्तर की वसूली भू–राजस्व की भांति प्रथम निविदा दाता से वसूल की जायेगी।
4. ठेका स्वीकार होने पर यदि ठेकेदार ठेके की राशि जमा करने में असमर्थता/असफलता प्रकट करता है तथा धनराशि जमा नहीं करता है तो उससे वांछित धनराशि भू–राजस्व वसूली के रुप में की जायेगी।
5. जिला जज अथवा उनके द्वारा निर्देशित अधिकारी को यह अधिकार होगा कि वह ठेकेदार की हैसियत, पूर्व इतिहास (यदि कोई हो) तथा उसके चरित्र आदि को ध्यान में रखकर बोली स्वीकार करें। सरकारी बकायेदारों को निविदा का अधिकार नहीं होगा।
6. माल सामग्री के भाव मूल्य सूची जनपद न्यायाधीश के आदेश के अनुसार होगी तथा माल की सूची कैण्टीन में लगाना अनिवार्य होगी।
7. जिला जज अथवा उनके द्वारा निर्देशित अधिकारी को दुकान का समय–समय पर निरीक्षण करने का अधिकार होगा। निरीक्षण के दौरान माननीय जिला जज अथवा उनके द्वारा निर्देशित अधिकारी सफाई आदि की व्यवस्था को लेकर जो निर्देश देगें, उनका अनुपालन ठेकेदार करेगा। उक्त अनुपालन न होने पर ठेका रद्द किया जा सकता है। यदि खाने पीने वाली वस्तुयें खराब पाई गई तो कुल ऐसे माल को नष्ट करने का अधिकार माननीय जिला जज अथवा उनके द्वारा निर्देशित अधिकारी को होगा।
8. जिस व्यक्ति के नाम ठेका स्वीकार होगा केवल वही ठेकेदार ठेका चलायेगा, अपनी ओर से किसी और व्यक्ति को ठेका संचालन करने का अधिकार बिना जिला जज के पूर्व आदेश प्राप्त किये नहीं देगा।
9. जनपद न्यायालय में कार्यरत कर्मचारियों को ठेकेदार को ठेके की समस्त वस्तुओं की क्रय पर 15 प्रतिशत की छूट देनी होगी।
10. ठेकेदार की दुकान पर सफाई एवं बिक्री वाली वस्तुओं को गन्दगी से बंचाने की समस्त व्यवस्था करनी होगी तथा ऐसा न करने पर ठेका रद्द किया जा सकता है।
11. शासन अथवा नगर निगम द्वारा सम्बन्धित कैन्टीन पर यदि कोई कर निर्धारित किया जाता है तो उसकी अदायगी का उत्तरदायित्व सम्बन्धित ठेकेदार का ही होगा।
12. ठेकेदार पकवान बनाने में ऐसे घी/रिफाइण्ड का प्रयोग करेगा जो स्वास्थ्य के लिये लाभदायक हो। ठेकेदार पान पुड़िया आदि की बिक्री कैण्टीन में नहीं करेगा, पकड़े जाने पर अर्थदण्ड से दण्डित किया जायेगा।
13. दिनांक 01.04.2027 से कैन्टीन पर किसी माल की बिक्री नहीं होगी तथा ठेकेदार को कैन्टीन खाली करना होगा।
14. ठेकेदार अपनी भट्टी आदि ऐसी जगह पर नहीं लगायेगा, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो।
15. शर्तो के सम्बन्ध में कोई विवाद होने पर जिला जज का निर्णय अंतिम होगा और निर्णय के विरुद्ध ठेकेदार को किसी प्रकार का दावा करने का अधिकार नहीं होगा। इसके अतिरिक्त यदि कोई और शर्ते आवश्यक समझी गई तो ठेके की निविदा के समय बताई जायेगीं। ठेका किसी ऐसे व्यक्ति के नाम स्वीकार नहीं किया जायेगा जिससे जजी प्रांगण में बैठने से वातावरण दूषित होने की सम्भावना हो।
16. जनपद न्यायालय परिसर के बाहर होटल व चाय आदि के खोखे खोले जाने तथा बाहरी वेण्डर द्वारा परिसर में चाय बेचने से ठेकेदार को किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति की मांग करने का अधिकार नहीं होगा।
17. ठेकेदार को विद्युत कनेक्शन का बिल प्रतिमाह जमा करना अनिवार्य होगा, शिथिलता पाये जाने पर रिकवरी की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।
18. ठेके की निविदा से पूर्व निविदाकर्ताओं को अपना आई0डी0 प्रूफ तथा निवास प्रमाण–पत्र कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा।

उक्त सभी शर्ते पूर्ण रूप से मान्य होंगी, अन्यथा की कोई भी स्थिति अमल में नहीं लायी जायेगी।

(प्रियंका सिंह)	(अभय प्रताप सिंह प्रथम)	(आशीष वर्मा)
सदस्य	सदस्य	अध्यक्ष
कैन्टीन ठेका नीलामी समिति/ सिविल जज सी0डि0	कैन्टीन ठेका नीलामी समिति/ अपर जिला जज	कैन्टीन ठेका नीलामी समिति/ अपर जिला जज
जनपद न्यायालय, शाहजहाँपुर	जनपद न्यायालय, शाहजहाँपुर	जनपद न्यायालय, शाहजहाँपुर

UP-249170 दिनांक 02.04.2026 **विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।**

न्यायालय परगनाधिकारी, बीसलपुर (पीलीभीत)

वाद संख्या– टी–202412560213676

विश्वजीत सिंह प्रजापति आदि

बनाम दमयन्ती देवी आदि

धारा– 116 उ.प्र. राजस्व संहिता 2006

ग्राम– खमरिया नवदिया

परगना व तहसील बीसलपुर (पीलीभीत)

सम्मन तलबाना

1. दमयन्ती देवी पत्नी बनवारीलाल निवासी मोहल्ला दुर्गाप्रसाद, परगना व तहसील बीसलपुर जिला पीलीभीत ....प्रतिवादिनी

वाजै हो आपके खिलाफ नालिश दफा अंतर्गत धारा 116 उ.प्र. राजस्व संहिता ग्राम खमरिया नवदिया, परगना व तहसील बीसलपुर जनपद पीलीभीत दायर की है। अतः आप बतारीख 08 माह 04 सन् 2026 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या अन्य कोई शख्स जो वाकिफ हाल मुकदमा हो उक्त तारीख पर अपना जवाबदेही पेश करो यह आपको लाजिम है कि उसी रोज अपने जुमला गवाहों की व नीज दस्तावेज जिसकी शहादत पर आप व ताईद अपना जवाबदेही इस्तदमाल करना चाहते हो पेश करो अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो उसकी समात आपकी गैर हाजिरी में आपके मसमूअ फैसला होगा। मेरे दस्तखत व मोहर दिनांक 30.03.2026 को अदालत से जारी किया।

इज्जतनगर रेल मंडल ने भरी उड़ान

राजस्व और यात्रियों में बनाया कीर्तिमान

बरेली कार्यालय,अमृत विचारः पूर्वोत्तर रेलवे का इज्जतनगर मंडल ने राजस्व और यात्रियों की संख्या व सुविधाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। डीआरएम कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित प्रेसवार्ता में एडीआरएम और सीनियर डीसीएम ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के जो आंकड़े पेश किए, वह मंडल की बदलती तस्वीर की तस्दीक करते हैं।

अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) मनोज कुमार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की इज्जतनगर मंडल की ऐतिहासिक उपलब्धियां साझा करते हुए बताया कि मंडल ने इस वर्ष न केवल अपनी अखिल भारतीय रैंकिंग में सुधार किया है, बल्कि आय के नए रिकॉर्ड भी स्थापित किए हैं। अखिल भारतीय स्तर पर मंडल ने 9वां स्थान हासिल किया है, जो वर्ष 2019 के बाद से अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। समयबद्धता के कारण मंडल ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सीनियर डीसीएम संजीव कुमार ने बताया कि मंडल का राजस्व बढ़कर 560.19 करोड़ तक पहुंच गया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 3.81 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष कुल 6.9 करोड़ (69 मिलियन) यात्रियों ने सेवाओं का लाभ उठाया। यात्री आय में भी 4.35 प्रतिशत के उछाल से यह 365.46 करोड़ के पार पहुंच गई है। माल ढुलाई से मंडल को 161.66 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है, जबकि बिना टिकट यात्रा में 20.03 करोड़ वसूले गए।

कार्यालय जिलाधिकारी/लाइसेंस प्राधिकारी, पीलीभीत

पत्रांकः 18/जि.आ.अधि./पीलीभीत/व्यवस्थापन 2026–27/ दिनांकः 03.04.2026

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है जनपद पीलीभीत में प्रथम चरण के आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन के उपरान्त अव्यवस्थित देशी शराब दुकान क्रमशः (1. सिसैइया 2. नकटिया 3. प्रानपुर 4. बरखेड़ा (पुरानी यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया से 100 मीटर की परिधि में 5. मुडैला मोड़ 6. बीसलपुर नं.–6 (गोवल से 200 मीटर की परिधि में) को दैनिक आधार पर संचालित करने हेतु आफर आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक व्यक्ति दिनांक 04.04.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक अपना टेण्डर/आफर जिला आबकारी अधिकारी, पीलीभीत कार्यालय में दे सकते हैं। देशी शराब की फुटकर बिक्री की दैनिक बेसिक लाइसेंस फीस एवं लाइसेंस फीस (प्रतिफल फीस) दुकान हेतु निर्धारित वार्षिक बेसिक लाइसेंस फीस एवं लाइसेंस फीस (प्रतिफल फीस) का 1/365 भाग लिया जायेगा। दुकान के दैनिक संचालन की अवधि 14 दिन या नियमित व्यवस्थापन का दिनांक जो भी पहले हो के लिये होगी, विस्तृत जानकारी हेतु जिला आबकारी अधिकारी, पीलीभत कार्यालय में सम्पर्क कर जनपद की वेबसाइट www.pilibhit.nic.in पर प्राप्त कर सकते हैं। यदि दो या दो से अधिक समान अधिकतम टेण्डर/आफर प्राप्त होता है, तो मैनुअल लाटरी के माध्यम से ऐसे समान ई–टेण्डर/आफर में से एक चुनकर व्यवस्थापन कराया जायेगा।

कल्पनाथ रजक	ज्ञानेन्द्र सिंह
जिला आबकारी अधिकारी	जिलाधिकारी
पीलीभीत	पीलीभीत

समाचार पत्र पंजीयन (केन्द्रीय), कानून 1956 आठवें नियम के अन्तर्गत अपेक्षित 'अमृत विचार' बरेली नामक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र से संबंधित स्वामित्व और अन्य बातों का ब्यौरा

प्रपत्र–4

1.	प्रकाशक का स्थान	: बरेली
2.	प्रकाशन की अवधि	: दैनिक
3.	मुद्रक का नाम	: हरि ओम गुप्ता
	क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
	पता	: 35, राधा कुंज, फेज–1, निकट ग्रीन पार्क, बरेली
4.	प्रकाशक का नाम	: हरि ओम गुप्ता
	क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
	पता	: 35, राधा कुंज, फेज–1, निकट ग्रीन पार्क, बरेली (उ.प्र.)– 243006
5.	सम्पादक का नाम	: राजेश श्रीनेत
	क्या भारत के नागरिक हैं	: हां
	पता	: 3/332, विश्वास खंड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.)– 226010
6.	उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक के साझेदार या हिस्सेदार हों।	: 1. डॉ. वरूण अग्रवाल 2. डॉ. अर्जुन अग्रवाल रोहिलखंड इन्टरप्राइजेज, बरेली

मैं हरिओम गुप्ता एतद्द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार दिए गए विवरण सत्य है।

तारीख : 4 अप्रैल 2026

हस्ताक्षर
हरिओम गुप्ता
मुद्रक / प्रकाशक

पॉक्सो केस में पीड़िता बयान से मुकरी, आरोपी बरी

बरेली, अमृत विचारः 10 वर्ष पूर्व किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने, अपमानित करने, उकसाने व एससी एक्ट, पॉक्सो एक्ट के आरोपी थाना भुता क्षेत्र निवासी एक युवक को पीड़िता के अदालत में मुकर जाने के कारण स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट कोर्ट-1 हेमेन्द्र कुमार सिंह ने संदेह का लाभ प्रदान करते हुए बरी कर दिया।

पीड़िता के पिता ने थाना भुता में तहरीर देकर बताया था कि उसकी साढ़े सोलह वर्ष की पुत्री को 12 जून 2016 की देर रात घर से गांव का ही एक युवक बहला फुसलाकर ले गया। पुत्री घर से जेवर व 30 हजार नगदी लेकर गयी । पुलिस ने आरोपी युवक समेत 5 के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना उपरांत केवल युवक के विरुद्ध ही आरोप पत्र कोर्ट भेजा था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीडिता ने अपने बयान में कहा कि वह मुल्जिम से प्यार करती थी। इसी बजह से एक दिन मम्मी ने पीटा तो वह घर से नाराज होकर रिश्तेदारी में चली गयी थी। प्रेमी के साथ नहीं गयी थी न ही प्रेमी ने उसके साथ कोई गलत काम किया था। सैटेलाइट बस स्टैंड के पास रिश्तेदारी में जाने के लिए बस का इंतजार कर रही थी तभी पुलिस ने उसे पकड़ लिया। मुल्जिम द्वारा ले जाने का बयान पुलिस वालों के कहने से दिया था। अभियोजन ने 6 गवाह पेश किये थे।

ऑनलाइन गेम के शौकीन ने फंदा लगाकर दी जान

संभल/चंदौसी, अमृत विचारः जनपद संभल में बनियाठेर थाना क्षेत्र के गांव जनेटा में 17 वर्षीय किशोर ने फंदे पर लटक कर जान दे दी। गांव जनेटा निवासी मोहम्मद हसनैन (17) पुत्र इमामी चंदौसी कस्बे में एक हेयर कटिंग सैलून पर कार्य करता था। परिजनों के अनुसार हसनैन मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलने का शौकीन था। वह बीते कुछ दिनों से मानसिक तनाव में भी चल रहा था। गुरुवार रात किसी समय हसनैन ने घर के कमरे में गमछे से फंदा बनाकर उससे लटक कर आत्महत्या कर ली। जानकारी शुक्रवार सुबह उस समय हुई जब उसके साथ सैलून पर काम करने वाला अरशद उसे लेने घर पहुंचा, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। तब उसने अंदर झांकर देखा। सुराख से अंदर झांककर देखा तो हसनैन फंदे पर लटका हुआ दिखाई दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाया।

हसनैन के माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्य चंडीगढ़ गए हुए थे। राज मिस्त्री का काम करने वाले बड़े भाई को काम के दौरान चोट लग गई थी, जिसे देखने के लिए परिजन वहां गए थे।

न्यूज ब्रीफ

स्कूल चलो अभियान की आज वाराणसी से शुरुआत करेंगे योगी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को वाराणसी के कंपोजिट विद्यालय शिवपुर से स्कूल चलो अभियान का भव्य शुभारंभ करेंगे। नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए चलाए जा रहे इस अभियान का पहला चरण 1 से 15 अप्रैल तक और दूसरा चरण 1 से 15 जुलाई तक आयोजित होगा। अभियान के तहत नामांकन बढ़ाने, बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें और बैग वितरित करने तथा जन जागरूकता फैलाने पर विशेष जोर रहेगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन और मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के साथ ही सभी जिलों में जिलाधिकारियों की अध्यक्षता में आयोजन होंगे, जिनमें जनप्रतिनिधि, शिक्षक, अभिभावक और छात्र भाग लेंगे। विद्यालयों में रैलियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित कर इसे जन आंदोलन का रूप देने का प्रयास किया जाएगा।

सराफा डकैती कांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : मऊ जिले में सराफा व्यवसायी से गन प्वाइंट पर हुई डकैती के मामले में फरार चल रहे एक और आरोपी को यूपी एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शुभम सिंह को हजरतगंज स्थित चिड़ियाघर के पास से पकड़ा गया। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। इस मामले में पुलिस पहले ही नौ आरोपियों को जेल भेज चुकी है। डीएसपी एसटीएफ शैलेश प्रताप सिंह के मुताबिक, 13 जनवरी को मऊ के पिढ़बल क्षेत्र में दुकान बंद कर घर लौट रहे व्यापारी जितेंद्र वर्मा को कोपागंज के टड़ियाव इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने असलहे के बल पर लूट लिया था। बदमाश बैग में रखे करीब 5 किलोग्राम चांदी और 150 ग्राम सोने के जेवर लेकर फरार हो गए थे। एसटीएफ की कार्रवाई में 3 अप्रैल को शुभम सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने बताया कि वारदात को उसने अपने साथी विशाल के साथ मिलकर अंजाम दिया था। लूट के बाद मोनू यादव ने जेवर बेचकर उसे रकम दी थी।

50 हजार का इनामी डकैत गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : एसटीएफ ने डकैती और लूट के मामलों में फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश शिवम सिंह उर्फ आर्यन को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को बस्ती के छावनी क्षेत्र से अमौनी नहर के पास घेराबंदी कर दबोचा गया। उसे अयोध्या के बीकापुर थाने में दर्ज मामले में कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के अनुसार, शिवम सिंह बस्ती के परशुरामपुर का रहने वाला है और लंबे समय से फरार चल रहा था। सूचना मिलने पर टीम ने कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसका एक संगठित गिरोह है, जो अपहरण, फिरौती, डकैती और लूट जैसी वारदातों को अंजाम देता है। उसने स्वीकार किया कि वर्ष 2022 में गोंडा के छपिया क्षेत्र में एक व्यापारी के अपहरण में वह शामिल था। इस मामले में वह पहले जेल भी जा चुका है। एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी ने सितंबर 2025 में अयोध्या के बीकापुर क्षेत्र में एक बाइक सवार से लूट की वारदात भी की थी, जिसके बाद से वह लगातार ठिकाने बदलकर फरार चल रहा था।

सरकार की पहल से बदली कीर्ति की जिंदगी

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार की योजनाएं ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला रही हैं। हमीरपुर की कीर्ति सिंह इसकी सशक्त मिसाल हैं। वर्ष 2018 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट बना, जिसके बाद उन्होंने आर्थिक आत्मनिर्भरता की राह पकड़ ली। अगस्त 2025 में कीर्ति ने 10 महिलाओं के साथ मिलकर दरियापुर स्थित जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय में "प्रेरणा कैंटीन" की शुरुआत की। करीब 11 लाख रुपये के निवेश से शुरू हुआ यह प्रयास आज 1.25 करोड़ रुपये के टर्नओवर वाला सफल मॉडल बन चुका है। वर्तमान में 8 महिलाओं को इससे रोजगार मिला है और प्रत्येक को लगभग 8,000 रुपये मासिक आय प्राप्त हो रही है। कैंटीन में 300 से अधिक बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है।

राजकीय महाविद्यालयों को प्रदेश सरकार ने भेजे 7,938 करोड़ रुपये

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 73 महाविद्यालयों के लिए वित्तीय स्वीकृति, 31 मार्च 2027 तक धनराशि खर्च करने के निर्देश
- उच्च शिक्षा को बड़ा बजट बूस्ट वेतन से इंफ्रास्ट्रक्चर तक खर्च की पूरी व्यवस्था

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने उच्च शिक्षा क्षेत्र को बड़ा वित्तीय संबल देते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 73 राजकीय महाविद्यालयों के लिए 7,938.89 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। यह धनराशि वेतन से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर तक पर खर्च की जाएगी।

उच्च शिक्षा के विशेष सचिव गिरिजेश कुमार त्यागी ने शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि स्वीकृत धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा के नियंत्रण में रहेगी। सबसे अधिक 4,456 करोड़ रुपये वेतन मद में दिए गए हैं, जबकि 2,896 करोड़ रुपये महंगाई भत्ते के लिए स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा बिजली, अनुरक्षण, चिकित्सा, कार्यालय व्यय और कंप्यूटर समेत अन्य आवश्यक मदों के लिए भी अलग-अलग बजट का प्रावधान किया गया है।

सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस राशि का उपयोग 31 मार्च 2027 तक अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। खर्च वित्तीय नियमों और शासनादेशों के अनुरूप ही किया जाएगा। शासनादेश में यह भी कहा गया है कि धनराशि का आहरण आवश्यकता के अनुसार हर माह किया जाएगा, जिससे योजनाओं के क्रियान्वयन में बाधा न आए।

'गेट' पैटर्न पर होगी यूपीपीसीबी भर्ती परीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 27 अप्रैल को 15 शहरों में होगी सीबीटी, आईआईटी कानपुर कराएगा परीक्षा
- बायोमेट्रिक सुरक्षा के साथ 40 पदों पर भर्ती, 70 अंकों का होगा साक्षात्कार

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) ने भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए इसे गेट की तर्ज पर कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) से कराने का फैसला किया है। इस परीक्षा का आयोजन आईआईटी कानपुर द्वारा 27 अप्रैल को प्रदेश के 15 शहरों में किया जाएगा।

यह परीक्षा पर्यावरण अभियंता और सहायक वैज्ञानिक अधिकारी के कुल 40 पदों के लिए होगी। दो घंटे की इस परीक्षा में कुल 400 अंक निर्धारित किए गए हैं। इसके लिए करीब 6500 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। बोर्ड पहली बार लिखित परीक्षा के माध्यम से भर्ती कर रहा है, जबकि पहले केवल साक्षात्कार के आधार पर चयन होता था। नई चयन प्रक्रिया दो चरणों में होगी। पहले चरण में सीबीटी होगी और इसके बाद 70 अंकों का साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। अंतिम मेरिट सूची 470 अंकों के आधार पर तैयार की जाएगी, जिससे चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी बनाया जा सके।

परीक्षा में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक पहचान की जाएगी, जिसमें फिंगरप्रिंट स्कैन और लाइव फोटो कैप्चर शामिल है। इन आंकड़ों का मिलान एडमिट कार्ड और आवेदन पत्र से किया जाएगा, ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या फर्जीवाड़ा रोका जा सके।

बोर्ड ने अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि वे परीक्षा में वही पहचान पत्र लेकर आएं, जो उन्होंने आवेदन के समय इस्तेमाल किया था, ताकि सत्यापन में किसी तरह की दिक्कत न हो।

इन शहरों में परीक्षा

परीक्षा लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, वाराणसी, प्रयागराज, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर, आगरा, झांसी, मेरठ, अलीगढ़, सहारनपुर, बरेली, अयोध्या और मुरादाबाद समेत 15 शहरों में आयोजित की जाएगी।

खाद की कालाबाजारी रोकने को योजना तैयार, होगी कड़ी निगरानी

उर्वरकों की कमी रोकने के लिए योगी सरकार ने सख्त कार्रवाई के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूरिया, डीएपी और एनपीके की पर्याप्त उपलब्धता पर जोर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने के लिए अप्रैल 2026 से विस्तृत योजना तैयार की गई है। इसका उद्देश्य प्रदेश में उर्वरकों की कमी को रोकना और कृषि कार्यों को निर्बाध बनाए रखना है। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही गैर-कृषि क्षेत्रों में उर्वरकों के दुरुपयोग और डायवर्जन पर सख्त निगरानी रखी जाएगी।

सरकार की रणनीति के तहत यूरिया, डीएपी और एनपीके जैसे प्रमुख उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कृषि विभाग के अधिकारियों को प्रत्येक जिले में मांग के अनुसार अग्रिम आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है, ताकि बुवाई और फसल वृद्धि के दौरान किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो। खाद वितरण को पारदर्शी बनाने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समितियां गठित की जाएंगी, जिनमें कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारी शामिल होंगे। प्रदेश के समस्त उर्वरक बिक्री केंद्रों पर कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर पारदर्शिता के साथ वितरण कराया जाएगा। उर्वरकों की जमाखोरी कर कृत्रिम अभाव करने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई होगी। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि गैर कृषि क्षेत्रों में उर्वरकों के डायवर्जन यथा-प्लाईवुड इंडस्ट्रियल, पशु आहार निर्मित इकाइयों पर सघन निगरानी रखी जाए। फसल में संस्तुति व संतुलित मात्रा में (अधिकतम यूरिया 7 बोरी एवं डीएपी-5 बोरी प्रति हेक्टेयर) उर्वरकों का प्रयोग करने के साथ-साथ उर्वरकों का अग्रिम भंडारण न करने के संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाए जाए। अन्तर्राज्यीय सीमावर्ती जिलों में उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की सघन निगरानी रखी जाए।

सहकारी संस्थाओं से भी खाद वितरण का निर्णय

इस योजना में सहकारी समितियों की भूमिका को और मजबूत करने की बात कही गई है। सरकार ने सहकारी संस्थाओं के माध्यम से खाद वितरण की हिस्सेदारी बढ़ाने का निर्णय लिया है, जिससे पारदर्शिता और सुगमता दोनों में सुधार होगा। वहीं, निजी क्षेत्र की भागीदारी को संतुलित रखते हुए उन्हें लगभग 35 प्रतिशत कोटा देने का प्रस्ताव भी रखा गया है, ताकि सप्लाई चेन प्रभावी बनी रहे।

जिला स्तर पर होंगी नियमित समीक्षा बैठकें

खाद वितरण की निगरानी के लिए सरकार ने सख्त मॉनीटरिंग व्यवस्था लागू की है। जिला स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित की जाएंगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या जमाखोरी पर तत्काल कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से खाद की उपलब्धता और वितरण पर नजर रखी जाएगी। इस सुनियोजित रणनीति से किसानों को समय पर और पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध होगी, जिससे फसल उत्पादन में वृद्धि होगी और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। यह पहल राज्य के किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वाराणसी के सर्किट हाउस में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

खनन राजस्व में रिकॉर्ड बढ़ोतरी, मार्च में 780 करोड़ की आय

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश के भूतत्त्व एवं खनिकर्म विभाग ने राजस्व संग्रह में मार्च माह में निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक आय प्राप्त की है। विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने बताया कि मार्च के लिए तय 600 करोड़ रुपये के लक्ष्य के मुकाबले 780 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व अर्जित किया गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में बड़ी उपलब्धि है।

सचिव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 7150 करोड़ रुपये का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए विभाग ने सख्त रणनीति अपनाई है और सभी जनपदीय व क्षेत्रीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि राजस्व संग्रह को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने अवैध खनन, परिवहन और ओवरलोडिंग पर सख्ती से अंकुश लगाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि स्रोत स्तर पर ही निगरानी बढ़ाई जाए।

1076 हेल्पलाइन कर्मियों के प्रदर्शन पर सीएम सख्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कंपनी को दिए कड़े निर्देश, वेतन वृद्धि पर बनी सहमति
- कार्यस्थल सुविधाओं में भी होगा सुधार, कर्मियों में खुशी की लहर

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएम हेल्पलाइन 1076 से जुड़े कर्मचारियों की शिकायतों पर सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल समाधान के निर्देश दिए। कर्मचारियों ने वी-विन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के खिलाफ वेतन और कार्यस्थल से जुड़ी समस्याएं उठाई थीं, जिस पर मुख्यमंत्री ने त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित कराई।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपीडेस्को की प्रबंध निदेशक नेहा जैन को पूरे मामले की समीक्षा कर कंपनी स्तर पर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने को कहा गया। इसके बाद कंपनी प्रबंधन के साथ उच्चस्तरीय वार्ता हुई, जिसमें कर्मचारियों की मांगों पर सहमति बनी। कंपनी ने कर्मचारियों के वेतन में वृद्धि करने पर सहमति जताई है। साथ ही कार्यस्थल की सुविधाओं को बेहतर बनाने का भी आश्वासन दिया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि भविष्य में ऐसी समस्याएं न हों, इसके लिए निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी। त्वरित हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हो गई है और कर्मचारी वापस काम पर लौट आए हैं। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से लंबित वेतन संबंधी समस्याओं का समाधान संभव हो सका है।

कर्मचारियों ने वेतन और कामकाजी हालात को लेकर गुरुवार और शुक्रवार को लगातार प्रदर्शन किया था। कर्मचारियों का आरोप था कि 15 हजार रुपये वेतन का वादा किया गया, लेकिन उन्हें केवल 7 से 8 हजार रुपये दिए जा रहे थे और भुगतान भी समय पर नहीं हो रहा था। शुक्रवार को भी प्रदर्शन जारी रहा।

सात ब्लड सेंटरों पर तत्काल रोक, बड़ी अनियमितताएं उजागर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में संचालित ब्लड बैंकों की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो गए हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की छापेमारी में 36 ब्लड सेंटरों की जांच के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इसके बाद सात ब्लड सेंटरों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई, जबकि अन्य सभी को नोटिस जारी किया गया है।

एफएसडीए की टीम ने मुज़फ्फरनगर, बरेली, इटावा, रायबरेली, मुरादाबाद, कुशीनगर, आगरा, जौनपुर, अमरोहा, बलरामपुर, बागपत और मैनपुरी सहित कई जिलों में संचालित चैरिटेबल ब्लड सेंटरों की जांच की। जांच में ब्लड स्टोरेज के लिए निर्धारित तापमान का पालन न करना, अनिवार्य एलाइसा टेस्ट का अभाव, कोल्ड चेन में गड़बड़ी, स्टाफ की कमी और बिना परीक्षण रिकॉर्ड के रक्त का ट्रांसफर जैसी गंभीर खामियां पाई गईं।

कार्रवाई के तहत इटावा के दो, मुज़फ्फरनगर के चार और बरेली के एक ब्लड सेंटर पर तत्काल रोक लगाते हुए वहां रक्त संचालन से जुड़ी सभी गतिविधियां बंद करा दी गई हैं।

विभाग ने अन्य केंद्रों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। साथ ही, जिन केंद्रों का संचालन रोका गया है, वहां मौजूद रक्त और रक्त घटकों के सुरक्षित निस्तारण के लिए अलग से एडवाइजरी भी जारी की गई है।

समीक्षा अधिकारी परीक्षा पेपर लीक मामले में एक और गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एसटीएफ ने वाराणसी के अखरी बाईपास से दबोचा, दो वर्ष से चल रहा था फरार

आरोपी कृष्णा पांडेय

अमृत विचार: समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) परीक्षा-2023 के पेपर लीक मामले में यूपी एसटीएफ ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। वाराणसी के रोहनिया स्थित अखरी बाईपास से गुरुवार देर शाम पकड़ा गया आरोपी कृष्णा पांडेय दो साल से फरार चल रहा था और लगातार ठिकाने बदलकर पुलिस से बच रहा था। उसे प्रयागराज में दर्ज मामले में कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह के अनुसार, 11 फरवरी 2024 को हुई परीक्षा का प्रश्नपत्र पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिसके बाद सरकार ने परीक्षा निरस्त कर जांच एसटीएफ को सौंपी थी। जांच में एक संगठित गिरोह का खुलासा हुआ, जो मोटी रकम लेकर अभ्यर्थियों को पेपर उपलब्ध कराता था। पूछताछ में कृष्णा ने बताया कि उसने अपने साले आलोक मिश्रा के साथ अमरजीत शर्मा से संपर्क किया था, जिसने 12-12 लाख रुपये में पेपर देने की डील की थी। एडवांस के रूप में 3-3 लाख रुपये लिए गए और शैक्षिक प्रमाणपत्र व बैंक के ब्लैंक चेक गिरोह ने रख लिए। परीक्षा से पहले भोपाल में होटल में अभ्यर्थियों को लीक पेपर और उत्तर रटवाए गए। बाद में परीक्षा में वही प्रश्न आने से लीक की पुष्टि हुई। इस मामले में मुख्य आरोपी समेत कई लोग पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

शैक्षिक संस्थान लगाएंगे 44.2 लाख पौधे

मिली जिम्मेदारी : वर्ष 2026-27 में प्रदेश में होगा 35 करोड़ पौधों का रोपण

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

- 20 प्रतिशत फलदार पौधे, नीम, पीपल, जामुन, इमली, अर्जुन और बरगद को प्राथमिकता

अमृत विचार: पर्यावरण और पारिस्थितिकीय संतुलन को बनाए रखने के लिए वर्ष 2026-27 में प्रदेशभर में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य तय किया गया है। इसमें सभी शैक्षिक संस्थान कुल 44.2 लाख पौधों का रोपण करेंगे। भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट-2023 के अनुसार, प्रदेश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 9.96 प्रतिशत क्षेत्र वनावरण एवं वृक्षावरण से आच्छादित है। वर्ष 2021 के गणना की तुलना में वृक्षावरण और वनावरण में समेकित रूप से कुल 559.19 वर्ग किमी की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2026-2027 में प्रदेश के सभी विभाग मिलकर कुल 35 करोड़ पौधों का रोपण करेंगे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय ने अपने संबंद्ध संस्थानों को निर्देश जारी करते हुए प्रत्येक संस्थान में 500 पौधारोपण करने का लक्ष्य तय किया है।

तय किए गए लक्ष्य

- प्राथमिक शिक्षा- 12.43 लाख
- माध्यमिक शिक्षा-7.63 लाख
- उच्च शिक्षा-18.54 लाख
- प्राविधिक शिक्षा- 5.06 लाख

प्रदेश भर में 1 जुलाई से 7 जुलाई तक वन महोत्सव मनाया जाएगा। इसी दौरान प्रदेश भर में पौधरोपण का कार्यक्रम सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर चलाएंगे। सामुदायिक भूमि, वन भूमि के अलावा किसानों की इच्छानुसार कृषि भूमि पर पौधरोपण किया जाएगा। इसके अलावा प्रमुख नदियों के किनारे, चारागाह भूमि, गौवंश शेल्टर की रिक्त भूमि पर रोपण किया जाएगा। पौधों की उपलब्धता के लिए जिला पौधरोपण समिति की बैठक से लेकर नर्सरियों में पौधों के अंकुरण, थैला भराई के समयबद्ध कार्यक्रम पहले से तय किए गए हैं।

पौधरोपण में स्थानीय प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। कुल पौधरोपण में 20 प्रतिशत फलदार वृक्ष इसके अलावा नीम, पाकड़, पीपल, बरगद, अर्जुन आदि को प्राथमिकता दी जाएगी। पारिस्थितिकीय तंत्र के अनुसार चंदन, खजूर, काला शीशम, गम्हार आदि पौधों का भी रोपण किया जाएगा।

सियासत 2027 विधानसभा चुनाव का 'सेमीफाइनल' माना जा रहा उपचुनाव

घोसी, दुद्धी और फरीदपुर में उपचुनाव की तैयारी तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा-सपा में सीधी टक्कर तीनों सीटों पर बढ़ा सियासी ताप

- मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद घोषित होगा चुनाव कार्यक्रम

अमृत विचार: प्रदेश की घोसी, दुद्धी और फरीदपुर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद किसी भी समय चुनाव कार्यक्रम घोषित होने की संभावना है। इन तीनों सीटों के उपचुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का 'सेमीफाइनल' माना जा रहा है, जिसमें भाजपा और सपा के बीच सीधी टक्कर तय मानी जा रही है।

दरअसल, 15 मार्च को चुनाव आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के चुनावों की घोषणा की थी, लेकिन यूपी उपचुनाव को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई। इससे अटकलें लगीं कि चुनाव टल सकते हैं, हालांकि अब संकेत हैं कि अप्रैल माह में कार्यक्रम घोषित हो सकता है। तीनों सीटों पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीति के साथ मैदान में उतरने की तैयारी में हैं। भाजपा जहां संगठनात्मक मजबूती और सरकारी योजनाओं के आधार पर चुनाव लड़ने की रणनीति बना रही है, वहीं सपा सामाजिक समीकरण और सहानुभूति कार्ड के सहारे मुकाबला करने की तैयारी में है। सपा इन उपचुनावों को जल्दी कराने के पक्ष में है ताकि माहौल अपने पक्ष में बनाया जा सके।

घोसी सीट सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन के बाद खाली हुई है। यहां सपा ने उनके बेटे सुजीत सिंह को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है, जबकि भाजपा अभी प्रत्याशी तय नहीं कर पाई है। दुद्धी सीट पर भी सपा विधायक विजय सिंह गोंड के निधन के बाद उपचुनाव हो रहा है। यहां सपा परिवार के सदस्य को टिकट देने की तैयारी में है, जबकि भाजपा श्रवण कुमार को मैदान में उतार सकती है, जो पिछले चुनाव में हार चुके थे।

फरीदपुर सीट भाजपा विधायक डॉ. श्याम बिहारी लाल के निधन के कारण खाली हुई है। यहां भाजपा सहानुभूति के आधार पर उनके परिवार के किसी सदस्य को टिकट दे सकती है। उनके बेटे ईशान ग्वाल और अन्य दावेदार भी सक्रिय हैं। वहीं सपा पूर्व विधायक विजय पाल सिंह को मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। बसपा फिलहाल इन सीटों पर सक्रिय नजर नहीं आ रही है, लेकिन अगर वह उम्मीदवार उतारती है तो मुकाबले के समीकरण बदल सकते हैं और इसका असर खासतौर पर सपा के वोट बैंक पर पड़ सकता है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भले ही इन उपचुनावों का सीधा असर 2027 के विधानसभा चुनाव पर न पड़े, लेकिन यह चुनाव माहौल बनाने और बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाएंगे। यही कारण है कि भाजपा और सपा दोनों इन सीटों पर पूरी ताकत झोंकने की तैयारी में हैं।

अमृतकाल नहीं, सनातनियों के लिए संकटकाल : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कहा- संयमित भाषा और शिष्ट आचरण के साथ जनता के बीच जाएं सपा कार्यकर्ता

संबोधित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

अमृत विचार: सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान समय 'अमृतकाल' नहीं, बल्कि सनातनियों के लिए 'संकटकाल' है। आरोप लगाया कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर कर दिया है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे संयमित भाषा और शिष्ट आचरण के साथ जनता के बीच जाकर भाजपा सरकार को हटाने के लिए एकजुट होकर काम करें।

राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में शुक्रवार को युवा संगठनों की बैठक को संबोधित करते हुए सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं से विशेष रूप से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वर्ग को एकजुट करने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

अमृत विचार

शनिवार, 4 अप्रैल 2026

मनुष्य ने ईश्वर को जो सबसे महान नाम दिया है, वह सत्य है।
–स्वामी विवेकानंद, दार्शनिक

जेल नहीं बस जुर्माना

जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक 2026 राज्यसभा से पास होने के बाद कानून बनेगा। सरकार को यकीन है कि इस प्रस्तावित कानून के आने के बाद कारोबारी माहौल और सुगम, बेहतर तथा भयमुक्त होगा क्योंकि छोटे-मोटे अपराधों से जेल की सजा हटाकर उसे जुर्माने में बदला गया है और पहली बार कम गंभीर अपराध, छोटे मोटे अपराध, अपराध की श्रेणी से ही बाहर कर दिए गए हैं। इसे तर्क संगत तथा व्यावहारिक बनाने के लिए 79 केंद्रीय कानूनों के 784 संशोधनों किए गए, जिसे संसद की मंजूरी मिल गई है। यह ठीक है कि सामान्य अपराध में किसी व्यवसायी को जेल में डालकर अनुत्पादक भीड़ बढाने से बेहतर है जुर्माने के तौर पर उनसे कुछ धन हासिल किया जाए, जो ज्यादा सार्थक और उत्पादक कृत्य होगा। देश की अदालतों में जो तकरीबन पांच करोड़ मामले लंबित हैं, इसमें से साढ़े करोड़ से ज्यादा मामले आपराधिक हैं। इनमें से बहुतायत संख्या अत्यंत साधारण किस्म के आपराधिक आरोपों के हैं। ऐसे में यह कानून आया तो वह अदालतों से आपराधिक मामलों का और जेल प्रशासन से कैदियों के देखरेख का बोझ हटाने में सफल हो जाएगी।

साधारण या अनजाने में किए अपराधों से संबंधित अदालत में लंबित लाखों मुकदमों का निपटारा आसानी से और त्वरित तौर पर संभव होगा तथा धन, समय, ऊर्जा, संसाधन के अपव्यय का कारण बनने वाले इन लंबित मुकदमों की संख्या भी आगे नहीं बढेगी। साधारण मामलों वाले इन खिंचते मुकदमों के चलते जनता, अदालतें, सरकार और कारोबारी तथा दूसरे वर्ग परेशान होते थे। कानून के प्रभावी होने से अदालतें बेवजह के कागज पत्र, कार्रवाइयों के बोझ से कम दबेंगी कोर्ट के कामकाज में फुर्ती आएगी। साधारण अपराध में जेल जाने वाला व्यक्ति देश, समाज, परिवार के लिए बोझ बन जाता है और रिहा होने के बाद भी कलंक नहीं छूटता। सो बेहतर है कि जुर्माना भरकर अथवा अदालत से बाहर एक दंड राशि चुकाकर दोनों पक्ष समझौता कर अपराध और मुकादमा मुक्त हो लें। मोदी सरकार ने लोगों रहन-सहन एवं व्यापार करने में सुगमता, सुविधा लाने के लिए पिछले दशक भर से लगभग 40 हजार कानूनी प्रावधानों को सरल बना चुकी है। इस बार की कारगुजारी को जोड़ लें तो उसने 1562 कानूनी प्रावधानों को कानून की किताब से हटाया है।

यह सही है कि देश में प्रचलित 1536 कानूनों के 70 हजार प्रावधानों में से अधिकतर छोटे कारोबारियों के विकास में बाधा बनते हैं। ऐसे में सामान्य और कामकाज के दौरान असावधानी के चलते हो जाने वाले अपराधों के लिए जेल चले जाने का भय व्यापार के पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापारी, निर्माता के व्यक्तिगत आत्मविश्वास के विकास में बाधा डालने वाला एक प्रमुख कारक है। सरकार का यह प्रयास उचित है कि वह व्यवस्था की अड़चनें कम करने के लिए वर्तमान की स्थिति के मद्देनजर पुराने नियमों में बदलाव करे और जो कारोबारी छोटे-छोटे अपराधों के कारण जेल की सजा और जुर्माने से डरते हैं। वे व्यवसायी और सरकारी एजेंसियां सामान्य या तकनीकी रूप से सामान्य उल्लंघनों के लिए जेल जाने की चिंता से निर्भय हो अपना काम करें।

सत्ता-व्यापार गठजोड़ पर बालेन सरकार का शिकंजा

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल की बालेन सरकार एक साथ कई मोर्चों पर लड़ रही है। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों से खुली जंग के साथ सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इस बीच बालेन सरकार के वित्त मंत्री स्वर्णिम बाग्ले की काठमांडू में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात भी चर्चा में है। इस मुलाकात की चर्चा इसलिए भी मायने रखती है, क्योंकि यह परंपरा से थोड़ा हटकर थी। परंपरा यह रही है कि जब भी नेपाल में सत्ता परिवर्तन होता है, तो सर्वप्रथम भारतीय राजदूत से पहली मुलाकात विदेश मंत्री अथवा प्रधानमंत्री की होती थी।

यद्यपि कि भारतीय राजदूत और नेपाल के वित्त मंत्री की यह मुलाकात बेहद गोपनीय रही फिर भी जब बालेन सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त राजनेताओं और सफेदपोश अपराधियों पर लगाम कस रही है, तो इस मुलाकात के तरह-तरह के मायने निकाला जाना लाजिमी है। वह भी तब जब भ्रष्ट नेपाली नेताओं और भ्रष्ट अफसरों के तार भारत से जुड़े हुए हों। इस मुलाकात की एक बात यह भी हो सकती है कि चुनाव के बीच भारत ने नेपाल को भारतीय आठ सौ करोड़ की अनुदान राशि उपलब्ध कराई है, इस पर भी चर्चा संभव है। जहां तक बालेन सरकार के भ्रष्ट राजनेताओं पर शिकंजा कसने की बात है, तो वह केवल के पी शर्मा ओली और रमेश लेखक, महेश बस्नेत और पूर्व उर्जा मंत्री की गिरफ्तारी तक ही सीमित नहीं है। एमाले के अन्य नेता भी निशाने पर हैं।

नेपाली कांग्रेस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और उनकी पत्नी आरजू राणा सहित इस पार्टी के अन्य नेता भी भ्रष्टाचार के आरोप से घिरे हुए हैं। माओवादी केंद्र के अध्यक्ष पूर्व पीएम प्रचंड और पूर्व पीएम बाबू राम भट्टराई पर भी भ्रष्टाचार के आरोप है। पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा सपत्नीक अभी भारत में थे अब उनके थायलैंड में होने की चर्चा है शायद किसी बीमारी के इलाज के सिलसिले में। जाहिर भ्रष्टाचार में लिप्त नेपाली नेताओं का सुरक्षित ठिकाना भारत हो सकता है। भारतीय राजदूत और नेपाली वित्त मंत्री के मुलाकात में यह भी चर्चा का विषय हो सकता है।

बालेन सरकार के भ्रष्टाचार विरोधी मुहिम में जिलाधिकारी स्तर के एकाध नेपाली अफसर भी सलाखों के पीछे हुए हैं। इसके बाद अभी मनी लांड्रिंग मामले में जो एक बड़े व्यवसाई की गिरफ्तारी हुई है, उससे व्यवसाय की आड़ में अवैध तरीके से धन अर्जन का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इससे काठमांडू अथवा नेपाल में कहीं भी व्यवसाय की आड़ में लूट खसोट करने वाले सफेदपोशों में दहशत फैल गई है। गिरफ्तार किए गए दीपक भट्ट नाम के व्यवसायी का जो बैकग्राउंड सामने आया है वह काफी चौंकाने वाला है और यह भी नेपाल जैसे छोटे देश में भी भ्रष्टाचार की जड़ें इतने गहरे तक है।

नेपाली कांग्रेस नेता शेर बहादुर देउबा के चुनाव क्षेत्र डोडुलधुरा का रहने वाले दीपक भट्ट का संबंध नेपाली कांग्रेस के नेताओं के अलावा हर पार्टी के पूर्व प्रधानमंत्रियों से काफी निकट के रहे हैं। एक से बढ़कर एक काले कारनामों से लैस इस व्यवसायी की जब कुंडली खंगाली कई तो प्याज के छिलके की तरह भ्रष्टाचार से जुड़े उसके ढेर सारे कारनामें सामने आने लगे। इसमें एक तो यह भी कि डॉ. बाबू राम भट्टराई से उसके तार बहुत मजबूती से जुड़े हुए थे, जब वे प्रधानमंत्री थे। बाबूराम भट्टराई से उसकी मुलाकात सत्ता रूढ़ दल के एक सांसद ने कराई थी, जब वे नेपाली कांग्रेस में थे। डॉ. बाबू राम भट्टराई बहुत ज्यादा समय तक प्रधानमंत्री नहीं रहे, लेकिन जितने दिन भी थे, सत्ता के गलियारे में दीपक भट्ट की तूती बोलती थी। दीपक भट्ट अपनी एक कंपनी के मार्फत बड़ा व्यावसायिक साम्राज्य खड़ा कर लिया था। इसी समय नेपाल पुलिस को हथियार सप्लाई की दलाली में भी इसके हाथ सने हुए पाए गए।

44 वर्षीय दीपक भट्ट काठमांडू के सानेपा क्षेत्र में रहता है। काठमांडू का यह क्षेत्र दिल्ली की लुटियंस जोन की तरह चर्चित राजनीतिक गलियारा है। यहां राजनीतिक दलों के कार्यालय और नेताओं के आवास हैं। पिछले दो दशक से इस शख्स की हैसियत इतनी थी कि यह न केवल गठबंधन दलों की सरकार बनाने बिगाड़ने की कुव्वत रखता था, संसद की राज्य व्यवस्था और सार्वजनिक लेखा समिति तक को प्रभावित करता था। दीपक भट्ट के खिलाफ वित्त मंत्रालय ने गोपनीय जांच के आदेश दिए थे और जब उसके खिलाफ पुख्ता सबूत जुटा लिए गए, तब दो अप्रैल को उसे काठमांडू के नक्सल क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

सीबीआई के प्रवक्ता शिव कुमार श्रेष्ठ द्वारा उसकी गिरफ्तारी की पुष्टि करते ही नेपाल के सफेदपोश अपराधियों में खलबली मच गई। दीपक भट्ट इस समय 'इन्फिनिटी होल्डिंग्स नामक एक के प्रमुख डायरेक्टर है। आरोप है कि वह सत्ता की गठजोड़ से इसी कंपनी के माध्यम से उसने जलविद्युत, हथियार, हेलिकॉप्टर समेत विभिन्न विदेशी कंपनियों के एजेंट के रूप में काम करते हुए अवैध कारोबार का विशाल साम्राज्य खड़ा कर लिया। दीपक भट्ट का नेपाल के ट्रैवल एजेंसी, होटल, रियल एस्टेट, कंसल्टेंसी, बीमा और लघु वित्त जैसे क्षेत्रों में भी सीधी और परोक्ष संलिप्तता बताई जाती है। सरकार ने उसके खिलाफ संपत्ति शुद्धीकरण मामले में विस्तृत जांच शुरू की थी, जिसके तहत अध्यागमन विभाग ने उसे काली सूची में डालते हुए उसके विदेश यात्रा पर रोक लगा दी थी। फिलहाल, भट्ट, उनकी कंपनी और उससे जुड़े सभी संपत्तियों की गहन जांच जारी है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> एक से बढ़कर एक काले कारनामों से लैस इस व्यवसायी की जब कुंडली खंगाली कई तो प्याज के छिलके की तरह भ्रष्टाचार से जुड़े उसके ढेर सारे कारनामें सामने आने लगे। इसमें एक तो यह भी कि डॉ. बाबू राम भट्टराई से उसके तार बहुत मजबूती से जुड़े हुए थे, जब वे प्रधानमंत्री थे।

सोशल फोरम

ईरान पर विपरीत रुख

अमेरिका और यूरोपीय देश दोनों ईरान के मुद्दे पर विपरीत रुख वाले दिख रहे हैं। नाटो पहली बार इस तरह विभाजित है। लग सकता है कि पश्चिम दोफाड़ है, पर यह भ्रम हो सकता है। पश्चिम की छवि उदारवाद के प्रवक्ता के रूप में बनाई गई है। एक हद तक यह सही है कि पश्चिम ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, लोकतंत्र, बंधुत्व, समता, कानून के शासन आदि उच्च मूल्यों को प्रतिष्ठित किया, पर वह केवल अपने देशों के भीतर उदार था। सबको पता है कि उसी घड़ी वह उपनिवेशितों के प्रति अत्यंत कठोर, षड्यंत्री और नियंत्रणशील था। अमेरिका और यूरोपीय देश आज प्रति-ध्रुव की तरह दिखते हैं। नए दौर में सारे पश्चिमी देशों में ही 'अमेरिका फर्स्ट' की ही तरह 'नेशन फर्स्ट' ही मुख्य नारा बन रहा है।

शंभुनाथ
सेवानिवृत्त प्रोफेसर, कोलकाता

अमेरिका सहित हर पश्चिमी देश में उदारवाद पर दक्षिणपंथ भारी हो चुका है। इसलिए यदि अमेरिका से यूरोपीय देश अपना स्वतंत्र रास्ता पकड़ रहे हैं, तो यह विश्व में 'बहुकेंद्रिक अंध-राष्ट्रवाद' से भिन्न कुछ नहीं है। बहुकेंद्रित अंध-राष्ट्रवाद वैश्विक स्तर पर समस्याओं के सामूहिक समाधान में विफलता का नतीजा है, जो सभ्यता के शिखर पर एक विस्मयजनक त्रासदी है। 'नेशन फर्स्ट' अंततः 'पॉपुलिज्म' की तरफ ले जाता है, 'पहचान की राजनीति' हर चीज पर भारी हो जाती है और तर्क तथा मानव हित आधारित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था टूट जाती है। 'नेशन फर्स्ट' से अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है, दादागिरी बढ़ी है। इन सबका नतीजा है विश्व में सहयोग के स्थान पर नकारात्मक प्रतिस्पर्धा का बढ़ना और नैतिकता के स्थान पर ताकत की प्रधानता।

इससे विश्व में अराजकता, आर्थिक अस्थिरता और सामाजिक विभाजन बढ़ेगा। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ेगी। लोकतांत्रिक गिरावट पाताल छू लेगी। अतः मुझे लगता है कि अमेरिका और यूरोपीय देश की इस तात्कालिक प्रति-ध्रुवता पर ज्यादा प्रफुल्लित होने की जरूरत नहीं है। दरअसल यूरोपीय देश भी धीरे-धीरे अमेरिका की तरह होते जाएंगे। भारत में छोटे-छोटे अमेरिका बन ही चुके हैं, छोटे-छोटे ट्रंप पहले से हैं। क्या यह सब चिंताजनक नहीं है? वास्तविकता शायद इन दोनों के बीच है-संकट भी है और संभावनाएं भी। जहां तक भारत में "छोटे–छोटे ट्रंप" की बात है-यह एक तीखा रूपक है, लेकिन पूरी वास्तविकता नहीं हो सकती है। भारत जैसे समाज में विविधता इतनी गहरी है कि एकरूप राजनीतिक व्यवहार स्थायी नहीं हो सकता। यहां प्रतिरोध और वैकल्पिक विचारधाराएं भी साथ-साथ चलती हैं।

–फेसबुक वॉल से

प्रसंगवश

युद्ध और महिलाएं: पीड़िता से नेतृत्वकर्ता तक

युद्ध आज इतिहास का कोई दूरस्थ अध्याय नहीं है। यह एक जीवंत और पीड़ादायक वास्तविकता है। सूडान, गाजा और यूक्रेन जैसे क्षेत्रों में चल रहे संघर्ष हमें यह दिखा रहे हैं कि मानवता हर दिन परीक्षा से गुजर रही है। इस कठिन समय में एक सत्य अत्यंत स्पष्ट रूप से सामने आता है कि महिलाएं युद्ध में गहराई से पीड़ित होती हैं, फिर भी वे और अधिक सशक्त होकर उभरती हैं। सूडान में महिलाएं असहनीय हिंसा और असुरक्षा का सामना कर रही हैं, फिर भी वे अपने परिवारों की संरक्षक और सहारा बनकर आगे आ रही हैं। गाजा में महिलाएं विनाश के बीच जीवन को संजोए हुए हैं, जब सब कुछ टूट रहा है, तब भी वे परिवारों को एकजुट रख रही हैं। यूक्रेन में महिलाएं मानवीय सहायता का नेतृत्व कर रही हैं, समुदायों का पुनर्निर्माण कर रही हैं और आशा को जीवित रख रही हैं।

डॉ. तनु जैन
सीईओ, बरेली छावनी

यह पीड़ा और शक्ति का द्वंद्व हमें हमारे याद दिलाता है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यंते रमंते तत्र देवताः।" जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहां देवताओं का वास होता है, लेकिन आज हमें स्वयं से एक प्रश्न पूछना होगा कि यदि महिलाएं सहनशीलता और शक्ति की प्रतीक हैं, तो वे निर्णय लेने के उच्चतम मंचों पर अभी भी अनुपस्थित क्यों हैं? युद्ध केवल भूमि का विनाश नहीं है। यह विनाश है परिवारों का, मूल्यों का तथा समाज के ताने-बाने का और इस ताने-बाने को पुनः स्थापित करने के लिए केवल शक्ति नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, धैर्य और दूरदर्शिता की आवश्यकता होती है। ये वे गुण हैं, जिन्हें महिलाओं ने बार-बार सिद्ध किया है। आज के युद्ध अधिक जटिल, हिंसक और लंबे हो गए हैं। ये केवल हथियारों से नहीं, बल्कि विस्थापन, भूख, भय और मानसिक आघात से लड़े जा रहे हैं। ऐसी परिस्थितियों में शांति केवल रणनीति से नहीं आ सकती। इसके लिए संवेदनशीलता और समावेशिता आवश्यक है और महिलाएं पहले से ही यह कार्य कर रही हैं। वे समुदायिक स्तर पर शांति स्थापित कर रही हैं, विश्वास को पुनः निर्मित कर रही हैं, बच्चों की शिक्षा को बनाए रख रही हैं और वहां सम्मान को पुनर्स्थापित कर रही हैं, जहां वह सबसे अधिक खो गया है। वे शांति का इंतजार नहीं कर रही हैं, वे शांति का निर्माण कर रही हैं। एक और प्राचीन विचार हमें मार्गदर्शन देता है कि "वसुधैव कुटुंबकम्" अर्थात यह संपूर्ण विश्व एक परिवार है। यदि यह विश्व वास्तव में एक परिवार है, तो महिला शक्ति के बिना शांति कैसे संभव है, जो परिवार को संजोकर रखती है?

आज हमारे सामने चुनौती केवल महिलाओं की पीड़ा को स्वीकार करने की नहीं है, बल्कि उनके नेतृत्व को पहचानने और उसे सशक्त करने की है। महिलाओं को आगे बढ़ना होगा। पीड़िता से शक्ति की ओर, मौन से नेतृत्व की ओर और बहिष्कार से सहभागिता की ओर, क्योंकि शांति केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं है। शांति गरिमा, संतुलन और सामंजस्य का संगम है। यह भाव हमारे प्राचीन श्लोक में अत्यंत सुंदर रूप से व्यक्त होता है- "सर्वे भवंतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चिद् दुःखभाग्भवेत्।" अर्थात सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, सभी शुभ देखें और कोई भी दुःख का भागी न बने। यदि यही हमारा लक्ष्य है, तो महिलाओं को केवल शांति प्रक्रिया में सहभागी नहीं बनाना होगा, बल्कि उन्हें उसका नेतृत्व सौंपना होगा। क्योंकि जब महिलाएं युद्ध के समय नेतृत्व करती हैं, तो शांति केवल अस्थायी नहीं रहती। वह स्थायी, सतत और मानवीय बन जाती है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं।)

आमने

हमने खाड़ी में चल रहे संघर्ष के दौरान व्यक्तिगत रूप से फ्रांस से सैन्य सहायता का अनुरोध किया था, लेकिन पेरिस ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया। हमें उनकी जरूरत नहीं थी, फिर भी मैंने उनसे पूछा। मैक्रों की पत्नी उनके साथ बेहद बुरा बर्ताव करती हैं। वह अभी भी अपने जबड़े पर लगे जोरदार वार से उबर रहे हैं।

–डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति अमेरिका

सामने

यह टिप्पणी न तो शालीन है और न ही उस स्तर की है, जिसकी उम्मीद किसी राष्ट्राध्यक्ष से की जाती है। हमें गंभीर होना चाहिए। यह नहीं होना चाहिए कि हम आज कुछ कहें और अगले ही दिन उसके उलट बात करने लगें। दुनिया में जब इतने गंभीर संकट चल रहे हों, तब ऐसे बचकाने बयानों की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

–इमैनुएल मैक्रों, राष्ट्रपति, फ्रांस

पश्चिम बंगाल में उच्च शिक्षा का बदलता परिदृश्य

डॉ. इंद्रनील बोस
शिक्षाविद

भारत में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। नई शिक्षा नीति और वैश्वीकरण की दिशा में बढ़ते कदमों के चलते देश ने विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए अपने द्वार खोल दिए हैं। इस पहल का उद्देश्य भारतीय छात्रों को विश्वस्तरीय शिक्षा अपने ही देश में उपलब्ध कराना, प्रतिभा पलायन को कम करना और शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण तैयार करना है। इस संदर्भ में कई प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों ने भारत के विभिन्न राज्यों में अपने परिसरों की स्थापना शुरू कर दी है, लेकिन इस बदलते परिदृश्य में कोलकाता और व्यापक रूप से पश्चिम बंगाल की स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है।

भारत के कई राज्य इस अवसर को तेजी से भुनाने में सफल रहे हैं। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और दिल्ली एनसीआर जैसे क्षेत्रों ने विदेशी विश्वविद्यालयों को आकर्षित करने के लिए नीतिगत सुधार, निवेश अनुकूल वातावरण और बुनियादी ढांचे का विकास किया है। इन राज्यों में पहले से ही उद्योग, तकनीक और नवाचार का मजबूत आधार मौजूद है, जिससे विदेशी संस्थानों के लिए यह क्षेत्र स्वाभाविक रूप से आकर्षक बन जाते हैं।

इन राज्यों की सरकारों ने न केवल नीतिगत समर्थन दिया है, बल्कि भूमि उपलब्धता, प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए स्पष्ट रोडमैप भी तैयार किया है। इसका परिणाम यह हुआ कि यूके, ऑस्ट्रेलिया और अन्य पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों ने इन राज्यों में अपने परिसरों की स्थापना शुरू कर दी है। इससे स्थानीय छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा सुलभ हो रही है और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। इसके विपरीत, कोलकाता, जो कभी भारत का बौद्धिक और शैक्षणिक केंद्र माना जाता था, आज इस दौड़ में पीछे छूटता नजर आता है।

पश्चिम बंगाल में किसी भी विदेशी विश्वविद्यालय द्वारा परिसर स्थापित करने में रुचि न दिखाना कई गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यह स्थिति केवल संयोग नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई गहरे कारण हैं। पहला और सबसे महत्वपूर्ण कारण है राज्य सरकार की ओर से स्पष्ट और प्रभावी पहल का अभाव। जहां अन्य राज्य विदेशी निवेशकों और शैक्षणिक संस्थानों को आकर्षित करने के लिए सक्रिय हैं, वहीं पश्चिम बंगाल में ऐसी कोई ठोस रणनीति दिखाई नहीं देती। नीतिगत अस्पष्टता और धीमी प्रशासनिक प्रक्रियाएं संभावित निवेशकों के लिए बाधा बनती हैं।

दूसरा कारण सामाजिक मानसिकता से जुड़ा हुआ है। मध्यम वर्गीय बंगाली समाज, जो ऐतिहासिक रूप से शिक्षा और बौद्धिकता के लिए जाना जाता रहा है, आज भी कई मामलों में पारंपरिक और रूढ़िवादी सोच से प्रभावित है। परिवर्तन के प्रति झिझक और नई पहल के प्रति संदेह, आधुनिक शिक्षा मॉडल को अपनाने में बाधा उत्पन्न करते हैं। किसी भी क्षेत्र में उच्च शिक्षा का विकास उद्योग और आर्थिक गतिविधियों से गहराई से जुड़ा होता है। जिन राज्यों में उद्योग, आईटी सेक्टर और स्टार्टअप इकोसिस्टम मजबूत है, वहां शिक्षा संस्थानों के लिए अवसर अधिक होते हैं।

दुर्भाग्यवश, पश्चिम बंगाल इस मामले में पिछड़ गया है। राज्य में लंबे समय से उद्योगों का पलायन, निवेश की कमी और रोजगार के सीमित अवसरों ने एक नकारात्मक चक्र बना दिया है। जब उद्योग नहीं होंगे, तो छात्रों के लिए रोजगार के अवसर कम होंगे और जब अवसर कम होंगे, तो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा संस्थान भी वहां आने में रुचि नहीं दिखाएंगे। यही कारण है कि विदेशी विश्वविद्यालय उन राज्यों को प्राथमिकता देते हैं, जहां उन्हें छात्रों के साथ-साथ उद्योगों से भी जुड़ने का अवसर मिलता है। कोलकाता कभी कलकत्ता विश्वविद्यालय और प्रेसीडेंसी कॉलेज जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के कारण शिक्षा का केंद्र था। यहां से कई महान विद्वान, वैज्ञानिक और विचारक निकले हैं, लेकिन वर्तमान में यह विरासत आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित नहीं हो पाई है।

आज की शिक्षा केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, इसमें शोध, नवाचार, उद्योग सहयोग और वैश्विक एक्सपोजर की आवश्यकता होती है। यदि कोई क्षेत्र इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर पाता, तो वह धीरे-धीरे पीछे छूट जाता है। हालांकि स्थिति चुनौतीपूर्ण है, लेकिन असंभव नहीं। पश्चिम बंगाल यदि सही दिशा में कदम उठाए, तो वह फिर से अपनी शैक्षणिक पहचान को पुनर्स्थापित कर सकता है। इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाने होंगे। पहला यह कि विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और आकर्षक नीतियां बनाई जाएं। दूसरा- आधुनिक कैंपस, रिसर्च सुविधाएं और टेक्नोलॉजी आधारित वातावरण तैयार किया जाए। तीसरा- निवेश को आकर्षित करने के लिए उद्योग अनुकूल नीतियां लागू की जाएं। चौथा- समाज में नवाचार और परिवर्तन को स्वीकार करने की प्रवृत्ति विकसित की जाए। पांचवां- वैश्विक संस्थानों के साथ साझेदारी को बढ़ावा दिया जाए। भारत के उच्च शिक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करते हैं।

जहां कई राज्य इस अवसर का लाभ उठा रहे हैं, वहीं पश्चिम बंगाल को अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। यदि सही कदम उठाए जाएं, तो पश्चिम बंगाल फिर से शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बन सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

> इस संदर्भ में कई प्रतिष्ठित विदेशी विश्वविद्यालयों ने भारत के विभिन्न राज्यों में अपने परिसरों की स्थापना शुरू कर दी है, लेकिन इस बदलते परिदृश्य में कोलकाता और व्यापक रूप से पश्चिम बंगाल की स्थिति चिंताजनक दिखाई देती है।

सामयिकी

विकास और विश्वास की नई विजयगाथा

भारत ने लंबे समय तक जिस आंतरिक चुनौती का सामना किया, वह नक्सलवाद के रूप में देश के अनेक हिस्सों में फैली रही। यह समस्या केवल कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसने सामाजिक, आर्थिक और मानवीय जीवन को भी गहराई से प्रभावित किया। दशकों तक आदिवासी क्षेत्रों में भय, असुरक्षा और पिछड़ापन बना रहा। गांवों में विकास की रफ्तार थम गई और लोगों का भरोसा व्यवस्था से डगमगाने लगा। आज जब देश नक्सलवाद के अंत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा चुका है, तब यह आवश्यक हो जाता है कि इस परिवर्तन के पीछे की नीति, संकल्प और प्रयासों को समझा जाए।

गृह मंत्रालय के नेतृत्व में बीते वर्षों में जो रणनीति अपनाई गई, वह बहुआयामी रही। केवल सुरक्षा बलों की तैनाती तक सीमित न रहकर सरकार ने विकास और विश्वास दोनों को साथ लेकर चलने का प्रयास किया। यही कारण है कि जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहां आज स्कूल खुल रहे हैं, सड़कें बन रही हैं और जीवन सामान्य हो रहा है। यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि इसके पीछे वर्षों की योजनाबद्ध मेहनत और स्पष्ट नीति रही है। कई ऐसे क्षेत्र भी रहे, जहां आर्थिक स्थिति कमजोर थी, फिर भी वहां नक्सलवाद नहीं पनपा। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और रणनीतिक चुनौती भी थी। वामपंथी उग्रवाद ने आदिवासी समाज को प्रभावित कर उन्हें मुख्यधारा से दूर करने का प्रयास किया। स्कूलों को जलाना, विकास कार्यों में बाधा डालना और भय का वातावरण बनाना इसी रणनीति का हिस्सा रहा। इन परिस्थितियों को समझते हुए गृह मंत्रालय ने अपनी नीति को सुदृढ़ बनाया। सुरक्षा बलों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया गया, खुफिया तंत्र को मजबूत किया गया और स्थानीय पुलिस को सशक्त किया गया। साथ ही आत्मसमर्पण नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया, जिससे बड़ी संख्या में नक्सली मुख्यधारा में लौटे। यह केवल सुरक्षा की सफलता नहीं, बल्कि सामाजिक पुनर्वास का भी उदाहरण है। बस्तर जैसे क्षेत्रों में आया परिवर्तन इस नीति की सफलता का प्रमाण है, जहां कभी प्रशासन की पहुंच सीमित थी, वहां आज सरकारी योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो रही हैं। राशन, स्वास्थ्य और पहचान से जुड़ी सुविधाएं सीधे लोगों तक पहुंच रही हैं। इससे लोगों का विश्वास बढ़ा है और वे हिंसा से दूर होकर विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं।

कांतिलाल मांडोत
लेखक

सरकार ने यह संदेश दिया है कि हिंसा का मार्ग स्वीकार्य नहीं है, साथ ही भटके हुए लोगों को मुख्यधारा में लौटने का अवसर भी प्रदान किया गया है। इस संतुलित दृष्टिकोण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। हिंसा की घटनाओं में कमी आई है और आत्मसमर्पण की संख्या में वृद्धि हुई है। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन यह है कि अब आदिवासी समाज स्वयं इस बदलाव का सहभागी बन रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की बढ़ती उपलब्धता ने नई पीढ़ी को नई दिशा दी है। अब वे हथियार नहीं, बल्कि विकास और अवसरों को अपना लक्ष्य बना रहे हैं। नक्सलवाद के अंत की यह यात्रा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा सफलता है। सुरक्षा बलों का साहस, प्रशासन की प्रतिबद्धता और आम नागरिकों का सहयोग इन सभी ने मिलकर यह परिवर्तन संभव किया है। आज आवश्यकता इस बात की है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए। विकास की गति निरंतर बनी रहे और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी क्षेत्र पुनः पिछड़ेपन और असुरक्षा की ओर न लौटे। यही नक्सलवाद के स्थायी अंत की सच्ची गारंटी होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

जिंदगी को जी भरकर जीना है

नौकरी से रिटायरमेंट अपने साथ अकेलापन लेकर आता है। कुछ लोग इसे स्वीकार कर लेते हैं और कुछ निकल पड़ते हैं खुशियां बिखेरने के लिए। बरेली के कुछ रिटायर 'नौजवानों' ने जिंदगी को जी भरकर जीने का फैसला किया। उन्होंने देशभर के ही नहीं, दुनिया के दूसरे देशों के लोगों को भी अपनी मंडली में शामिल किया और बनाया एक ऐसा अनूठा ग्रुप, जो हर संडे के तीसरे पहर सुरों की महफिल सजाते हैं। इंटरनेट के पंखों पर सवार यह 'सुरीले नौजवान' जूम के जरिए अपने-अपने घरों से जुड़ते हैं। मजेदार बात यह है कि हर प्रोग्राम की एक थीम होती है। कभी सिर्फ साहिर के लिखे गीत गाए जाते हैं, तो कभी सिर्फ मन्ना डे के गाए गीत। अहम यह भी है कि इस ग्रुप में आधी संख्या महिलाओं की है। ग्रुप में अमेरिका और आस्ट्रेलिया से भी मेंबर हैं। इस ग्रुप का नाम है गा लो-मुस्कुरा लो।

-कुमार रहमान, बरेली

कब बना ग्रुप

वह 21 अप्रैल 2021 का दिन था। कोविड के खौफ भरे दिन। जिंदगी बचाने की जद्दोजहद के बीच अकेले और खामोश दिन। सभी अपने-अपने घरों में कैद। तनाव भरे इन पलों में अरुण कुमार शर्मा के जेहन में ख्याल आया कि क्यों न एक ग्रुप बनाया जाए, जिसमें सभी लोग ऑनलाइन जुड़ें और गीत-संगीत की महफिल सजाई जाए। उन्होंने यह विचार पत्नी कंचन शर्मा को बताया। वह तैयार हो गईं। अरुण शर्मा बैंक ऑफ बड़ौदा में चीफ मैनेजर थे और अब रिटायर हो गए हैं। फोन पर यह बात उन्होंने अपने दोस्त अशोक कुमार सक्सेना को बताई। अशोक कुमार डाकघर में प्रवर अधीक्षक थे और वह भी रिटायर हो गए हैं। उन्हें भी ख्याल जंच गया। उसी दिन सभी जूम ऐप के जरिए ऑनलाइन जुड़े और सजा ली संगीत संध्या। पहले प्रोग्राम में सात लोग थे, लेकिन दूसरा आयोजन अपने साथ निराशा लाया। सदस्यों की संख्या बढ़ने के बजाए घटकर दो रह गई। आज ग्रुप में 150 सदस्य हैं, जिनमें एक्टिव मेंबर 70 के आसपास हैं। ज्यादातर रिटायर्ड लोग हैं। बरेली के अलावा लखनऊ, कानपुर, नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, आगरा, मुंबई, बीकानेर, इंदौर के साथ ही अमेरिका और आस्ट्रेलिया से लोग शामिल होते हैं। बरेली से तकरीबन 25 लोग इस ग्रुप में हैं। अब ग्रुप को रजिस्टर्ड भी करा लिया गया है और इसका नाम हो गया है 'गा लो-मुस्कुरा लो' वेल्फेयर सोसायटी। यह सोसायटी वेल्फेयर के काम भी करती है। इसके अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना और सचिव अरुण कुमार शर्मा हैं। श्री शर्मा कहते हैं कि पत्नी कंचन शर्मा के बिना यह आयोजन हो पाना संभव नहीं है। उनका बराबर का सहयोग रहता है।

कैसे होता है आयोजन

इसका आयोजन हर संडे को शाम चार बजे होता है और रात आठ बजे तक चलता है। टीम ने वाट्सऐप पर एक ग्रुप बना रखा है। प्रोग्राम में शामिल होने वाले साथी रविवार को दोपहर दो बजे तक अपना नाम और गाना ग्रुप में भेज देते हैं। अरुण शर्मा इसे कोआर्डिनेट करते हैं और एक लिस्ट बनाते हैं। फिर पौने चार बजे तक सभी जूम ऐप पर ऑनलाइन जुड़ जाते हैं और अपने क्रम के हिसाब से गीत पेश करते हैं। खास बात यह है कि गीत के साथ संगीत भी होता है। इसके लिए एक ऐप का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें डूइट भी गाते हैं। अब तक इसके 289 प्रोग्राम हो चुके हैं।

संगीत ने खालीपन किया दूर

ग्रुप के अध्यक्ष अशोक कुमार सक्सेना ने बताया कि अरुण शर्मा के प्रोत्साहन से अब उन्होंने भी गाना शुरू किया है। इससे पहले उन्होंने कभी सार्वजनिक तौर पर गाने के बारे में सोचा भी नहीं था। वह कहते हैं, "संगीत ने रिटायरमेंट के खालीपन को भर दिया।" वह बरेली में सुरेश शर्मा नगर में रहते हैं। उन्होंने बताया कि ग्रुप में बहुत सारी ऐसी महिलाएं हैं, जिन्होंने पतियों के प्रोत्साहन से अब गाना शुरू किया है।

हर बार नया बैकग्राउंड

हर प्रोग्राम का एक नया बैक ग्राउंड होता है। इसे अरुण शर्मा खुद डिजाइन करते हैं। इसमें थीम के हिसाब से बैकग्राउंड होता है। ऊपर की तरफ थीम का नाम और नीचे उस दिन की तिथि और सन। जैसे साहिर लुधियानवी के स्पेशल प्रोग्राम की डिजाइन में उनकी एक तस्वीर थी और कुछ म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट। इसे रिकॉर्ड में भी रखा जाता है।

यूट्यूब चैनल भी

ग्रुप का अपना यूट्यूब चैनल भी है। हर संडे को होने वाले प्रोग्राम की बाकायादा रिकॉर्डिंग और एडिटिंग की जाती है। उस वीडियो को सभी मेंबरों को भेजने के साथ ही यूट्यूब पर भी अपलोड किया जाता है।

ऑफलाइन भी होता है प्रोग्राम

ग्रुप हर तीसरे महीने मंच पर भी प्रोग्राम का आयोजन करता है। इसमें ग्रुप से बाहर के लोग भी शिरकत करते हैं। यह काफी लोकप्रिय आयोजन है। इसे हर तीसरे महीने आयोजित किया जाता है। अब तक इसके 19 आयोजन हो चुके हैं।

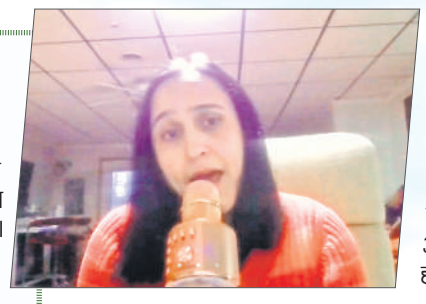

बरेली की नीरा जुड़ती हैं अमेरिका से

नीरा इस ग्रुप की एक्टिव मेंबर हैं। वह डेढ़ साल से इस ग्रुप से जुड़ी हैं। नीरा यहां बिहारीपुर में रहती थीं। उनके पिता दिवंगत रघुवीर नारायण मेहरोत्रा तिलक इंटर कॉलेज में टीचर थे। नीरा ने साहूराम स्वरूप महिला डिग्री कॉलेज से संगीत (गायन) में पीएचडी की है। शादी के बाद वह अमेरिका चली गईं। उन्होंने बताया कि उन्हें संडे का बेसब्री से इंतजार रहता है। उस वक्त अमेरिका में सुबह का वक्त रहता है। इस प्रोग्राम में शामिल होकर उनका पूरा दिन संगीतमय हो जाता है।

आस्ट्रेलिया से जुड़ते हैं अरविंद

अरविंद वर्मा पटना के हैं। बरेली उनकी ससुराल है। वह बरेली में स्टेट बैंक में मैनेजर थे। बरेली में सात साल रहे। बाद में आस्ट्रेलिया जा बसे। उन्हें भी इस प्रोग्राम की प्रतीक्षा रहती है। वह एक साल से इस ग्रुप से जुड़े हैं। वह आमतौर पर मन्ना डे, किशोर कुमार, तलत महमूद और हेमंत कुमार को गाना पसंद करते हैं।

फिजी रेडियो में गाते थे नीरज

नीरज टंडन बरेली के बैंक ऑफ बड़ौदा में एजीएम हैं। वह और उनकी पत्नी नीतू टंडन भी बराबर प्रोग्राम में शरीक होते हैं। नौकरी के सिलसिले में वह कई देशों में रहे हैं। वह बीओबी की फिजी ब्रांच में भी रहे। इस दौरान उन्होंने रेडियो फिजी में काफी प्रोग्राम किए। वह वहां गीत प्रस्तुत किया करते थे। इसे काफी पसंद किया जाता था। सिंगिंग उनका बचपन का पैशन है।

जॉब का पहला दिन

जब जिम्मेदारी ने गौरव का रूप लिया

मेरे जीवन की किताब में कुछ पन्ने ऐसे हैं, जिन्हें मैं जब भी पलटती हूं, तो उनकी चमक आज भी ताजा महसूस होती है। उन्हीं में से एक सबसे महत्वपूर्ण और यादगार पन्ना है 1 अगस्त 2011 का, जब पहली बार मैं बाराबंकी के मुंशी रघुनंदन प्रसाद सरदार पटेल महिला महाविद्यालय के प्राचार्या से मिली तो प्राचार्या ने कहा कि हमारे कॉलेज की बस प्रतिदिन लखनऊ से आती है, जिससे आपको यहां आने में कोई असुविधा नहीं होगी।

डॉ. रचना श्रीवास्तव
अवध विश्वविद्यालय
अयोध्या

विश्वविद्यालय में मेरे बतौर प्रोफेसर चयन की कहानी बड़ी दिलचस्प है। मैं एक बार दूरदर्शन का एक प्रोग्राम कर रही थीं। उस प्रोग्राम को विश्वविद्यालय की प्राचार्या भी देखकर रहीं थीं। उनको मेरी गायकी बहुत पसंद आई और मेरी प्रतिभा से प्रभावित होकर मुझे मिलने के लिए बुलाया। प्राचार्य ने साक्षात्कार के बाद स्टाफ के सदस्य को बुलाकर उसे स्टॉफ रूम ले जाने को कहा। स्टॉफ रूम में सभी सदस्य साड़ी पहने थीं। क्योंकि इस कॉलेज में साड़ी कंपलसरी थी, मैं भी साड़ी में ही गई थी। जिसे देखकर मेरे मन में आत्मविश्वास बढ़ा। यह देखकर मुझे परिसर परिवार जैसा लगने लगा।

उस सुबह की हवा में एक हल्की सी ठंडक थी, जो मन में उमड़ते उत्साह और आशंकाओं के बीच एक सुकून दे रही थी। जब मैंने विश्वविद्यालय के विशाल और हरे-भरे परिसर में कदम रखा, तो एक अजीब सा गर्व महसूस हुआ। वह शैक्षणिक वातावरण, विभागों की पुरानी, लेकिन भव्य इमारतें और छात्रों की चहल-पहल सब कुछ जैसे मुझे पुकार रहा था। मुझे अहसास हुआ कि आज से मेरी पहचान केवल एक व्यक्ति के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्र के निर्माता यानी एक 'शिक्षक' के रूप में होने वाली है।

विभाग पहुंचते ही विभागाध्यक्ष ने जिस गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया, उसने मेरी सारी हिचकिचाहट को पल भर में दूर कर दिया। सहकर्मियों का वह सहज और सहयोगी व्यवहार

मेरे लिए किसी वरदान से कम नहीं था, लेकिन असली चुनौती अभी बाकी थी। औपचारिकताओं के बीच मुझे बताया गया कि आज ही मेरी पहली कक्षा है। यह सुनकर मन में उत्साह तो था, पर साथ ही एक अनजानी घबराहट ने भी दस्तक दी।

जब मैं कक्षा के द्वार पर पहुंची, तो दर्जनों उत्सुक निगाहें मेरी ओर मुड़ गईं। वह मेरा पहला व्याख्यान था। मैंने अपनी आवाज को संयत किया और सहजता से संवाद शुरू किया। शुरुआत में शब्दों में थोड़ी झिझक थी, लेकिन जैसे ही मैंने विषय की गहराई में उतरना शुरू किया, मेरा आत्मविश्वास लौट आया। मैंने कोशिश की कि मैं केवल 'पढ़ाऊं' नहीं, बल्कि 'जुड़ूं'। जब छात्रों ने सवाल पूछना शुरू किया और कक्षा एक जीवंत चर्चा में तब्दील हो गई, तब मुझे लगा कि मैं अपनी बात उन तक पहुंचाने में सफल रही हूं।

कक्षा के बाद जब कुछ छात्र अपनी जिज्ञासाएं लेकर मेरे पास आए, तो मुझे एक बड़ी सच्चाई का अनुभव हुआ। एक शिक्षक केवल सूचनाओं का स्रोत नहीं होता, बल्कि वह एक मार्गदर्शक और प्रेरक भी होता है। उनकी आंखों की वह उम्मीद ही मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी।

दोपहर में स्टाफ रूम में वरिष्ठ सहयोगियों के साथ बिताया गया समय भी बहुत कीमती रहा। उनके अनुभवों से निकले सुझावों ने मुझे सिखाया कि अध्यापन केवल ब्लैकबोर्ड तक सीमित नहीं है, यह निरंतर सीखने की एक प्रक्रिया है। दिन ढलने पर जब मैं परिसर से बाहर निकली, तो शरीर में थकान तो थी, लेकिन मन आत्मसंतुष्टि और गहरी खुशी से भरा था। वह दिन मेरे लिए केवल एक करियर की शुरुआत नहीं, बल्कि एक ऐसे संकल्प का आगाज था, जिसमें ज्ञान बांटने और समाज को एक नई दिशा देने का अवसर छुपा था। आज भी जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं, तो वह दिन मुझे याद दिलाता है कि सपनों को जीने का साहस ही हमें जीवन के सबसे यादगार पल देता है।

नई कहानी के प्रमुख स्तंभ शेखर जोशी

शेखर जोशी की गणना हिन्दी साहित्य के प्रमुख कहानीकारों में की जाती है। उन्होंने नई कहानी के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई। वे मर्मस्पर्शी कहानियों के प्रमुख कथाशिल्पी थे। उनकी कहानियों में आम आदमी का प्रतिबिंब झलकता है।

शेखर जोशी का जन्म 10 सितंबर 1932 को अल्मोड़ा जिले के सोमेश्वर गांव में हुआ था। सोमेश्वर को पहाड़ी भाषा में ओलिया भी कहते थे। उनके पिता एक साधारण किसान थे। इसलिए उनका बचपन अभावों में बीता। शेखर जोशी की शिक्षा अजमेर और देहरादून में हुई थी। इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान ही उनका चयन सुरक्षा विभाग में ई.एम.ई. अप्रेन्टिसशिप के लिए हो गया। 1996 तक वे एक सैनिक औद्योगिक प्रतिष्ठान में सेवारत रहे। इसके बाद उन्होंने स्वैच्छिक रूप से त्यागपत्र दे दिया और स्वतंत्र रूप से लेखन कार्य में जुट गए।

उनकी रुचि कहानी लेखन में थी इसलिए उन्होंने कहानियां लिखना प्रारंभ कीं। आम आदमी को केन्द्र मानकर पारिवारिक एवं सामाजिक ताने-बाने पर बुनी उनकी कहानियां बहुत लोकप्रिय हुईं। उनकी कहानियों की प्रसिद्धि देश की सीमाओं को पार कर विदेशों तक जा पहुंची और उनकी गणना हिन्दी के अग्रिम पंक्ति के कहानीकारों में होने लगी। अपनी साहित्य यात्रा के दौरान उन्होंने 'कोशी के घटवार', 'दाज्यू', 'बदबू', 'मेटल', 'पेड़ की याद', नौरंगी बीमार है' तथा प्रतिनिधि कहानियां जैसी अमर कृतियों की रचना की। उनको विशेष प्रसिद्धि 'कोशी के घटवार' से मिली। उनकी कुछ कहानियों का अनुवाद अंग्रेजी, चेक, पोलिश एवं रूसी भाषाओं में भी हुआ। उनकी एक कहानी "दाज्यू" पर बाल फिल्म भी बनी।

उन्होंने कई उपन्यास भी लिखे। 'अथ मूषक उवाच', 'हलवाला', 'साथ के लोग', 'मेरा पहाड़', 'चींटी के पर' आदि शामिल हैं। मगर उन्हें विशेष प्रसिद्धि कहानीकार के रूप में मिली। शेखर की कहानियों में पहाड़ी जीवन, पहाड़ी संस्कृति एवं पहाड़ी परिवेश की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिलती है। उनका जन्म एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था इसलिए उनकी कहानियों में गरीबी, उत्पीड़न, नारी संघर्ष तथा पहाड़ी ग्रामीण समाज में फैली रुढ़ियों का सजीव चित्रण मिलता है। उन्होंने पहाड़ी जीवन के कठोर यथार्थ को अपनी कहानियों के माध्यम से समाज तक पहुंचाने का सफल प्रयास किया है। इसलिए उनकी कहानियां जीवंत प्रतीत होती हैं।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

शेखर जोशी को उनकी कालजयी कहानियों के लिए कई प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया। सन् 1987 में उन्हें उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान से महावीर प्रसाद द्विवेदी साहित्य सम्मान से समादृत किया गया। सन् 1995 में हिन्दी साहित्य का अति प्रतिष्ठित सम्मान साहित्य भूषण प्रदान किया गया। सन् 1997 में उन्हें 'पहल' सम्मान व 'मैथिलीशरण गुप्त' सम्मान से समादृत किया गया। अभी कुछ समय पूर्व उन्हें 'श्री लाल शुक्ल सम्मान' भी दिया गया। आज वे हमारे मध्य नहीं हैं, मगर अपनी कालजयी रचनाओं के रूप में वे सदैव अमर रहेंगे। उनकी कृतियां हिन्दी साहित्य की अनमोल धरोहर हैं।

नौकरी छोड़ गुलाबी फल से बदली अपनी किस्मत

कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों और सोच वैज्ञानिक, तो मिट्टी भी सोना उगलने लगती है। बरेली के भोजीपुरा स्थित गांव महिमा पट्टी निवासी यशपाल (48) ने इसे सच कर दिखाया है। एमबीए की पढ़ाई के बाद एक निजी कंपनी में नौकरी करने वाले यशपाल ने कोरोना काल के संकट को अवसर में बदलते हुए खेती को अपना बिजनेस बनाया। आज वे गुलाबी फल, जिसे दुनिया "ड्रैगन फ्रूट" के नाम से जानती है, की खेती कर सालाना लाखों रुपये का मुनाफा कमा रहे हैं। यशपाल बताते हैं कि उनका लक्ष्य हमेशा से बिजनेस करना था, इसीलिए उन्होंने एमबीए किया। 2020 में जब कोरोना की लहर ने नौकरियों पर संकट खड़ा किया, तो उन्होंने निजी नौकरी छोड़ने का साहसिक फैसला लिया। हालात सामान्य होने पर उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती का मन बनाया और इसके गुर सीखने के लिए महाराष्ट्र और गुजरात के मॉडल फार्म्स का दौरा कर वहां से विधिवत प्रशिक्षण लिया।

– महिपाल गंगवार, बरेली

यशपाल ने 2023 में महज 48 पौधों के साथ ड्रैगन फ्रूट फैक्ट्री की शुरुआत की थी। आज वैज्ञानिक पद्धति और कड़ी मेहनत के दम पर उनके पास 25 हजार पौधे हैं। यशपाल के अनुसार, यह एक लॉन्ग टर्म बिजनेस है, जिसमें निवेश केवल एक बार करना होता है। तीन एकड़ में फैली इस खेती से वे सालाना 10 से 12 लाख रुपये कमा रहे हैं। एक बार बाग पूरी तरह तैयार होने पर सालाना मुनाफा 20 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। इस सफलता में यशपाल के बड़े भाई और सेवानिवृत्त सैनिक सूरजपाल उनका पूरा साथ देते हैं। आज यशपाल न केवल खुद आत्मनिर्भर बने हैं, बल्कि उन्होंने 10 लोगों को रोजगार भी दिया है। वे अब तक चार नए फार्म खुलवा चुके हैं और अन्य किसानों को भी इस आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दे रहे हैं। वह कहते हैं कि सबसे बड़ी राहत की बात यह है कि उन्हें मंडी के चक्कर नहीं काटने पड़ते, फल की गुणवत्ता ऐसी है कि व्यापारी खुद खेत पर आकर ड्रैगन फ्रूट ले जाते हैं, जिससे उन्हें मार्केटिंग की कोई चिंता नहीं रहती। उनका साफ कहना है कि अगर विजन वैज्ञानिक हो, तो खेती किसी भी कॉर्पोरेट नौकरी से बेहतर रिटर्न दे सकती है।

औषधीय गुणों से होता है भरपूर ड्रैगन फ्रूट

ड्रैगन फ्रूट की ऊपरी सतह पर गुलाबी और लाल रंग का होता है, जबकि अंदर का भाग पीले रंग का होता है। इसके सेवन से रक्ताल्पता की समस्या दूर होती है। साथ ही फाइबर और विटामिन सी की अच्छी मात्रा होने के चलते इस फल के सेवन से कई और बीमारियों में काफी हद तक निजात मिलती है। ड्रैगन फ्रूट के पौधे को 36 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान और हल्के पानी की आवश्यकता होती है और इसकी खेती से बहुत सकारात्मक परिणाम मिलते हैं।

सीएफआई ने एलएंडटी के एमवी सतीश को अध्यक्ष चुना

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले निकाय कंस्ट्रक्शन फेडरेशन आफ इंडिया (सीएफआई) ने एमवी सतीश को संस्था का अध्यक्ष चुना है। सीएफआई ने कहा कि उसने नई राष्ट्रीय परिषद का गठन किया है और दो वर्ष के कार्यकाल (वित्त वर्ष 2026-27 और 2027-28) के लिए पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2685, राज श्री 2050, फ़ॉर्चून कि. 2780, रविन्द्रा 2670, फॉर्चुन 13 किग्रा 2440, जय जवान 2215, सचिन 2350, सूरज 2215, अवसर 2145, उजाला 2200, गृहणी 13 किग्रा 2175, क्लासिक (किग्रा) 2560, मोर 2420, चक्र टिन 2655, ब्लू 2425, आशीर्वाद मस्टर्ड 2530, स्वास्तिक 2640

किराना : निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवाइन 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, **प्रति किलो :** लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल प्रति कुंटल : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 9000, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1 किग्रा ,5 किग्रा) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 9000, गौरी प्रीमियम 10800, सूमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4200

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450, मलका दाल 7450-9600, मलका छांटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10300-11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100-11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी : पीलीभीत 4300, बहेड़ी 4260

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती 3400, मसूरी 1200, बासमती 7600-7900, परमल 1400-3800

दाल दलहन : काली चना 2000-3400, साबुत चना दाल 1000, मूंग साबुत 5400, राजमा 7500-12600, दाल उड़द 5000, साबुत मसूर दाल 2200, मसूर दाल 1200, उड़द साबुत 10600, काबुली चना 5200-10200, अरहर दाल 10200 -12000, लोबिया/करमानी- 1900-3400

आध्यात्मिक राजधानी बनेगा यूपी, रोडमैप तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकसित उत्तर प्रदेश 2047 विजन के तहत प्रदेश को विश्व की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी बनाने की दिशा में पर्यटन विभाग ने विस्तृत रोडमैप तैयार किया है। इसके तहत पर्यटन आधारित सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में यूपी की हिस्सेदारी को मौजूदा 9.2% से बढ़ाकर वर्ष 2047 तक 16% तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।

रोडमैप के अनुसार वर्ष 2029-30 तक जीवीए में 11 प्रतिशत, वर्ष 2035-36 तक 14 प्रतिशत और वर्ष 2046-47 तक 16 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने की योजना है। इसके लिए पर्यटन अवसंरचना को तेजी से विकसित किया जाएगा। प्रदेश में पर्यटकों के लिए उपलब्ध कमरों की संख्या को वर्तमान में प्रति लाख आबादी पर 30 से बढ़ाकर 2047 तक 150 करने का लक्ष्य है। साथ ही विदेशी पर्यटकों के ठहरने की औसत अवधि को तीन रात से बढ़ाकर छह रात तक ले जाने की योजना है।

पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए भी लक्ष्य तय किए हैं। वर्ष 2025 में महाकुंभ सहित विभिन्न स्थलों पर कुल 66 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, अन्य स्थलों पर 64.9 करोड़ पर्यटक आए। इसे 2029-30 तक 75 करोड़ और 2047 तक 100 करोड़ तक ले जाने की योजना है। वैश्विक पहचान को मजबूत करने के लिए यूनेस्को से मान्यता प्राप्त विरासतों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। अभी सात विरासतों वाले प्रदेश में 2029-30 तक 8, 2035-36 तक 14 और 2047 तक 20 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। काशी, अयोध्या, प्रयागराज और मथुरा-वृंदावन जैसे धार्मिक स्थलों के विकास के जरिए प्रदेश को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन केंद्र बनाने पर काम किया जा रहा है। इस पहल से पर्यटन को तो बढ़ावा मिलेगा ही, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी।

आईआईए और एयूएस के बीच 16 ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर

समझौते होने के बाद एयूएस के प्रतिनिधियों के साथ आईआईए के अध्यक्ष दिनेश गोयल।

नामसाई, अमृत विचार। उत्तर-पूर्वी भारत में औद्योगिक क्रांति और सतत विकास को गति देने के लिए इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन का 35 सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष दिनेश गोयल के नेतृत्व में अरुणाचल प्रदेश के दौरे पर है। इस दौरान नामसाई स्थित 'अरुणाचल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडीज' (एयूएस) के सहयोग से आयोजित 'व्यापार सम्मेलन और अरुणाचल निवेशक शिखर सम्मेलन' में क्षेत्र के आर्थिक कायाकल्प के लिए 16 महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। शिखर सम्मेलन का उद्घाटन अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासांग दोरजी सोना ने किया। इस अवसर पर नामसाई के विधायक चौ जिंगनु नामचूम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष वांगलिन लोवांगडोंग और एयूएस के अध्यक्ष डॉ. अश्वनी लोचन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए दिनेश गोयल ने कहा कि नामसाई, तिनसुकिया और आसपास के जिलों के उद्यमियों की सक्रिय भागीदारी उत्साहजनक है। हमने यहाँ विशेष रूप से हरित उद्योगों को प्रोत्साहित करने पर बल दिया है। हमारा लक्ष्य ऐसे निवेश को बढ़ावा देना है जो आजीविका के अवसर पैदा करने के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करें और अरुणाचल प्रदेश में सतत विकास को मजबूती प्रदान करें। शिखर सम्मेलन की सबसे बड़ी उपलब्धि एयूएस के 'यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री इंटरलिंकेज सेंटर' और आईआईए के सदस्य उद्योगों के बीच हुए 16 समझौते रहे। श्री गोयल ने इन समझौतों को पूर्वोत्तर के युवाओं और उद्यमियों के लिए नवाचार और अवसरों की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया। आईआईए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल और कुलपति प्रो. अजय झा ने भी इस साझेदारी को ऐतिहासिक करार दिया। एयूएस प्रबंधन ने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि विश्वविद्यालय उत्तर-पूर्वी राज्यों के निवेशकों और स्थानीय उद्यमियों के बीच एक मजबूत सेतु का काम करेगा, जिससे क्षेत्र में एक आत्मनिर्भर उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो सके।

अरुणाचल में खुलेगा निवेश का द्वार

नामसाई में आईआईए के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत।

इंडक्शन हीटर और बर्तनों का उत्पादन बढ़ाने के उपाय ढूंढने में जुटी सरकार

एलपीजी संकट से निपटने की तैयारी, वाणिज्य मंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक की

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण एलपीजी की उपलब्धता की चिंता के बीच इंडक्शन हीटर व उससे जुड़े बर्तनों की मांग बढ़ गई है, लिहाजा सरकार ने इनका उत्पादन बढ़ाने के उपाय तलाशने शुरू कर दिए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें कंपनियों को इनका उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के तरीकों पर चर्चा की गई।

पश्चिम एशिया संकट ने होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल और गैस ले जाने वाले जहाजों की आवाजाही को बाधित कर दिया है। इससे खाना पकाने की गैस की आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं और लोग इंडक्शन हीटर और उसके अनुकूल बर्तन खरीद रहे हैं। बैठक में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल के साथ ऊर्जा सचिव, विदेश व्यापार महानिदेशक (डीजीएफटी) और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि बैठक में चर्चा की गई कि इंडक्शन हीटर और उससे जुड़े इंडक्शन कुकर जैसे बर्तनों का उत्पादन किस तरह तेजी से बढ़ाया जा सकता है।

बेंगलुरू के एक पेट्रोल पंप पर शुक्रवार को एलपीजी भरवाने के लिए लगी टेंपो की कतार।

एलपीजी आपूर्ति स्थिर घबराहट में बुक न करें

नई दिल्ली। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने दोहराया है कि पश्चिम एशिया संकट के बावजूद देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर एवं पर्याप्त है और घरेलू उपलब्धता उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। लिहाजा लोग घबराहट में बुकिंग न करें। कंपनी के अनुसार, वह प्रतिदिन करीब 28 लाख एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति कर रही है जो मौजूदा तनाव से पहले के सामान्य स्तर के अनुरूप है। घरों तक निर्बाध आपूर्ति जारी है।

पाकिस्तान में पेट्रोल 43 प्रतिशत, डीजल 55 प्रतिशत महंगा हुआ

इस्लामाबाद। वैश्विक तेल कीमतों में आए उछाल के बीच पाकिस्तान ने पेट्रोल और हाईस्पीड डीजल की कीमतों में 43 प्रतिशत और 55 प्रतिशत की भारी वृद्धि की घोषणा की है। इस फैसले के तहत पेट्रोल की कीमत 321.17 रुपये से 137.23 रुपये प्रति लीटर यानी करीब 42.7 प्रतिशत बढ़ाकर 458.41 रुपये प्रति लीटर कर दी गई। हाईस्पीड डीजल की कीमत 335.86 रुपये से 184.49 रुपये प्रति लीटर यानी करीब 55 प्रतिशत बढ़ाकर 520.35 रुपये प्रति लीटर कर दी गई। इसके साथ, केरोसिन तेल की कीमत भी 34.08 रुपये प्रति लीटर बढ़ाकर 457.80 रुपये कर दी गई है। पाकिस्तान सरकार ने डीजल की कीमतों में वृद्धि को सीमित रखने के लिए पेट्रोलियम शुल्क दरों में भी बदलाव किया है। पेट्रोल पर शुल्क 105 रुपये से बढ़ाकर 160 रुपये लीटर कर दिया गया जबकि डीजल पर 55 रुपये प्रति लीटर के शुल्क को घटाकर शून्य कर दिया गया। पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने इसे एक मुश्किल फैसला करार देते हुए कहा कि इसका मकसद सब्सिडी को केवल जरूरतमंद वर्गों तक सीमित रखना और वित्तीय अनुशासन बनाए रखना है।

समुद्री भोजन निर्यात को वैश्विक प्रतिस्पर्धी बनाने की तैयारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वैश्विक सीफूड बाजार में पैठ बढ़ाने के लिए निर्यात विविधीकरण और गुणवत्ता मानकों को अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप बनाने की दिशा में सक्रिय प्रयास शुरू किए हैं।

कहा गया है कि प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत सरकार चुनिंदा वस्तुओं पर निर्भरता कम करने और उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए उच्च मूल्य वाली प्रजातियों की जलीय कृषि को बढ़ावा दे रही है। निर्यात श्रृंखला को मजबूत करने के लिए मत्स्य विभाग मछली बीज उत्पादन, आधुनिक मत्स्य बंदरगाहों के निर्माण और निर्बाध शीत श्रृंखला नेटवर्क जैसे बुनियादी ढांचे में निवेश कर रहा है।

बांझपन के इलाज में एआई का इस्तेमाल हो

नई दिल्ली। बांझपन के इलाज से जुड़ी कंपनी गॉडियम आईवीएफ एंड वूमन हेल्थ लिमिटेड ने देश में एआई की मदद से बांझपन के उपचार की पेशकश की है। कंपनी के मुताबिक, इसके तहत उन्नत भ्रूण-विज्ञान प्रौद्योगिकी को इलाज के तरीकों में शामिल किया गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में साप्ताहिक 10.29 अरब डॉलर की गिरावट

मुंबई। देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में साप्ताहिक आधार पर करीब 10.29 अरब डॉलर घटकर 688.06 अरब डॉलर के स्तर पर रहा। पिछले साल इसी समय की तुलना में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 22.66 अरब डॉलर ऊंचा है। भारतीय रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 27 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी परिसम्पत्तियां उससे एक साल पहले की तुलना में 6.62 अरब डॉलर घट कर 551.07 अरब डॉलर के स्तर पर रहीं। इस सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 3.66 अरब डॉलर घट कर 113.52 अरब डॉलर के बराबर रहा।

छोटे अपराधों से जुड़े अदालती मामलों को वापस लें

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंशा जताई है कि सभी सरकारी विभाग छोटे अपराधों से जुड़े अदालती मामलों को वापस लेने पर विचार करें, ताकि जन विश्वास संशोधन विधेयक के अनुरूप न्यायपालिका पर बोझ कम हो और जीवन की सुगमता को बढ़ाया जा सके।

संसद ने कारोबारी माहौल को बेहतर बनाने और कारोबारियों के उत्पीड़न को रोकने के लिए 79 केंद्रीय कानूनों के 784 प्रावधानों में संशोधन करने और लगभग 1,000 छोटे अपराधों को फौजदारी की श्रेणी से बाहर करने के लिए बृहस्पतिवार को जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2026 पारित किया था।

उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा, कानून में बदलावों के कारण इन सभी प्रावधानों की समीक्षा की जा सकती है। हम कानून मंत्रालय के साथ इस मुद्दे पर तय करेंगे कि संबंधित विभागों को इस बारे में किस तरह अवगत कराया जाए।

बौद्ध कॉन्क्लेव में 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **कुशीनगर बना वैश्विक केंद्र, 2300 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी**
- **यूपी में होटल, टाउनशिप और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश की बड़ी संभावनाएं**

अमृत विचार: कुशीनगर में आयोजित इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्क्लेव-2026 ने उत्तर प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। तीन दिवसीय इस आयोजन में करीब तीन हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव सामने आए, जिससे पर्यटन और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में तेजी आने की उम्मीद है।

कॉन्क्लेव में 2300 से अधिक बौद्ध श्रद्धालुओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें दो हजार से अधिक भिक्षु, विद्वान और नीति-निर्माता शामिल थे। वहीं थाइलैंड, जापान, म्यांमार, भूटान और नेपाल से 300 से अधिक विदेशी मेहमान पहुंचे। इस दौरान होटल-रिजॉर्ट, रियल एस्टेट, बायो-सीएनजी और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों में निवेशकों ने रुचि दिखाई। साथ ही कुशीनगर में दो नए टाउनशिप विकसित करने की योजना पर भी चर्चा हुई।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह आयोजन प्रदेश को वैश्विक बौद्ध पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करने में सफल रहा है। उन्होंने बताया कि निवेश प्रस्तावों से होटल, परिवहन और पर्यटन क्षेत्र में तेजी आएगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। कॉन्क्लेव में यह भी जोर दिया गया कि बौद्ध पर्यटन को केवल तीर्थयात्रा तक सीमित न रखकर इसे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सतत विकास से जोड़ा जाए।

कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की बेहतर कनेक्टिविटी को भी निवेश आकर्षित करने में अहम बताया गया। अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बौद्ध सर्किट तेजी से मजबूत हो रहा है। वर्ष 2025 में प्रदेश के छह प्रमुख बौद्ध स्थलों पर 82 लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे, जो इसकी बढ़ती वैश्विक लोकप्रियता का प्रमाण है।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

न्यायिक अधिकारियों के घेराव के लिए एआईएमआईएम व आईएसएफ दोषी

हरिरामपुर, एजेंसी

ममता बनर्जी ने लगाया आरोप, कहा- भाजपा और कांग्रेस ने उपद्रवियों को उकसाया, मुख्य आरोपी को भाजपा लाई थी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मालदा जिले में न्यायिक अधिकारियों का घेराव करने के लिए शुक्रवार को एआईएमआईएम और आईएसएफ को दोषी ठहराया, साथ ही आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस ने उपद्रवियों को उकसाया।

दक्षिण दिनाजपुर जिले के हरिरामपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा ने मुख्य आरोपी को एआईएमआईएम से लिया और हैदराबाद से यहां लेकर आई। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) उन लोगों के साथ है। भाजपा के साथ कांग्रेस ने भी उकसाने का काम किया है। सीआईडी ने मुख्य आरोपी और अधिवक्ता मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा हवाई अड्डे से उस समय गिरफ्तार किया जब वह भागने की कोशिश कर रहा था। उन्होंने कहा, मालदा के मोथाबाड़ी में हिंसा की साजिश इन्हीं लोगों ने रची थी। पश्चिम बंगाल में अशांति फैलाने के लिए बाहर से गुंडों को लाने का आरोप लगाते हुए ममता बनर्जी ने कहा, उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को भी नहीं बख्शा।

ममता ने एआईएमआईएम पर आरोप लगाया कि उसने बिहार चुनाव में मतों को विभाजित करके भाजपा को चुनाव जीतने में मदद की। राज्य में जारी एसआईआर के दौरान मतदाताओं के नाम हटाए जाने पर सहानुभति जताते हुए ममता ने कहा कि उन्होंने मतदाता सूची में उनके नाम शामिल किए जाने के लिए लड़ाई लड़ी है। उन्होंने सवाल उठाया कि विधानसभा चुनाव उसी सूची के आधार पर क्यों नहीं कराए जा सकते, जिसका इस्तेमाल 2024 के आम चुनाव में किया गया था। कहा, अगर मतदाता सूची में घुसपैठियों के नाम थे तो इससे पहले मोदी भी उनके वोट से चुनाव जीत चुके हैं इसलिए उन्हें तो सबसे पहले इस्तीफा देना चाहिए।

दक्षिण दिनाजपुर में चुनावी सभा में पहुंची ममता।

> मोथाबाड़ी में कई घंटों तक न्यायिक अधिकारियों को घेरे रखने की साजिश रचने वाले मुख्य आरोपी को राज्य के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने गिरफ्तार किया है। यह विभाग अब तक निर्वाचन आयोग के बजाय मेरे नियंत्रण में है। – **ममता बनर्जी**

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने चेन्नई में चुनाव प्रचार किया।

तमिलनाडुः भाजपा ने 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की

नई दिल्ली/चेन्नई। भाजपा ने तमिलनाडु के लिए शुक्रवार को 27 उम्मीदवारों की सूची जारी की। पार्टी ने केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन को अवनाशी जबकि तेलंगाना की पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन को मायलापुर सीट से मैदान में उतारा है। अटकलें थीं कि पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के अन्नामलाई भी चुनाव में किस्मत आजमाएंगे। हालांकि, अन्नामलाई ने पिता के स्वास्थ्य का हवाला देते हुए पार्टी से चुनाव प्रबंधक की जिम्मेदारी से मुक्त करने का अनुरोध किया था।

बंगाल और तमिलनाडु के चुनाव नतीजो को प्रभावित करने को बुलाया विशेष सत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि सरकार ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव के नतीजों को प्रभावित करने तथा चुनावी लाभ हासिल करने के लिए इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है, जो चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने इस बात पर जोर दिया कि परिसीमन की प्रक्रिया में जल्दबाजी के खतरनाक नतीजे होंगे तथा हम राज्य स्तर पर लोकसभा सीटों की संख्या के तुलनात्मक अंतर में बदलाव नहीं चाहते। उन्होंने कहा, यह जानकारी भी मिली है कि लोकसभा की सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की समानुपातिक वृद्धि की जाएगी और अगर ऐसा होता है तो दक्षिण, पश्चिम और पूर्वोत्तर भारत के छोटे राज्यों को नुकसान होगा। रमेश ने दावा भी किया कि महिला आरक्षण के विषय पर सरकार 30 महीने बाद जागी है तथा प्रधानमंत्री मोदी महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन करके दोबारा श्रेय लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के साथ परिसीमन का भी एकतरफा फैसला किया और विपक्ष के साथ कोई बातचीत नहीं की। महिला आरक्षण विधेयक पारित करने के लिए संसद का वर्तमान बजट सत्र बढ़ा दिया गया और अब लोकसभा तथा राज्यसभा की अगली बैठक 16 अप्रैल को होगी। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, संसद का वर्तमान बजट सत्र बृहस्पतिवार, दो अप्रैल को ही संपन्न होना था।

- **कांग्रेस ने लगाया आरोप कहा- ये चुनाव आचार संहिता का घोर उल्लंघन**

तमिलनाडुः कांग्रेस ने जारी की 27 नामों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने तमिलनाडु विधानसभा के लिए शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष के सेल्वपेरुठन्गे सहित 27 उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। कांग्रेस ने 234 सदस्यों वाली तमिलनाडु विधानसभा के लिए जिन उम्मीदवारों की सूची जारी की है उसमें पूर्व विधायक के सेल्वापेरुन्थगई तथा एएम मुनिरत्नम भी शामिल हैं। पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने इन उम्मीदवारों के नाम का चयन किया है। कांग्रेस का विधानसभा चुनाव के लिए सत्तारुढ़ द्रमुक के साथ गठबंधन है।

बंगाल : शिक्षक भर्ती प्रक्रिया रुकी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच 2022 प्राथमिक शिक्षक अहर्ता परीक्षा (टीईटी) में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की साक्षात्कार प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। लिखित परीक्षा 11 दिसंबर 2022 को हुई थी और इसके परिणाम 10 फरवरी 2023 को घोषित किए गए थे। पश्चिम बंगाल शिक्षा बोर्ड ने इस साल 12 मार्च को अधिसूचना जारी कर साक्षात्कार कार्यक्रम घोषित किया था।

मोदी-हिमंत ने आदिवासियों के विकास के लिए रोडमैप बनाया : अमित शाह

दुधनोई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। उन्होंने इस रोडमैप को लागू करने के लिए राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

ग्वालपाड़ा जिले के दुधनोई में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन मोदी ने इस चलन को बदल दिया और द्रौपदी मुर्मू भारत की राष्ट्रपति बनीं। उन्होंने कहा, केंद्र में प्रधानमंत्री और यहां असम में मुख्यमंत्री के पास राज्य में आदिवासियों के विकास के लिए एक रोडमैप है। लोग भाजपा को लगातार तीसरी बार जनादेश देते हैं, तो इसे आगे बढ़ाया जाएगा। शाह ने कांग्रेस पर पलाशबाड़ी में आईआईएम की स्थापना के लिए लाए गए विधेयक को रोकने की कोशिश का भी आरोप लगाया।

- **केंद्रीय गृहमंत्री ने चुनावी जनसभा में की राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी कराने की अपील**

बंगाल में चुनाव के लिए अतिरिक्त सीएपीएफ बलों की तैनाती की

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के आदेश जारी किए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पश्चिम बंगाल में चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद भी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 500 कंपनियां मतगणना पूरी होने के बाद भी राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात रहेंगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

रूसी सुखोई-30 हुआ विमान क्रीमिया में क्रैश

मॉस्को। एक सुखोई-30 लड़ाकू विमान शुक्रवार को क्रीमिया में सामान्य प्रशिक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मीडिया में आईं खबरों में बताया गया है कि दोनों पायलट सुरक्षित रूप से विमान से बाहर कूद गए। आरबीसी बिजनेस पोर्टल ने रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए बताया कि चालक दल के सदस्य सुरक्षित रूप से विमान से कूद गए और उन्हें जमीनी तलाश एवं बचाव दल ने बचा लिया। पायलट खतरे से बाहर हैं। अत्यंत शक्तिशाली लड़ाकू विमान माना जाने वाला सुखोई-30 प्रशिक्षण उड़ान पर था। रक्षा मंत्रालय ने हालांकि दुर्घटना के संभावित कारण या अन्य परिस्थितियों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। इससे पहले 31 मार्च की शाम को क्रीमिया में एक एएन-26 सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था।

पूर्वी कांगो में विद्रोहियों के हमले में 43 की मौत

गोमा। आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट से जुड़े विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो में कम से कम 43 लोगों की हत्या कर दी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज' (एडीएफ) के लड़ाकों ने बुधवार रात बाफवाकोआ गांव में नागरिकों को निशाना बनाया। युगांडा में इस्लामिक स्टेट से जुड़ा यह विद्रोही समूह खुली सीमा के दोनों ओर सक्रिय है। नागरिक समाज से जुड़े एक संगठन के सदस्य सैमुअल बनापिया ने फोन पर बताया कि उन्होंने गांव में घरों को आग लगा दी। कांगो की सेना ने कहा कि 43 लोग मारे गए हैं, जबकि स्थानीय अधिकारियों के अनुसार मृतकों की संख्या कम से कम 56 है। कई लोग लापता हैं और कम से कम दो लोगों को बंधक बनाया गया है। कांगो की सेना एडीएफ सहित पूर्वी क्षेत्र में कई अन्य विद्रोही समूहों से जूझ रही है।

सूडान में अस्पताल पर ड्रोन हमले में 10 की मौत

काहिरा। सूडान के अर्धसैनिक बलों द्वारा बृहस्पतिवार को देश के दक्षिण-मध्य भाग में स्थित एक अस्पताल पर ड्रोन से किये गए हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स नामक समूह ने बताया कि सूडानी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने व्हाइट नाइल प्रांत के अल-जबलैन अस्पताल पर ड्रोन से दो हमले किए। इस हमले में एक ऑपरेशन थिएटर और एक प्रसूति वार्ड को निशाना बनाया गया। समूह ने बताया कि सेना और आरएसएफ के बीच गृहयुद्ध जारी है और इन ड्रोन हमलों में सात चिकित्सा कर्मियों सहित 10 लोग मारे गए

सीबीएसई कक्षा 6 से तीन भाषा प्रणाली लागू करेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नये फार्मूल में कक्षा 9 के लिए गणित, विज्ञान के दो स्तर होंगे**

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने अपना नया शैक्षिक कार्यक्रम लागू कर दिया है, जिसके तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान की दो-स्तरीय प्रणाली तथा कक्षा 6 से तीन-भाषा फॉर्मूले का चरणबद्ध कार्यान्वयन शुरू किया जाएगा।

सीबीएसई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि 2026 से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत अनिवार्य तीन-भाषा फार्मूला कक्षा 6 के लिए लागू किया जाएगा, जबकि कक्षा 9 के लिए गणित और विज्ञान में अनिवार्य मानक एवं वैकल्पिक उन्नत पाठ्यक्रमों की दो-स्तरीय प्रणाली शुरू की जाएगी। अधिकारी ने कहा कि भाषाओं को तीन चरणों-आर1, आर2 और आर3-में एक सुव्यवस्थित तीन-भाषा ढांचे के तहत व्यवस्थित किया गया है।

नए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे की सिफारिशों के अनुसार, इन तीन भाषाओं में से दो भारत की मूल भाषाएं होनी चाहिए। कहा कि बहुभाषी शिक्षा के चरणबद्ध कार्यान्वयन के बोर्ड के प्रयासों को जारी रखते हुए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से कक्षा 6 से तीसरी भाषा को अनिवार्य कर दिया जाएगा।

दुनिया के अस्तित्व पर गहराता संकट

21वीं सदी में दुनिया एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहां कूटनीति की भाषा धीरे-धीरे परमाणु निवारण की गूंज में दबती जा रही है। अमेरिका और ईरान के बीच दशकों से चला आ रहा तनाव वैश्विक परमाणु सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। अमेरिका का स्पष्ट रुख है कि वह ईरान को परमाणु शक्ति संपन्न देश नहीं बनने देगा, जबकि ईरान का तर्क है कि उसका परमाणु कार्यक्रम ऊर्जा और शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है। इस रस्साकशी के बीच, दुनिया के कई अन्य देश भी गोपनीय तरीके से अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने में लगे हैं, जिससे एक नई और खतरनाक हथियारों की दौड़ शुरू हो गई है। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी इस आग को बुझाने की कोशिश में जुटी है, लेकिन महाशक्तियों के बीच बंटी दुनिया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की गुटबाजी ने इस संकट को और गहरा कर दिया है।

बढ़ता परमाणु खतरा

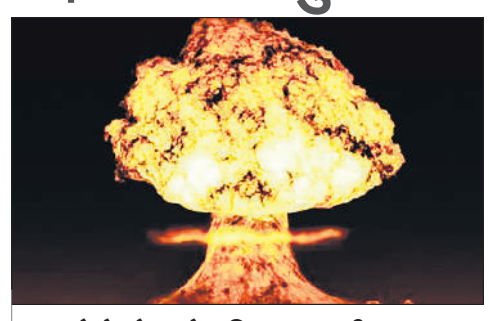

खतरे के केंद्र में एशिया महाद्वीप

- एशिया, जो दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला महाद्वीप है, इस खतरे के केंद्र में है। ईरान का मुद्दा सीधे तौर पर पश्चिम और दक्षिण एशिया की सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। यदि यह तनाव युद्ध में बदलता है, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि प्रलयंकारी होंगे। भारत जैसे देशों के लिए यह स्थिति ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन बनाए रखने की एक कठिन परीक्षा है। अगले कुछ वर्षों में वैश्विक नेतृत्व का कौशल इस बात पर निर्भर करेगा कि वे परमाणु प्रसार को रोकने और दुनिया को एक और महाविनाश से बचाने में कितने सफल होते हैं।

आईएईए की भूमिका

- परमाणु प्रहरी : आईएईए दुनिया की परमाणु प्रहरी है। इसका मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना है कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग केवल शांतिपूर्ण कार्यों के लिए हो।
- निगरानी और निरीक्षण : आईएईए के निरीक्षक संदिग्ध परमाणु केंद्रों का दौरा करते हैं और सीसीटीवी कैमरों व सील के जरिए यूरेनियम की मात्रा पर नजर रखते हैं।
- तकनीकी रिपोर्टिंग : एजेंसी संयुक्त राष्ट्र को नियमित रिपोर्ट देती है कि क्या कोई देश परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के नियमों का उल्लंघन कर रहा है।

हालिया रिपोर्ट

- चिंताजनक : आईएईए की हालिया रिपोर्टों में चिंता जताई गई है कि ईरान ने 60% शुद्धता तक यूरेनियम का भंडार बढ़ा लिया है। 60 से 90% (हथियार ग्रेड) तक पहुँचना तकनीकी रूप से बहुत आसान और कम समय लेने वाला काम है।
- निरीक्षण में बाधा : ईरान ने कई मौकों पर आईएईए निरीक्षकों के प्रवेश पर रोक लगाई है, जिससे गोपनीय परमाणु कार्यक्रम की आशंका और प्रबल हो गई है।

संरा सुरक्षा परिषद का रुख

- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान पर कई आर्थिक और सैन्य प्रतिबंध लगाए हैं ताकि उसे परमाणु कार्यक्रम रोकने पर मजबूर किया जा सके। ● जहाँ अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ईरान पर सख्त कार्रवाई चाहते हैं, वहीं रूस और चीन सॉफ्ट रुख अपनाते हैं।

भारत और एशिया के समक्ष चुनौती

- ऊर्जा सुरक्षा : भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भर है। युद्ध होने पर तेल की कीमतें आसमान छूएँगी, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है।
- सामरिक संतुलन : यदि ईरान परमाणु बम बनाता है, तो सऊदी अरब और तुर्की जैसे देश भी परमाणु हथियार की दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिससे एशिया एक परमाणु बारूद घर बन जाएगा।
- चाबहार और कनेक्टिविटी : भारत का ईरान में चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट और मध्य एशिया तक पहुँचने का रास्ता खतरे में पड़ सकता है।

वाणिज्यिक पोतों, तेल टैंकरों की सुरक्षा में नौसेना की भूमिका महत्वपूर्ण : राजनाथ

आईएनएस तारागिरी नौसेना में औपचारिक रूप से शामिल, विशाखापत्तनम में जलावतरण

विशाखापत्तनम, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि ऊर्जा आपूर्ति समेत देश का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है और ऐसे में उभरते समुद्री खतरों के बीच वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा में भारतीय नौसेना की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां आईएनएस तारागिरी के जलावतरण समारोह को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर में लगातार अपनी उपस्थिति बनाए रखती है, चाहे वह फारस की खाड़ी हो या मलक्का जलडमरूमध्य।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब भी कोई संकट आता है, चाहे वह लोगों को निकालने का अभियान हो या मानवीय सहायता पहुंचाना, हमारी नौसेना हमेशा सबसे आगे रहती है। मुझे लगता है कि हमारी नौसेना भारत के मूल्यों और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मेरा मानना है कि आईएनएस तारागिरी के सेवा में शामिल होने से हमारी नौसेना की शक्ति, मूल्यों एवं प्रति बद्धता में और भी वृद्धि होगी।

पश्चिम एशिया में मौजूदा परिस्थितियों के कारण तेल आपूर्ति में बाधा और टैंकरों को रोके जाने की स्थिति के बीच रक्षामंत्री की ये टिप्पणियां महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सक्षम नौसेना देश के लिए विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि समुद्र में कई संवेदनशील क्षेत्र हैं, जहां हमारी नौसेना लगातार सक्रिय उपस्थिति बनाए रखती है ताकि वस्तुओं की आपूर्ति सुचारु बनी रहे। जब भी वहां तनाव की स्थिति उत्पन्न होती है, भारतीय नौसेना हमारे वाणिज्यिक जहाजों और तेल टैंकरों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय नौसेना ने यह साबित किया है कि वह न केवल देश के हितों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुनिया भर में अपने नागरिकों और व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर कदम उठा सकती है। उन्होंने कहा कि यह क्षमता भारत को एक ज़िम्मेदार समुद्री शक्ति बनाती है।

दुश्मन की गतिविधियों पर हर पल होगी भारत की नजर

रक्षा मंत्री के अनुसार, आईएनएस तारागिरी ऐसी प्रणाली से लैस है जिसे दुश्मन की गतिविधियों पर नज़र रखने, अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और ज़रूरत पड़ने पर तुरंत जवाबी कार्रवाई करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सिंह ने कहा कि इसमें आधुनिक रडार, सोनार और मिसाइल प्रणालियां शामिल हैं जैसे कि ब्रह्मोस और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, जो इसकी अभियानगत क्षमता को और बढ़ाती हैं। उन्होंने कहा कि तीव्र युद्ध से लेकर समुद्री सुरक्षा, समुद्री दस्यु-रोधी अभियानों, तटीय निगरानी और मानवीय मिशन तक-यह हर भूमिका में पूरी तरह से उपयुक्त बैठता है, जो इसे एक अद्वितीय नौसैन्य मंच बनाता है। प्रोजेक्ट 17ए के तहत चौथे प्लेटफॉर्म के रूप में, तारागिरी 6,670 टन वजनी युद्धपोत है, जिसे मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड द्वारा निर्मित किया गया है। यह उन्नत डिज़ाइन और इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का बेजोड़ उदाहरण है। यह जटिल समुद्री वातावरण में गुप्त अभियान चलाने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्षम है।

परमाणु चालित पनडुब्बी अरिदमन सेवा में शामिल

नई दिल्ली। भारत ने स्वदेशी रूप से निर्मित अपनी नई परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को शुक्रवार को सेवा में शामिल कर लिया, जिससे देश के परमाणु त्रय के नौसैन्य घटक को और मजबूती मिली है। भारत का परमाणु-चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) कार्यक्रम एक अत्यंत गोपनीय परियोजना है। आईएनएस अरिहंत एसएसबीएन परियोजना के तहत पहली पनडुब्बी थी, जिसके बाद दूसरी पनडुब्बी आईएनएस अरिघात आई। भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल है, जिनके पास परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां हैं। जिन देशों के पास ऐसी क्षमताएं हैं, उनमें अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस और चीन शामिल हैं।

म्यांमार की संसद ने मौजूदा जनरल मिन आंग ह्लाइंग को चुना राष्ट्रपति

बैंकॉक, एजेंसी

- **ह्लाइंग ने ही किया था आंग सू की सरकार को सत्ता से बेदखल**

म्यांमार की संसद ने शुक्रवार को मिन आंग ह्लाइंग को देश का नया राष्ट्रपति चुन लिया जो सेना के जनरल रह चुके हैं। ह्लाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की असैन्य सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया था और पिछले पांच वर्षों से सत्ता पर अपना कड़ा नियंत्रण बनाए रखा। यह कदम औपचारिक रूप से निर्वाचित सरकार की वापसी को दर्शाता है।

हालांकि व्यापक रूप से इसे सेना द्वारा आयोजित चुनाव के बाद सत्ता में बने रहने के उसके प्रयास के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि विरोधियों और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों ने इस चुनाव को न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष माना है। निर्वाचित सरकार की स्थापना होने से, देश में सैन्य तख्तापलट के बाद दक्षिण-पूर्वी एशिया के कुछ पड़ोसी देशों के साथ बिगड़े संबंधों के सुधरने की उम्मीद है। चीन और रूस ने सैन्य प्रशासन का समर्थन किया है, जबकि पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं। मिन आंग ह्लाइंग राष्ट्रपति पद के लिए तीन नामांकित व्यक्तियों में से एक थे, लेकिन सैन्य समर्थित दलों के सांसदों और सेना द्वारा नियुक्त सदस्यों का संसद में भारी बहुमत होने के कारण उनकी नियुक्ति लगभग तय मानी जा रही थी।

मतदान राजधानी नेपीताव में नवनिर्मित संसद भवन में हुआ, जो पिछले साल आए भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गया था। संसद के संयुक्त ऊपरी और निचले सदन के अध्यक्ष आंग लिन ड्वे ने घोषणा की कि मिन आंग ह्लाइंग ने 584 में से 429 वोट हासिल किए हैं। दूसरे स्थान पर रहे दोनों उम्मीदवार उपराष्ट्रपति बने हैं। पूर्व जनरल न्यो सॉ, जो मिन आंग ह्लाइंग के सलाहकार रह चुके हैं और सैन्य समर्थक यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी की करेन जातीय समूह की नेता नान नी नी ऐ देश की पहली महिला उपराष्ट्रपति होंगी। इन तीनों का शपथ ग्रहण

आर्टेमिस-2 के अंतरिक्ष यात्री चांद की ओर रवाना

केप केनवरल। नासा के आर्टेमिस-2 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने बृहस्पतिवार रात अपने इंजन चालू किए और चंद्रमा की ओर प्रस्थान किया, जिससे दशकों तक पृथ्वी की कक्षा तक सीमित रहे मानव कदम अब चांद की ओर बढ़ गए हैं। प्रक्षेपण के 25 घंटे तक पृथ्वी के करीब रहने के बाद हुआ यह 'ट्रांसलूनर इग्निशन' तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री को अगले सप्ताह की शुरुआत में चंद्रमा के पास से गुजरने की दिशा में ले जाएगा। उनका ओरियन कैप्सूल पृथ्वी की कक्षा से निकलकर लगभग चार लाख किलोमीटर दूर चंद्रमा की ओर बढ़ गया है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा की अधिकारी लोरी ग्लेज ने कहा कि मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि 1972 में अपोलो-17 के बाद पहली बार इंसान पृथ्वी की कक्षा से बाहर गए हैं। उन्होंने बताया कि इंजन का संचालन पूरी तरह सफल रहा। कनाडाई अंतरिक्ष यात्री जेरेमी हैनसेन ने कहा कि वह और उनके साथी खिड़कियों से पृथ्वी को दूर जाते हुए देख रहे थे और यह दृश्य अद्भुत था। हैनसेन ने कहा कि मानवता ने एक बार फिर दिखा दिया है कि हम क्या कर सकते हैं और भविष्य के लिए आपकी उम्मीदें ही हमें चंद्रमा की यात्रा पर आगे बढ़ा रही हैं।

- **मिशन में शामिल हैं तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री**

दलितों से माफी मांगेंगे नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के देश के दलितों पर सदियों से हो रहे अत्याचार को लेकर माफी मांगने के ऐलान का आम लोगों, सामाजिक संगठनों ने दिल खोल कर स्वागत किया है। गौरतलब है कि नेपाल में दलित समुदाय को दशकों से देश की राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं से व्यवस्थित रूप से बाहर रखा गया है। उनको पीढ़ियों से, सामाजिक जगहों और सरकारी तंत्र, दोनों में ही गंभीर अन्याय और अमानवीय व्यवहार का सामना करना पड़ा है। सदियों से चले आ रहे इस उत्पीड़न को स्वीकार करते हुए, प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली नई सरकार ने अपने 100-सूत्रीय कार्ययोजना के हिस्से के तौर पर, दलितों और ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों से औपचारिक रूप से माफी मांगने और 15 दिनों के भीतर उनके उत्थान के लिए विशेष सुधार कार्यक्रमों की घोषणा करने का फैसला किया। उनके इस ऐलान का दलित समुदाय के नेताओं, समाज सुधार के लिए काम करने वाले संगठनों ने खुशी का इजहार किया है। उन्होंने यह भी कहा है कि यह सही दिशा में उठाया गया कदम है लेकिन यह अपने आप में पर्याप्त नहीं है। स्थानीय मीडिया काठमांडू पोस्ट ने लिखा है कि यह एक दुर्लभ और महत्वपूर्ण क्षण है। फिर भी, वास्तविक बदलाव लाकर इस माफी को सार्थक बनाना, कहने में जितना आसान है, करने में उतना ही मुश्किल है।

माफी मांगने के प्रधानमंत्री के ऐलान का आमजन और संगठनों ने किया स्वागत

महावीर सिंघवी बने टोरंटो में भारत के महावाणिज्यदूत

ओटावा। वरिष्ठ राजनयिक महावीर सिंघवी ने टोरंटो में भारत के नये महावाणिज्यदूत के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब नई दिल्ली और ओटावा व्यापार, निवेश एवं ऊर्जा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक विस्तार देने की कोशिशों में जुटे हैं। सिंघवी भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के 1999 बैच के अधिकारी हैं। वह नई भूमिका संभालने से पहले नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत थे।

अमेरिका सेना प्रमुख जनरल रैंडी को हटाया

वाशिंगटन। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया है। इसके अलावा दो अन्य उच्च सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया है। यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान संघर्ष को लेकर राष्ट्र के नाम संबोधन के एक दिन बाद गुरुवार को आया है। ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य हमलों को और तेज करेगा। उन्होंने संकेत दिया कि यह संघर्ष अगले दो से तीन हफ्तों में समाप्त हो सकता है।

जनरल जॉर्ज के अलावा दो अन्य उच्च पदस्थ सैन्य अधिकारियों को भी बर्खास्त किया गया है। इनमें मेजर जनरल विलियम ग्रीन जूनियर और जनरल डेविड होडने शामिल हैं। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, ये कदम इस अस्थिर दौर में रक्षा विभाग के ढांचे को नया रूप देने के रक्षा मंत्री के व्यापक प्रयासों का हिस्सा हैं। हालांकि जनरल जॉर्ज के कार्यकाल में एक साल से अधिक का समय शेष था।

रोका जाए पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है कि पांचवें हफ्ते में पहुंच चुका ईरान युद्ध पूरे क्षेत्र को एक व्यापक संघर्ष की ओर धकेल रहा है, जिससे वैश्विक आर्थिक और मानवीय संकट पैदा हो सकता है। इसे तत्काल रोका जाना चाहिए गुटेरेस ने गुरुवार को प्रेस वार्ता के दौरान कहा, यह युद्ध जितने दिन खिंचेगा, मानवीय पीड़ा उतनी ही बढ़ेगी। हम एक व्यापक युद्ध के मुहाने पर हैं जो पूरे पश्चिमी एशिया को अपनी चपेट में ले लेगा और इसका दुनिया भर में नाटकीय असर होगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने इसके वैश्विक आर्थिक और मानवीय परिणामों पर जोर देते हुए फिलीपींस से लेकर श्रीलंका और मोजाम्बिक तक के कमजोर समुदायों पर खाद्य और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य की ओर इशारा करते हुए चेतावनी दी कि जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता में बाधा आने से दुनिया के सबसे गरीब लोगों के लिए खतरा पैदा हो गया है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। स्वाति नक्षत्र आपके निर्णयों को तीक्ष्ण बनाएगा। निवेश सोच-समझकर करें।

वृष आज संबंधों में मधुरता रहेगी। चंद्र तुला से पारिवारिक सामंजस्य बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर, पर खर्च भी बढ़ सकते हैं।

मिथुन आज बौद्धिक क्षमता शिखर पर। प्रतियोगी परीक्षा, लेखन और स्क्रिप्टिंग सबमें सफलता मिलेगी। कोई नया अवसर मिल सकता है।

कर्क आज चंद्रमा की स्थिति मानसिक हलचल ला सकती है। घर-परिवार में सहमति बनेगी। वाहन चलाते समय सावधानी।

सिंह आज आकर्षण और करिश्मा बढ़ेगा। लोगों पर प्रभाव जमाएंगे। मीडिया, क्रिएटिविटी और पब्लिक डीलिंग वालों के लिए लाभप्रद है।

कन्या आज आपकी योजना और रणनीति सफल रहेगी। व्यापार में विस्तार, नौकरी में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

तुला आज चंद्रमा आपकी राशि में आत्मविश्वास, सौंदर्य, लोकप्रियता सब बढ़ेगा। अधिक भावुक निर्णय से बचें।

वृश्चिक आज गुप्त शत्रु शांत होंगे। न्याय आपके पक्ष में होगा। भूमि-भवन से लाभ होगा। ध्यान-योग लाभकारी रहेगी।

धनु आज धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। कोई अनुभवी व्यक्ति मार्गदर्शन देगा। लक्ष्य स्पष्ट होंगे। दांपत्य में सामंजस्य मजबूत होगा।

मकर आज करियर में मजबूत स्थितियां रहेंगी। रूके हुए काम पूरे होंगे। नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

कुंभ आज यात्रा, व्यापार, कम्युनिकेशन सब आपके पक्ष में होगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात लाभ देगी।

मीन आज के दिन नए काम की शुरुआत शुभ होगी। मंगल-शनि का प्रभाव आपको दृढ़ और कार्यशील बनाएगा। आर्थिक वृद्धि के संकेत हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

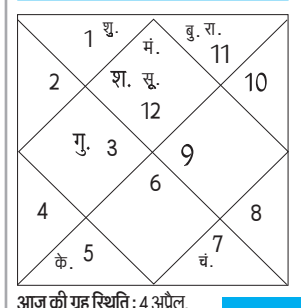

आज की ग्रह स्थिति : 4 अप्रैल, शनिवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 10.08 तक तत्पश्चात तृतीया।

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु-** वसंत।
चन्द्रबल- मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- स्वाती 21.35 तक तत्पश्चात विशाखा।

सुडोकू - 108 का हल

4	2	3	7	6	9	8	1	5
8	6	1	5	4	3	7	2	9
9	7	5	1	8	2	3	4	6
1	3	7	6	9	5	4	8	2
6	5	8	3	2	4	1	9	7
2	4	9	8	1	7	6	5	3
3	9	2	4	7	8	5	6	1
5	8	6	9	3	1	2	7	4
7	1	4	2	5	6	9	3	8

सुडोकू -109

					4	7		9
4		1		3		8		
		2		5		4		
2	7						3	4
		5				9		
6	8			9			5	
		3				2		
		7		4		5		6
9			7					

मुक्त न्याय

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ बोले-प्रौद्योगिकी ने संवैधानिक संस्थाओं की जगह नहीं ली, माहौल बदल दिया

अदालती कार्यवाही के प्रसारण से मजबूत होती है जवाबदेही

अहमदाबाद, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश विक्रम नाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रौद्योगिकी ने संवैधानिक संस्थाओं की जगह नहीं ली है, बल्कि उस माहौल को बदल दिया है, जिसमें उनकी वैधता स्थापित होती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल एकीकरण अब सिर्फ़ एक अतिरिक्त चीज नहीं, बल्कि एक प्रक्रियागत नियम बन गया है। वह यहां डिजिटल गणराज्य में मुक्त न्याय विषय पर 21वां न्यायमूर्ति पीडी. देसाई स्मृति व्याख्यान दे रहे थे।

न्यायमूर्ति नाथ ने कहा कि अदालती कार्यवाही के इंटरनेट के माध्यम से सीधे प्रसारण से व्यवस्था के अंदर जवाबदेही मजबूत होती है, आम लोगों तक पहुंच बढ़ती है, संस्था अपने लोगों से जुड़ी रहती है, और यह भारत में कानूनी साक्षरता को बेहतर बनाने का सबसे असरदार जरिया बन सकती है। उन्होंने कहा कि आज नागरिक फोन और सोशल मीडिया मंचों के जरिये सीखते हैं, परिचर्चा करते हैं, आलोचना करते हैं और हिस्सा लेते हैं। सार्वजनिक जवाबदेही अब तेजी से डिजिटल क्षेत्रों में आकार ले रही है। प्रौद्योगिकी ने संवैधानिक संस्थाओं की जगह नहीं ली है, लेकिन इसने उस माहौल को बदल दिया है जिसमें उनकी वैधता आकार लेती है। उन्होंने कहा कि अगर प्रौद्योगिकी गरिमा और निष्पक्षता से समझौता किए बिना पब्लिक गैलरी का विस्तार कर सकती है, तो खुलापन उस संवैधानिक वादे के और करीब आ जाता है, जिसका लाभ आम नागरिक उठा सकते हैं।

संस्थागत प्रवृत्ति से ही संवैधानिक विचार सार्थक

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ ने बताया कि कोई भी संवैधानिक विचार तभी सार्थक होता है, जब वह संस्थागत प्रवृत्ति में बदल जाए। न्यायमूर्ति नाथ उस समय गुजरात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, जब 26 अक्टूबर 2020 को कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान अदालत की कार्यवाही का यूट्यूब पर सीधा प्रसारण शुरू किया गया था। ऐसा करने वाला यह देश का पहला हाईकोर्ट था। जुलाई 2021 में पूरी अदालत की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग भी शुरू कर दी गई।

पाकिस्तान के प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में आत्मघाती कार हमले में पांच की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम में एक पुलिस थाने को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती कार हमले में बृहस्पतिवार देर रात एक ही परिवार के चार सदस्य समेत पांच लोगों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शुक्रवार बताया कि आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से भरी अपनी गाड़ी को खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू जिले की डोमेल तहसील स्थित पुलिस थाने के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी, जिससे एक जोरदार धमाका हुआ। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उसकी आवाज कई मील दूर तक सुनाई दी, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। विस्फोट के तुरंत बाद गोलीबारी शुरू हो गई, जिससे इलाके में तनाव और बढ़ गया। किसी भी समूह ने तत्काल हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बचाव दल ने मौके से पांच शव बरामद किए हैं।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का कोई इरादा नहीं है। परिवार को समय देने के लिए उन्होंने संन्यास का फैसला किया था। मैंने दो सप्ताह तक सोचा, लेकिन फिर फैसला लिया कि वापसी नहीं करनी है।
–हेनरिच क्लासेन

स्टेडियम

बरेली, शनिवार, 4 अप्रैल 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

1. दिल्ली कैपिटल्स
बनाम
मुंबई इंडियंस
समय - दोपहर 3:30 बजे

2. राजस्थान रॉयल्स
बनाम
गुजरात टाइटंस
समय - शाम 7:30 बजे

हाईलाइट

डेल स्टेन की स्विंग ने तेज गेंदबाज बनने के लिए किया प्रेरित : नबी

मुंबई। जम्मू कश्मीर के खिलाड़ी औकिब नबी ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन की तेज गति से गेंद को स्विंग कराने की क्षमता ने उन्हें तेज गेंदबाज बनने के लिए प्रेरित किया। इस साल जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी में पहली बार खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले नबी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल हैं। उन्हें शनिवार को दिल्ली के घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने का मौका मिल सकता है। नबी ने जियो हॉटस्टार से कहा बचपन में मैं डेल स्टेन को गेंदबाजी करते हुए देखता था। जिस तरह से वह तेज गति से गेंद को स्विंग कराते थे, उससे मुझे तेज गेंदबाज बनने की प्रेरणा मिली और उम्मीद है कि एक दिन मैं भारत के लिए खेलूंगा। उन्होंने कहा क्रिकेट खेलने के कारण मुझे पिता से बहुत डांट पड़ती थी। वह नहीं चाहते थे कि मैं क्रिकेटर बनूं। वह चाहते थे कि मैं डॉक्टर बनूं।

पंजाब ने चेन्नई को उसी के घर पर दी मात, लगातार दूसरी जीत दर्ज की

आईपीएल-2026 : कप्तान श्रेयस अय्यर, प्रभसिमरन और प्रियांश ने खेलीं विस्फोटक पारियां

चेन्नई, एजेंसी

कप्तान श्रेयस अय्यर (50), प्रभसिमरन सिंह (43) और प्रियांश आर्य (39) की विस्फोटक पारियों की बदौलत पंजाब किंग्स ने शुक्रवार को आईपीएल 2026 के सातवें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को उसके घरेलू मैदान पर आठ गेंदें शेष रहते पांच विकेट से शिकस्त देते हुए टूर्नामेंट में अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पंजाब किंग्स की टीम चार अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

210 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़ कर अच्छी शुरुआत की। पांचवें ओवर में मैट हेनरी ने प्रियांश आर्य को आउट कर चेन्नई को पहली सफलता दिलाई। प्रियांश आर्य ने तीन चौके और चार छक्के उड़ाते हुए 39 रन बनाये। नौवें ओवर में प्रभसिमरन सिंह रनआउट हुये। प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 43 रनों की पारी खेली। इसके बाद 12वें ओवर में अंशुल काम्बोज ने कूपर कॉनली का शिकार कर लिया। कूपर कॉनली ने 22 गेंदों में छह चौके लगाते हए 36 रन बनाये। 17वें ओवर में अंशुल काम्बोज ने श्रेयस अय्यर आउट कर पंजाब को चौथा झटका दिया। श्रेयस अय्यर ने 29 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। अगले ही ओवर में मैट हेनरी ने नेहाल बढ़ेर (10) का शिकार कर पंजाब किंग्स को संकट में डाल दिया। पंजाब किंग्स ने 18.4 ओवरों में पांच विकेट पर 210 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से अपने नाम कर लिया। शशांक सिंह (14) और मार्कस स्टॉयनिस (नौ) रन बनाकर नाबाद रहे।

यह चेन्नई सुपर किंग्स की घरेलू मैदान में यह छठी हार है और अंक तालिक में सबसे निचले पायदान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स ने मैट हेनरी और अंशुल काम्बोज ने दो-दो विकेट लिये। इससे पहले आज यहां आयुष म्हात्रे (73) और शिवम दुबे (नाबाद 45) की शानदार पारियों की मदद से चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पांच विकेट पर 209 रनों का स्कोर बनाया। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दूसरे ओवर में जेवियर बार्टलेट ने संजू सैमसन (सात) को आउट कर पंजाब को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये आयुष म्हात्रे ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े। 12वें ओवर में यजुवेंद्र चहल ने ऋतुराज गायकवाड़ को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ऋतुराज गायकवाड़ ने 22 गेंदों में दो चौके लगाते हुए 28 रन बनाये। अगले ही ओवर में विजयकुमार वैशक ने आयुष म्हात्रे का भी शिकार कर लिया। आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में पांच छक्के और छह चौके लगाते हुए 73 रनों की पारी खेली। कार्तिक शर्मा एक रन बनाकर चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। सरफराज खान ने 12 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए 32 रन बनाये। उन्हें विजयकुमार वैशक ने आउट किया।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर। एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स

209/5 (20 ओवर)

संजू सैमसन का प्रभसिमरन बो बार्टलेट	07
रूतुराज गायकवाड़ का वढेरा बो चहल	28
आयुष म्हात्रे का चहल बो विशाख	73
शिवम दुबे नाबाद	45
कार्तिक शर्मा पगबाधा बो यानसेन	01
सरफराज खान का वढेरा बो विशाख	32
प्रशांत वीर नाबाद	06
अतिरिक्त : 17 रन	

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-41-0, बार्टलेट 4-0-48-1, यानसेन 4-0-43-1, विशाख 4-0-38-2, चहल 3-0-21-1, स्टोइनिस 1-0-17-0

पंजाब किंग्स

210/5 (18.4 ओवर)

प्रियांश आर्य बो हेनरी	49
प्रभसिमरन सिंह रन आउट	43
कूपर कोनोली का हेनरी बो कम्बोज	36
श्रेयस अय्यर का चाहर बो कम्बोज	50
निहाल वढेरा का नूर अहमद बो हेनरी	10
शशांक सिंह नाबाद	14
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	09
अतिरिक्त : नौ रन	

गेंदबाजी : खलील 3-0-28-0, हेनरी 4-0-54-2, कम्बोज 3.4-0-43-2, नूर 4-0-38-0, चाहर 4-0-46-0

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	2	2	0	0	4	0.637
2.	राजस्थान रॉयल्स	1	1	0	0	2	4.171
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	1	1	0	0	2	2.907
4.	दिल्ली कैपिटल्स	1	1	0	0	2	1.397
5.	मुंबई इंडियंस	1	1	0	0	2	0.687
6.	सनराइज़र्स हैदराबाद	2	1	1	0	2	0.469
7.	गुजरात टाइटंस	1	0	1	0	0	-0.509
8.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	1	0	1	0	0	-1.397
9.	कोलकाता नाइट राइडर्स	2	0	2	0	0	-1.964
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	2	0	2	0	0	-2.562

ऑरेंज कैप

कूपर कॉनली
पंजाब किंग्स 108
अंगकृष रघुवंशी
केकेआर 103
ईशान किशन
हैदराबाद 94 रन

पर्पल कैप

विजयकुमार वैशक
पंजाब 5 विकेट
जयदेव उनादकट
हैदराबाद 4 विकेट
ब्लेसिंग मुजरबानी
केकेआर 4 विकेट

ग्रीन ने केकेआर का बिगाड़ दिया संतुलन : गावस्कर

- बोले-टीम को एक और विशेषज्ञ बल्लेबाज को लाने पर विचार करना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने शुक्रवार को कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) से एक और विशेषज्ञ बल्लेबाज को लाने पर विचार करने की बात कही क्योंकि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की सीमित भूमिका ने इस आईपीएल में उनकी टीम का संतुलन बिगाड़ दिया है।

ग्रीन को आईपीएल से संन्यास ले चुके आंद्रे रसेल की जगह नीलामी में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा गया था और वह क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के कार्यभार प्रबंधन के कारण केकेआर के पहले दो मैच में गेंदबाजी नहीं कर पाए। यह बात टीम प्रबंधन को पसंद नहीं आई। गावस्कर ने कहा अगर कैमरन ग्रीन गेंदबाजी नहीं करने वाले हैं तो केकेआर को अपने संयोजन के बारे में सोचना होगा। अगर वह गेंद से योगदान नहीं दे रहे हैं तो उन्हें किसी दूसरे विशेषज्ञ बल्लेबाज को लाने पर विचार करना पड़ सकता है। मुंबई इंडियंस से हार से अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद केकेआर को बृहस्पतिवार को सनराजइर्स हैदराबाद से 65 रन से एक और हार का सामना करना पड़ा।

गावस्कर ने कहा हम जानते हैं कि उसने आईपीएल में शतक जड़ा है। वह अच्छी बल्लेबाजी कर सकता है लेकिन हाल में उसकी फॉर्म अच्छी नहीं रही है।

मुंबई के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम पर होगी निगाह

- पिछले मैच में पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे केएल राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली कैपिटल्स शनिवार को यहां जब अपने घरेलू मैदान पर पहले मैच में आत्मविश्वास से ओतप्रोत मुंबई इंडियंस का सामना करेगा तो सभी की निगाहें उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर टिकी होगी। दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले साल पारी की शुरुआत करने के लिए सात जोड़ियों को आजमाया था। उम्मीद की जा रही थी कि इस साल वह इसमें अधिक स्थिरता लाएगा, लेकिन शुरुआती संकेतों से पता चलता है कि समस्या अब भी बनी हुई है।

दिल्ली कैपिटल्स पहले मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 142 रन का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत नहीं कर पाया था। केएल राहुल पहली ही गेंद पर आउट हो गए, जबकि नितीश राणा और पथुम निस्सांका भी नहीं टिक पाए जिससे उसका स्कोर चार विकेट पर 26 रन हो गया। इसके बाद 22 वर्षीय समीर रिजवी ने 'इंपैक्ट प्लेयर' के रूप में उतरकर संयम और परिपक्वता का शानदार परिचय देते हुए नाबाद अर्धशतक लगाया। इन्होंने अनुभवी ट्रिस्टन स्टब्स के साथ मिलकर 119 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को छह विकेट से जीत दिलाई थी। रिजवी का प्रदर्शन दिल्ली के लिए अच्छा संकेत है लेकिन शीर्ष क्रम में उसकी कमजोरी चिंता का विषय है। अब उसे जसप्रीत बुमराह के अगुवाई वाले मुंबई के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करना है और उसके लिए यह आसान नहीं होगा। अपने पहले आईपीएल खिताब की तलाश में जुटी कैपिटल्स की टीम शीर्ष क्रम में अधिक स्थिरता देखने के लिए उत्सुक होगी। उसके पास दो विकल्प हैं। या तो पिछले सत्र में अच्छा प्रदर्शन करने अभिषेक पोरेल या फिर निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे पृथ्वी साव पर भरोसा दिखाए। दिल्ली की गेंदबाजों का सामना अब रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा जैसे बल्लेबाजों से होगा और इसलिए उन्हें अपनी गति में विविधता और स्पिन पर नियंत्रण रखने की जरूरत पड़ेगी। मुंबई इंडियंस पिछले कई वर्षों से आईपीएल में अच्छी शुरुआत नहीं कर पा रहा था लेकिन इस बार उसने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ जीत हासिल करने पहले मैच में हार के 14 साल के सिलसिले को खत्म कर दिया।

अभ्यास सत्र के दौरान मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव (दाएं) और दिल्ली कैपिटल्स के मुकेश कुमार। एजेंसी

टीम

दिल्ली कैपिटल्स : अभिषेक पोरेल, केएल राहुल, नितीश राणा, समीर रिज़वी, ट्रिस्टन स्टब्स, अक्षर पटेल, आशुतोष शर्मा, दुष्मंथा चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विप्रज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, औकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी साव, काइल जैमीसन, अजय जादव मंडल, टी नटराजन, माधव तिवारी, करुण नायर, साहिल पारख।

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, दानिश मालेवार, रॉबिन मिंज, रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, अथर्व अंकोलेकर, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक्स, मयंक रावत, नमन धीर, मिचेल सेंटनर, शार्दुल ठाकुर, तिलक वर्मा, अश्विनी कुमार, ट्रेंट बोल्ट, जसप्रीत बुमराह, दीपक चाहर, एएम गजनफर, मयंक मार्कंडेय, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा।

अहमदाबाद में अभ्यास सत्र के दौरान गुजरात टाइटंस के राशिद खान। एजेंसी

सूर्यवंशी के सामने टाइटंस के तेज गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

अहमदाबाद, एजेंसी

कैगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण देखने में तो काफी खतरनाक लगता है, लेकिन शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मैच में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर 'वंडर ब्वाय' वैभव सूर्यवंशी के सामने उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पंद्रह वर्षीय सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने दूसरे सत्र की शानदार शुरुआत की।

उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ केवल 15 गेंद पर अर्धशतक जड़ दिया था जिससे उसकी टीम ने 127 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया था। सूर्यवंशी शनिवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में एक बार फिर से आक्रामक रुख अपनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन गुजरात टाइटंस का गेंदबाजी आक्रमण काफी मजबूत है जिसमें रबाडा, सिराज और प्रसिद्ध जैसे खतरनाक तेज गेंदबाज हैं। इस मैच में टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से बेहतर रणनीति अपनाने की उम्मीद की जाएगी क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में टीम की हार के दौरान उनके कुछ फैसलों की आलोचना हुई थी। इस मैच में जहां सिराज को केवल दो ओवर दिए गए थे वहीं प्रसिद्ध को 13वें ओवर में गेंदबाजी के लिए लाया गया था। बल्लेबाजी की बात करें तो नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग मानी जा रही है, जहां वे खुलकर बल्लेबाजी कर सकते हैं। टूर्नामेंट में अब तक सभी टीम ने लक्ष्य का पीछा करना अच्छा समझा है। राजस्थान रॉयल्स के पास नांद्रे बर्गर और जोफ्रा आर्चर जैसे दो अच्छे तेज गेंदबाज हैं तथा वह गिल, साई सुदर्शन और जोस बटलर को शुरुआती ओवरों में कड़ी चुनौती देना चाहेंगे। गुजरात टाइटंस की समस्या उसकी शीर्ष तीन बल्लेबाजों की पर अत्यधिक निर्भरता है। कप्तान गिल (27 गेंदों में 39 रन) और बटलर (33 गेंदों में 38 रन) दोनों ही मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने रंग में नहीं दिखे।

टीम

राजस्थान रॉयल्स : रियान पराग (कप्तान), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रवि सिंह, अमन पेराला, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जयसवाल, रवींद्र जड़ेजा, एडम मिल्ने, ब्रिजेश शर्मा, जोफ्रा आर्चर, कुलदीप सेन, क्वेना मफाका, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और संदीप शर्मा।

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, कुमार कुशाग्र, अनुज रावत, जोस बटलर, निशांत सिंधु, वॉशिंगटन सुंदर, अरशद खान, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, कैगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, गुरनूर सिंह बराड़, राशिद खान, मानव सुथार, साई किशोर, जयंत यादव।

मेरे स्ट्राइक रेट की आलोचना करने के पीछे खास एजेंडा : रहाणे

कोलकाता, एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अपने स्ट्राइक रेट को लेकर हो रही आलोचना के बारे में कहा कि इस चर्चा के पीछे एक 'खास एजेंडा' और 'ईर्ष्या' का भाव मौजूद है। केकेआर की आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों 65 रन की करारी हार के बाद रहाणे के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठने लगे हैं।

केकेआर की टीम 227 रन की लक्ष्य का पीछा करते हुए 16 ओवर में 161 रन पर आउट हो गयी। यह इस सत्र में उसकी लगातार दूसरी हार है। इस हार ने सारा ध्यान रहाणे के प्रदर्शन और स्ट्राइक रेट पर केंद्रित कर दिया। गुरुवार को 10 गेंदों में आठ रन बनाने वाले केकेआर के कप्तान ने आलोचनाओं पर अप्रत्याशित रूप से तल्ख रवैया अपनाया।

रहाणे ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा जहां तक मेरे स्ट्राइक रेट का सवाल है तो मुझे लगता है कि 2020 से अब तक मेरा स्ट्राइक रेट सबसे अच्छा रहा है। जो लोग मेरे बारे में बात कर रहे हैं, शायद वे मैच नहीं देख रहे हैं या उनके मन में मेरे खिलाफ कोई खास एजेंडा है। उन्हें मेरा खेलना पसंद नहीं है। उन्होंने कहा वे नहीं चाहते कि मैं खेलता रहूं। मैंने जितनी सफलता हासिल की है उसे देखकर शायद वे मुझसे ईर्ष्या करते हैं। मुझे इसकी ज्यादा चिंता नहीं है। भारतीय टीम से बाहर चल रहे इस खिलाड़ी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के लिए 10 पारियों में 161.57 के स्ट्राइक रेट से 391 रन बनाए थे। पिछले साल केकेआर आठवें स्थान पर रहा था लेकिन रहाणे ने टीम की तरफ से सर्वाधिक रन बनाए थे।

रहाणे बीच के ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बना पाए हैं। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पहले मैच में रहाणे ने पहली 18 गेंदों में 36 रन बनाए, लेकिन अगली 22 गेंदों में केवल 31 रन ही बना सके। रहाणे ने कहा जो लोग बातें कर रहे हैं उन्हें खेल की समझ नहीं है।

पहले ही मैच में घबराने की जरूरत नहीं : कुलदीप

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर कुलदीप यादव ने शुक्रवार को कहा कि आईपीएल में पहले ही मैच के बाद शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। दिल्ली कैपिटल्स ने टूर्नामेंट के पहले मैच में शीर्ष क्रम के चरमराने के बाद समीर रिजवी और ट्रिस्टन स्टब्स की मैच विजयी साझेदारी से छह विकेट से जीत हासिल की।

केएल राहुल पहली ही गेंद पर शून्य पर आउट हो गए जबकि पाथुम निसांका को रन बनाने में मुश्किल हुई और नीतिश राणा आक्रामक खेल दिखाने की कोशिश में आउट हो गए। मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच की पूर्व संध्या पर कुलदीप ने कहानीतिश कई साल से खेल रहे हैं और आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी हैं।

सही कदम | पिता योगराज सिंह के विवादित बयानों पर जताया अफसोस

युवराज ने धोनी और कपिल से मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय आलराउंडर युवराज सिंह ने कहा कि उनके पिता योगराज सिंह ने महेंद्र सिंह धोनी और कपिल देव के बारे में गुस्से में जो बातें कहीं, वे गलत थीं और इसके लिए माफी मांगते हैं।

उन्होंने कहा कि वह अपने पिता की इन विवादित बातों से सहमत नहीं हैं और इन खिलाड़ियों से दिल से माफी मांगते हैं। युवराज ने 'स्पोर्ट्स तक' के साथ एक पॉडकास्ट साक्षात्कार में अपने पिता के उस विवादित मुद्दे पर बात की जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय टीम से उनके बाहर होने के लिए धोनी को दोषी ठहराया था और साथ ही उन्होंने बीते समय में चयन के मुद्दों को लेकर भी कपिल को गाली दी थी। युवराज ने कहा मैं कपिल और एम एस धोनी से इन टिप्पणियों के लिए माफी मांगना चाहता हूं क्योंकि कपिल पाजी भारत के लिए एक महान खिलाड़ी रहे हैं। उनके (योगराज और कपिल) बीच कैसा रिश्ता था, मुझे नहीं पता, मैं तो तब पैदा भी नहीं हुआ था।

उन्होंने कहा मैं धोनी के साथ खेला हूं और उनके साथ अपने रिश्ते को लेकर मेरी उम्मीदें थीं। लेकिन मेरे पिता ने उनके बारे में जो कहा, मैंने उनसे कहा कि यह ठीक नहीं है। भारत की 2011 विश्व कप जीत के नायक रहे इस आलराउंडर ने कहा मैंने उनसे कहा यह ठीक नहीं है क्योंकि इसका असर मुझ पर पड़ता है। मैं उनके साथ खेला हूं और मैं चाहूंगा कि आप उनके बारे में ये बातें नहीं कहें।

युवराज ने कहा कि कपिल और धोनी दोनों अच्छी तरह जानते हैं कि उनके पिता के बयान किसी भी तरह से उनके अपने विचारों को नहीं दिखाते हैं। उन्होंने कहा जो कोई भी कारण हों, आप जानते हैं कि वे क्या हैं। लेकिन मैं उन दोनों से इन शब्दों के लिए ईमानदारी से माफी मांगना चाहूंगा लेकिन वे यह भी जानते हैं कि ये शब्द मेरे नहीं हैं। क्रिकेटर के तौर पर, उन्होंने देश के लिए जो कुछ किया है, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।

पिता के अंदर दोनों के प्रति भरा है गुस्सा

कपिल उत्तर क्षेत्र और हरियाणा के कप्तान थे और योगराज का कहना है कि तब उन्होंने उन्हें 'बिना किसी वजह' टीम से बाहर कर दिया था जिसके कारण उन्होंने कपिल को उनके घर पर गाली दी और फिर क्रिकेट छोड़ दिया। धोनी के मामले में योगराज ने कहा युवराज के टीम से बाहर होने का कारण वही थे। 2011 में विश्व कप जीतने के बाद युवराज ने क्रिकेट में वापसी करने के लिए कैंसर से लड़ाई लड़ी और जब उन्हें उस साल विश्व कप के लिए नहीं चुना गया तो उन्होंने 2019 में क्रिकेट से संन्यास ले लिया। योगराज ने कहा युवराज के करियर को बर्बाद करने के लिए धोनी जिम्मेदार थे इसलिए माफ नहीं करेंगे।